पान मसाला पर उपकर वाले विधेयक को लोकसभा ने दी मंजूरी - 12

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा-जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना- 12

गांधी की समाधि पर नतमस्तक हुए पुतिन अहिंसा और सच्चाई के लिए किया याद - 13

एशेज सीरीज के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त - 14

आज का मौसम

22.0° अधिकतम तापमान

10.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.51

सूर्यास्त 05.16

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

पौष कृष्ण पक्ष द्वितीया 09:25 उपरांत तृतीया विक्रम संवत 2082

शनिवार, 6 दिसंबर 2025, वर्ष 7, अंक 12, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

मुर्शिदाबाद में मस्जिद के शिलान्यास में कोई हस्तक्षेप नहीं: हाईकोर्ट

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर, तृणमूल कांग्रेस के निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा प्रस्तावित एक मस्जिद के निर्माण में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। अदालत की यह टिप्पणी छह दिसंबर को प्रस्तावित ' 'बाबरी मस्जिद'' के लिए निर्धारित शिलान्यास समारोह से पहले आई है, जो मूल ढांचे के विध्वंस की बरसी भी है। केंद्र ने कहा कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल की 19 कंपनियां इस साल अप्रैल में मुर्शिदाबाद जिले में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद क्षेत्र में तैनात की गई थीं। वह अभी भी तैनात हैं और हिंसा की स्थिति में तैयार रहेंगी।

काले हिरण के शिकार में तीन लोग गिरफ्तार

रायसेन। मध्यप्रदेश के रायसेन जिले में शुक्रवार को काले हिरण का शिकार करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई एक मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। आरोपियों के पास से मृत हिरण, खाल, एक राइफल, कारतूस, दो कार सहित अन्य औजार बरामद किए गए हैं। वन विभाग के रेंजर मनीष सिंह ठाकुर ने बताया कि सागर जिले की सीमा से लगे बेगमगंज–राहतगढ़ के पास ग्राम बेरखेड़ी बीट में बृहस्पतिवार रात काले हिरण के शिकार की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद शुक्रवार सुबह करीब चार बजे घेराबंदी कर आरोपियों की दो कारों को रोककर तलाशी ली गई।

बिना दबाव भारत को जारी रहेगी तेल आपूर्ति : पुतिन

मोदी बोले- भारत-रूस की दोस्ती ध्रुव तारे की तरह अटल, दोनों देशों ने पंचवर्षीय आर्थिक मसौदे पर जताई सहमति

- हेल्थ, फूड सेफ्टी और शिपबिल्डिंग समेत कई समझौतों पर मुहर
- 2030 से पहले 100 अरब डॉलर का आपसी व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में भारत–रूस के 23वें शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। ● एजेंसी

भारत और रूस ने अमेरिका द्वारा दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने से उत्पन्न स्थिति से निपटने के लिए शुक्रवार को आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमति जताई। इस दौरान पुतिन ने कहा कि रूस भारत को बिना रोक-टोक के तेल आपूर्ति जारी रखेगा। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि यूक्रेन में जारी युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त किया जाना चाहिए।

दुनिया भर की नजर मोदी और पुतिन के बीच होने वाली बातचीत पर रही जिसमें दोनों नेताओं ने आठ दशक से अधिक पुरानी भारत-रूस मित्रता को नई गति प्रदान करने की अपनी दृढ़ इच्छा प्रदर्शित की। मोदी ने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल के बावजूद यह मित्रता ध्रुव तारे की तरह अडिग बनी हुई है। दोनों देशों ने 2030 के आर्थिक कार्यक्रम को अंतिम रूप देने के अलावा, स्वास्थ्य, गतिशीलता, खाद्य सुरक्षा और लोगों के बीच आदान-प्रदान सहित कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी ने द्विपक्षीय शिखर वार्ता के बाद कहा, गत आठ दशकों में दुनिया ने अनेक उतार-चढ़ाव देखे हैं। मानवता को अनेक चुनौतियों और संकटों से गुजरना पड़ा है। लेकिन आपसी सम्मान और गहरे विश्वास पर आधारित यह संबंध हमेशा समय की कसौटी पर खरा उतरा है। आज हमने इस नींव को और मजबूत करने के लिए सहयोग के सभी पहलुओं पर चर्चा की। आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाइयों पर ले जाना हमारी साझा प्राथमिकता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए दोनों देश 2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम पर सहमत हुए हैं और इससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश विविध, संतुलित और टिकाऊ बनेंगे। उन्होंने कहा, हम आईएनएसटीसी , उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक गलियारे पर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेंगे। मुझे खुशी है कि अब हम ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग करेंगे। मोदी कहा, इससे न केवल आर्कटिक में हमारा सहयोग मजबूत होगा, बल्कि भारत के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। अंतर्राष्ट्रीय उत्तर दक्षिण परिवहन गलियारा (आईएनएसटीसी) भारत, ईरान, अफगानिस्तान, अर्मीनिया, अजरबैजान, रूस, मध्य एशिया और यूरोप के बीच माल ढुलाई के लिए 7,200 किलोमीटर लंबी 'मल्टी-मोड' परिवहन परियोजना है। मोदी ने कहा कि पोत निर्माण के क्षेत्र में दोनों पक्षों के बीच गहन सहयोग से 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम को मजबूती मिलने की संभावना है।

मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण को लेकर दोनों देश उत्सुक

पुतिन ने संकेत दिया कि रूस भारतीय उत्पादों के लिए अपने बाजार को और सुलभ बनाएगा तथा दोनों पक्ष छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर तथा फ्लोटिंग परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के निर्माण में सहयोग के लिए उत्सुक हैं। रूस परमाणु प्रौद्योगिकियों के गैर-ऊर्जा अनुप्रयोग में भी भारत को सहायता दे सकता है, उदाहरण के लिए चिकित्सा और कृषि में। मोदी ने अपने वक्तव्य में कहा कि ऊर्जा सुरक्षा भारत-रूस साझेदारी का एक मजबूत और महत्वपूर्ण स्तंभ रही है और असैन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा, हम इस परस्पर लाभकारी सहयोग को जारी रखेंगे।

रूसी पर्यटकों को 30 दिन का फ्री वीजा देगा भारत

मोदी ने इस अवसर पर घोषणा की कि भारत शीघ्र ही रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन का नि:शुल्क ई-पर्यटक वीजा तथा 30 दिन का समूह पर्यटक वीजा शुरू करेगा। पुतिन ने अपने वक्तव्य में कहा कि दोनों पक्ष वार्षिक व्यापार को वर्तमान 64 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 100 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर विचार कर रहे हैं और रूस भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तेल, गैस, कोयला और अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं का विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता है। उन्होंने कहा, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है।

यूक्रेन संकट पर भारत तटस्थ नहीं, शांति का पक्षधर

दोनों शासनाध्यक्षों की बातचीत के दौरान यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा कि भारत ने उस देश में शांति की वकालत की है। उन्होंने कहा, हम इस मुद्दे के शांतिपूर्ण और स्थायी समाधान के लिए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। भारत हमेशा योगदान देने के लिए तैयार रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा।

आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने पर चर्चा

वार्ता में आतंकवाद से प्रभावी ढंग से निपटने के तरीकों पर भी चर्चा हुई। मोदी ने आतंकवाद के खतरे पर कहा कि भारत और रूस लंबे समय से इस खतरे के खिलाफ लड़ाई में कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं। चाहे पहलगाम में हमला हो या क्रोकस सिटी हॉल पर कायरतापूर्ण हमला इन सभी घटनाओं की जड़ एक ही है। भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद मानवता के मूल्यों पर सीधा हमला है और इसके खिलाफ एकता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है।

जीएसटी में 10 करोड़ 77 लाख रुपये की कर चोरी का खुलासा

शाहजहांपुर। एसओजी, सर्विलांस सेल और रोजा पुलिस की संयुक्त टीम ने बोगस जीएसटी फर्म बनाकर 10 करोड़ 77 लाख की कर (टैक्स) चोरी कराने वाले गिरोह को पकड़ा है। उनके पास से फर्जी दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, 200 फर्जी रेंट एग्रीमेंट, 39 आधार और 39 पैन कार्ड की प्रतियां, 13 बैंक स्टेटमेंट, 39 एटीएम कार्ड, टैब, मोबाइल, विजिटिंग कार्ड, नोटरी मोहर और कार बरामद की हैं।

आरोपी इंस्टाग्राम पर लोन दिलाने का झांसा देकर लोगों के आधार-पैन कार्ड और बिजली बिल प्राप्त कर फर्जी हस्ताक्षर से रेंट एग्रीमेंट बनाकर बोगस जीएसटी फर्म बनाते थे। फर्म के नाम पर बैंक में करंट खाता खुलवाकर फर्जी लेन-देन कर टैक्स चोरी करते थे। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया 28 मई 2025 को सहायक आयुक्त राज्य कर भावना चन्द्रा की तहरीर पर रोजा थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसआईटी गठित कर विवेचना निरीक्षक वीरेन्द्र सिंह प्रभारी गैंगस्टर सेल को सौंपी गई। पुलिस ने शुक्रवार को हथौड़ा चौराहे के पास संदिग्ध वाहन की सूचना पर घेराबंदी कर एक कार को रोक लिया। कार सवार गौरव यादव निवासी व्हाइट हाउस अपार्टमेंट दिल्ली, सिद्धार्थ पाण्डेय निवासी टिकरा थाना नवाबगंज (प्रयागराज) और दीपक निवासी समयपुर बादली, दिल्ली को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों ने बताया फर्जी जीएसटी फर्मों की श्रृंखला बनाकर जीएसटी पोर्टल पर खरीद व बिक्री दर्शाकर फर्जी बिल तैयार करते थे।

- इंस्टाग्राम पर लोन का लालच देकर आधार-पैन कार्ड लेकर फर्म बनाते थे

रेपो दर में 0.25 % की कटौती घर-गाड़ी खरीदना होगा सस्ता

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने दी जानकारी, फरवरी 2025 से यह चौथी कटौती
- चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत किया

ऐसे हुई कटौती

- फरवरी : 0.25 %
- अप्रैल : 0.25 %
- जून : 0.50%
- दिसंबर : 0.25

महंगाई का अनुमान घटाया

आरबीआई ने महंगाई दर के अनुमान को 2.6 से घटाकर 2% कर दिया है। गवर्नर ने कहा, मुद्रास्फीति 2.2% के संतोषजनक स्तर पर है और वित्त वर्ष की पहली छमाही में आर्थिक वृद्धि 8.0 प्रतिशत रही है। जो अर्थव्यवस्था के लिए खुशनुमा दौर बनता है।

भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को नीतिगत रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इससे घर, वाहन और अन्य कर्ज सस्ता होने की उम्मीद है। इसके साथ ही आरबीआई ने बैंकों में एक लाख करोड़ रुपये की नकदी डालने की भी घोषणा की। इससे अर्थव्यवस्था को अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सुरक्षित रखने और रुपये की कीमत में आई गिरावट से निपटने में मदद मिलेगी।

आरबीआई की छह-सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने सर्वसम्मति से रेपो दर को 0.25 प्रतिशत घटाकर 5.25 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। आरबीआई ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को 6.8 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.3 प्रतिशत कर दिया। यह फरवरी 2025 के बाद से चौथी कटौती है और अब तक कुल 1.25 प्रतिशत कटौती हो चुकी है। रेपो दर में छह महीने के अंतराल के बाद की गई इस कटौती से आवास, वाहन और अन्य उपभोक्ता ऋणों के सस्ते होने का रास्ता खुल गया है। दरअसल रेपो दर में कटौती का सीधा असर बैंकों की उधारी लागत पर होता है।

बैंकों को अब केंद्रीय बैंक से सस्ते में उधार मिलेगा लिहाजा वे एमसीएलआर (कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर) और अन्य ऋण दरों में कमी कर सकेंगे। इससे घर, वाहन और व्यावसायिक ऋणों की मासिक किस्तें घटेंगी। रेपो दर में इस कटौती से आरबीआई ने डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत 90 के भी पार चले जाने से जुड़ी आशंकाएं दरकिनार करने की कोशिश की है। इस साल डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में पांच प्रतिशत की गिरावट आ चुकी है जो एशिया की सभी मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुवाई वाली एमपीसी ने मौद्रिक नीति के रुख को 'तटस्थ' बनाए रखने का भी फैसला किया।

दो पासपोर्ट मामले में भी अब्दुल्ला आजम को सात साल की सजा

रामपुर। दो पासपोर्ट रखने के मामले में शुक्रवार को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश शोभित बंसल ने आजम खां के पुत्र पूर्व विधायक अब्दुल्ला को दोषी मानते हुए सात साल के कारावास और 50 हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। उन्होंने 332 पेज का फैसला तैयार किया था। वह दो पैन कार्ड के मामले में हुई सजा में रामपुर जेल में बंद हैं।

- एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने सुनाई सजा

अब्दुल्ला आजम के खिलाफ दो पासपोर्ट के मामले में शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम एक पासपोर्ट का इस्तेमाल विदेश यात्रा में भी कर चुके हैं। जन्मतिथि शैक्षिक प्रमाण पत्रों हाईस्कूल बीटेक व एमटेक में एक जनवरी 1993 अंकित है। पासपोर्ट संख्या जेड 4307442 में जन्मतिथि 30 सितंबर 1990 अंकित है। अब्दुल्ला के शैक्षिक प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट का विवरण जन्मतिथि व जन्म स्थान भी विरोधाभासी है। शुक्रवार को अब्दुल्ला वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए। विधायक के अधिवक्ता संदीप सक्सेना ने बताया कि धारा 420 में तीन वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 467 में 7 साल की सजा 20 हजार का जुर्माना, 468 में 3 वर्ष की सजा 10 हजार का जुर्माना, धारा 471 में दो वर्ष की सजा और 10 हजार का जुर्माना लगाया है।

एक जिला-एक व्यंजन भी बनेगा ब्रांड यूपी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को दी मंजूरी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में ओडीओपी 2.0 की कार्ययोजना को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा कि 'एक जनपद–एक उत्पाद' अब 'एक जिला-एक व्यंजन' भी ब्रांड यूपी बनेगा। योगी ने स्थानीय उद्योगों को आधुनिक तकनीक, बेहतर पैकेजिंग, गुणवत्ता उन्नयन और बड़े बाजारों से जोड़ने पर जोर दिया। कहा कि बदलती वैश्विक मांग को देखते हुए योजना को अधिक व्यावसायिक रूप में आगे बढ़ाना समय की जरूरत है।

योगी ने बैठक में बताया कि ओडीओपी 2.0 का उद्देश्य है कि पारंपरिक उत्पाद स्थायी रोजगार का आधार बनें और निर्यात में वृद्धि हो। उन्होंने निर्देश दिए कि पहले चरण में अच्छा काम करने वाले उद्यमियों को विस्तार के अवसर दिए जाएं, ताकि वे बड़े स्तर पर कारोबार कर सकें। मुख्यमंत्री ने 'एक जनपद–एक व्यंजन' (ओडीओसी) योजना लागू करने का निर्देश देते हुए कहा कि अब प्रदेश के खान-पान की परंपरा को भी नई पहचान मिलेगी।

विशेषज्ञों की मदद से उपयोगी बनें कॉमन फैसिलिटी सेंटर

मुख्यमंत्री ने कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेंटर को और उपयोगी बनाया जाए। विशेषज्ञों की मदद से उद्यमियों को डिजाइन, पैकेजिंग और उत्पादन संबंधी सहयोग उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि ओडीओपी उत्पादों को केवल पारंपरिक बाजारों तक सीमित न रखते हुए उन्हें बड़े रीटेल नेटवर्क से जोड़ा जाए। देश में स्थापित सभी यूनिटी मॉल में उत्तर प्रदेश के उत्पादों के लिए अलग स्थान सुनिश्चित किया जाएगा।

चौथे दिन भी 500 उड़ानें रद्द, डीजीसीए ने इंडिगो को दी राहत, विस्तृत जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

बेंगलुरु हवाई अड्डे पर फैली भारी अव्यवस्था।

- सेवाओं में व्यवधान से हवाई अड्डों पर अफरा तफरी
- चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने हो चुकी हैं रद्द

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो के राष्ट्रीय राजधानी से प्रस्थान करने वाली सभी उड़ानों सहित करीब 500 उड़ानें रद्द करने से देश भर में हजारों यात्री कई घंटों तक फंसे रहे और हवाई यात्रा शुक्रवार को लगातार चौथे दिन भी पटरी से उतरी नजर आई।

लोगों का गुस्सा बढ़ने और विपक्षी दलों के सरकार को घेरने के बाद डीजीसीए ने हस्तक्षेप करते हुए इंडिगो के पायलटों के लिए रात्रि ड्यूटी के कड़े नियमों से अस्थायी छूट दे दी। इंडिगो का संकट उन नए नियमों से खड़ा हुआ जिनके तहत पायलटों के साप्ताहिक आराम की जरूरत के समय को 12 घंटे से बढ़ाकर 48 घंटे कर दिया गया। साथ ही सप्ताह में केवल दो बार रात में लैंडिंग की अनुमति दी गई है, जो पहले छह हुआ करती थी। इंडिगो ने इन व्यवधानों के लिए गलत फैसलों और योजनागत कमियों को जिम्मेदार ठहराया है। दिल्ली से शुक्रवार को इंडिगो की 235 उड़ानें रद्द की गई हैं। चार दिन में 1200 से ज्यादा उड़ाने रद्द हुईं।

जांच के लिए चार सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली। डीजीसीए ने इंडिगो की बड़ी संख्या में उड़ानें रद्द होने के कारणों की व्यापक समीक्षा और आकलन के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की है। समिति के सदस्यों में संयुक्त महानिदेशक संजय के ब्रम्हाने, उप महानिदेशक अमित गुप्ता, वरिष्ठ उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन कपिल मांगलिक और उड़ान संचालन निरीक्षक कैप्टन रामपाल शामिल हैं। समिति 15 दिनों के भीतर रिपोर्ट सौंपेगी।

सौहार्द छह दिसंबर को अयोध्या में कोलाहल नहीं, राममंदिर का उल्लास, रामलला का भव्य मंदिर बनकर तैयार, शान से लहरा रहा है धर्म ध्वज

छह साल में ही बदल गई 33 साल की रामनगरी की तस्वीर

विवेक सक्सेना, अयोध्या

अमृत विचार : 06 दिसंबर 1992, 09 नवंबर 2019, 25 मार्च 2020, 22 जनवरी 2024 और 25 नवंबर 2025, ये तिथियां अयोध्या के इतिहास में दर्ज हो गईं हैं। वर्ष 1992 से 2025 तक इन 33 वर्षों में रामनगरी की तस्वीर ऐसी बदली कि आज अयोध्या अद्भुत, अकल्पनीय कहलाने लगी है।

वर्ष 2019 में श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में फैसला आने और 2025 में श्रीराम मंदिर पूरा बनकर तैयार होने पर धर्म ध्वजारोहण होने के दौरान इन छह वर्षों में अयोध्या सम्पूर्ण विश्व में छा गई। हर साल 06 दिसंबर को छाने वाला कोलाहल फिजाओं में गुम हो गया। न सिर्फ मां सरयू नदी अपनी धुन में बह रही है, अपितु चौक, बाजार, गली-मोहल्ले और यहां के निवासी भी सहज हैं। इस दिन रह-रह कर गूंजने वाला सायरन और सुरक्षा बलों के बूटों की धमक की जगह आपसी सौहार्द का गहरा हुआ रंग रिश्तों की

डोर मजबूत कर रहा है। गंगा-जमुनी तहजीब की धूप में तनाव की बदली की सिहरन से लोग मुक्त हो चुके हैं। एहतियात के तौर पर भले ही पुलिस, सुरक्षा बल और खुफिया तंत्र सतर्क हैं, लेकिन दशकों पहले परिस्थितियों वाली गंभीरता नहीं है। यौमे स्याह और शौर्य दिवस का दूर-दूर तक कोई जिक्र नहीं है। कुछ संगठनों ले रस्म अदायगी जरूर की जाती है, लेकिन आमजन रामलला की धुन में है। तारीखें बहुत कुछ बदल देती हैं। 06 दिसंबर 1992 से लेकर 08 नवंबर 2019 तक की खाई को 09 नवंबर 2019 को श्रीराम जन्मभूमि के पक्ष में आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने पाट दिया। मस्जिद के लिए अलग से पांच एकड़ जमीन मुस्लिम पक्ष को देने के आदेश ने बचा-खुचा तनाव भी खत्म कर दिया।

25 मार्च 2020 को रामलला टेंट से निकलकर फाइबर के मंदिर में शिफ्ट हुए और 05 अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री ने राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। इसके बाद शुरू हुए श्रीराम मंदिर निर्माण और 22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में बाल स्वरूप रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने 500 वर्षों की साधना को फलक तक पहुंचा दिया। 25 नवंबर 2025 को मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने और प्रधानमंत्री द्वारा धर्म ध्वजारोहण करने के बाद देश-विदेश के सनातनी ही नहीं अपितु सर्व समाज आनंदित है।

अयोध्या प्राचीन नगरी है। यहां देश-विदेश से लोग आते हैं। हर धर्म हर जाति के देवी-देवता यहां विराजमान हैं। 6 दिसंबर को जो कुछ होना था वह हो चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया। मंदिर बन गया। अब हिंदू और मुसलमानों में कोई मतभेद नहीं है। हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ी ऐसा काम करें जिससे लोग एक-दूसरे से मिल कर रहें। नफरत को भूल जाएं। जिससे पूरा देश और दुनिया अयोध्या के लोगों को याद करे।

– **इकबाल अंसारी,** बाबरी मस्जिद विवाद के मुद्दई।

6 दिसंबर को लेकर सुरक्षा के इंतजाम किए गए है। परिसर की सुरक्षा को लेकर अधिकारियों के साथ मंथन किया गया है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा का ध्यान रखते हुए दर्शन चलेगा। अब कहीं कोई विवाद नहीं। – **डॉ. अनिल मिश्रा,** सदस्य श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट।

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

युवा उत्सव 8 को

शाहजहांपुर, अमृत विचार : युवा उत्सव और विज्ञान मेला प्रदर्शनी 8 दिसंबर को सुबह 10 बजे अटल बिहारी वाजपेयी ऑडिटोरियम अंटा चौराहा में आयोजित की जाएगी। जिला युवा कल्याण अधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि युवा कलाकार एवं छात्र-छात्राएं सांस्कृतिक ट्रैकडिक्लेमेशन, कहानी लेखन, पेंटिंग, लोकनृत्य (समूह), लोकगीत (समूह), कविता लेखन, इनोवेशन ट्रैक, साइंस मेला प्रदर्शनी आदि संबंधित विधाओं के प्रतिभाग कर सकते हैं। एक टीम में अधिकतम 5 छात्र भाग ले सकते हैं।

परिनिर्वाण दिवस आज

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पंचशील सोशल वेलफेयर सोसाइटी के तत्वावधान में 6 दिसंबर को प्रातः 9 बजे डॉ. आंबेडकर परिनिर्वाण दिवस पर डॉ अंबेडकर प्रतिमा स्थल घंटाघर पर पुष्पांजलि एवं राष्ट्र निर्माण में डॉक्टर अंबेडकर का योगदान विषयक गोष्ठी होगी। यह जानकारी पंचशील सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष राम सिंह ने दी है।

घरेलू सामान जला

जलालाबाद, अमृत विचार : गुलड़िया गांव में गुरुवार रात करीब 11 बजे किसी ने झोपड़ी में आग लगा दी, जिससे अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। झोपड़ी मालिक अरुण कुमार ने शुक्रवार को बताया वह भांजी की शादी में शामिल होने मीरानपुर कटरा गए थे। इसी दौरान किसी ने झोपड़ी में आग लगा दी। झोपड़ी में रखे आलू एवं घुइया के बीज, इंजन का सामान, गृहस्थी का सामान जल गया। ग्रामीणों ने समर चलाकर आग बुझाई और अनुमानित तौर पर करीब तीस हजार रुपये का सामान जलकर नष्ट हुआ। सूचना पर प्रधान विमलेश कुमार और लेखपाल ने नुकसान का मुआयना किया तथा रिपोर्ट प्रशासन को भेजकर उचित मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया।

पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन बंद, समय बढ़ाने की मांग

सर्वर स्लो होने से कार्य प्रभावित, 2586 में सिर्फ 1093 वक्फ संपत्तियों का ही हो पाया रजिस्ट्रेशन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : उम्मीद पोर्टल पर वक्फ सम्पत्तियों के रजिस्ट्रेशन का काम सर्वर स्लो होने से प्रभावित हो रहा है। अब मुतवल्लियों के पास सिर्फ एक दिन बचा है। जिले में लगभग 2586 वक्फ सम्पत्तियां हैं। आज शुक्रवार तक 1093 संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन ही हो पाया है। मुतवल्लियों ने समय सीमा बढ़ाने की मांग उठाई है।

भारत सरकार द्वारा वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण उम्मीद पोर्टल पर अनिवार्य किए जाने के संबंध में पंजीकरण तिथि को बढ़ाने की मांग उठने लगी है। जिले में 2586 वक्फ संपत्तियां दर्ज हैं, जिनमें से कई की दस्तावेजी स्थिति, सीमांकन, स्वामित्व विवरण तथा ऐतिहासिक अभिलेख अब भी अद्यतन नहीं हो पाए हैं। ऐसे में कम समय सीमा होने के कारण अनेक वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण अधूरा रह जाने की संभावना है। उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण की अंतिम तिथि बढ़ाने से सभी वक्फ संपत्तियों को सटीक और सही रूप से दर्ज किया जा सकेगा।

जानकार बताते हैं कि वक्फ संपत्तियों का सही पंजीकरण न केवल प्रबंधन व्यवस्था को पारदर्शी बनाएगा बल्कि भविष्य में विवादों और कानूनी जटिलताओं को भी कम करेगा। अल्पसंख्यकों से जुड़ी इस महत्वपूर्ण संपत्ति की सुरक्षा एवं संरक्षण के हित में पंजीकरण प्रक्रिया के लिए और समय न देने की वजह से मुतावल्लियों के माथे पर बल

- संपत्ति की सुरक्षा एवं संरक्षण के लिए कराया जा रहा पंजीकरण

पड़ना स्वाभाविक है। जनपद में स्थापित वक्फ़ संपत्तियों का उम्मीद पोर्टल पर पंजीकरण आज 5 दिसंबर तक होना था। जनपद में 2586 वक्फ़ संपत्तियां हैं। बोर्ड में मस्जिद, कर्बला, इमामबाड़ा, ईदगाह, दरगाह, कब्रिस्तान, मदरसा शामिल हैं। लेकिन विडंबना यह है कि अधिकांश संपत्तियों के मुतवल्ली को यह पता ही नहीं कि वह किस संपत्ति का मुतवल्ली है। वहीं काफी संख्या में मुतावल्लियों का निधन हो चुका है। वक्फ़ बोर्ड में मृतक का ही नाम दर्ज चला आ रहा है। इसलिए उम्मीद पोर्टल पर संपत्ति का दर्ज होना बहुत मुश्किल हो रहा है।

सर्वर सुस्त होने से नहीं हुआ पंजीकरण

मुतावल्ली हकीम सैयद नूर मियां ने बताया कि वह मस्जिद फखरे आलम मियां के सचिव हैं। मस्जिद व कब्रिस्तान का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने की कोशिश पिछले कई दिनों से कर रहे हैं। मगर अभी पोर्टल पर पंजीकरण नहीं हो पाया है। सर्वर डाउन होने की वजह बताई जा रही है। जलालाबाद के शरीफ अहमद कहते हैं कि वक्फ बोर्ड के पोर्टल पर सम्पत्तियों का रजिस्ट्रेशन कराना मुश्किल हो गया गया है। समय सीमा समाप्त हो रही है। जबकि वक्फ सम्पत्ति का पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन नहीं हो पाया है।

जल्द तय होंगे दिशा-निर्देश

प्रभारी जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी रोहित सिंह ने बताया कि जिले में 2586 वक्फ सम्पत्तियां हैं। भारत सरकार ने पंजीकरण की तिथि 5 दिसम्बर निश्चित की है। जिले के मुतावल्ली और केयरटेकर अपनी अपनी वक्फ सम्पत्तियों को उम्मीद पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने में व्यस्त हैं। आज 5 दिसम्बर तक 1093 वक्फ सम्पत्तियों को दर्ज कराया जा चुका है। जो सम्पत्तियां दर्ज नहीं हो पाएंगी। उनके सम्बंध में शासनादेश के मुताबिक दिशा निर्देश तय किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सर्वे वक्फ कार्यालस में दफा 37 का रजिस्टर मौजूद है। जो मुतावल्ली अपना वक्फ नंबर देखना चाहें, वह कार्यालय में आकर देख सकते हैं।

कंपोजिट विद्यालय परिसर में पानी भरने से बढ़ी परेशानी

पानी से भरे विद्यालय परिसर में जाते शिक्षक। ● अमृत विचार

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

अमृत विचार: पानी भरने से ब्लॉक ददरौल के मोहद्दीनपुर कंपोजिट विद्यालय तालाब जैसा नजर आया, जिससे कई छात्र स्कूल नहीं जा सके। प्रधानाचार्य रजनीश सिंह ने ग्रामीणों की मदद से पानी निकालकर राहत की सांस ली।

प्रधानाचार्य ने बताया कि स्कूल के पास से निकली अजीजगंज डैम की माइनर की सफाई न होने से पानी विद्यालय परिसर में घुस गया था। विद्यालय खुलने पर छात्रों व शिक्षकों को घुटने तक पानी से होकर कक्षाओं तक पहुंचे। या गया। इसके बाद मोटर पंप मंगवाकर पानी निकाला गया। इस संबंध में नहर सफाई के ठेकेदार राम औतार से बात की, उन्होंने सफाई का कोई ठेका न होने की बात कहकर किनारा कर लिया।

जाम से मुक्ति दिलाने स्पेशल ट्रैफिक टीम तैनात

संवाददाता, पुवायां

- हेलमेट, सीट बेल्ट चेक और अवैध पार्किंग पर सख्ती

अमृत विचार: पुवायां में यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर यातायात पुलिस को जिम्मेदारी सौंपी गई ।

पांच यातायात कर्मियों की विशेष टीम तैनात की गई है, जिसका नेतृत्व दरोगा मुन्ना लाल करेंगे। राजीव चौक पर आए दिन लगने वाले जाम से लोगों को छुटकारा दिलाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। टीम का मुख्य फोकस सुबह-शाम भारी यातायात को नियंत्रित करना और मार्ग को सुचारु रूप से संचालित कराना होगा, जिससे आम राहगीरों को राहत मिल सके।

यातायात विभाग का कहना है कि नई व्यवस्था लागू होने से सड़क दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। टीम को चौराहों पर तैनात कर नियमों का सख्ती से पालन कराने, हेलमेट-सीट बेल्ट की जांच करने और अवैध पार्किंग पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। शुक्रवार को यातायात टीम ने राजीव चौक पर चेकिंग अभियान चलाया और स्कूली वाहनों को रोककर चालकों को यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी। इस दौरान एक बाइक का नियमों की अनदेखी करने पर चालान किया गया। साथ ही डग्गामार वाहनों और ई-रिक्शा चालकों को चौराहे के आसपास खड़ा न होने तथा कुछ दूरी पर वाहन खड़ा करने के निर्देश दिए गए। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई कि नई टीम के सक्रिय होने से राजीव चौक सहित मुख्य बाजार क्षेत्रों में जाम की समस्या में कमी आएगी और यातायात व्यवस्था सुचारु होगी।

20 बीडीओ-एडीओ पंचायत के वेतन पर रोक

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: शासन स्तर से जनपद में चल रहे जीरो पावर्टी सर्वे और फार्मर रजिस्ट्री में बार- बार चेतावनी के बाद भी ब्लॉक स्तर पर अच्छी परफॉर्मेंस न करने वाले 20 बीडीओ और एडीओ पंचायत पर सीडीओ डॉ. अपराजिता सिंह ने बड़ी कार्रवाई की है।

सीडीओ ने इन सभी का वेतन रोकते हुए कार्य में लापरवाही बरतने पर नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई जलालाबाद, तिलहर व सदर तहसील में की गई है। सीडीओ ने बताया विकास भवन से निरंतर ब्लॉक पर चल रहे, कामकाजों की मानीटरिंग की जा रही है। विकास कार्यों व जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही अन्य ब्लॉकों की भी रिपोर्ट तलब की गई है। अगर कोई गड़बड़ी, लापरवाही सामने आती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि शासन स्तर से चलाई जा रही तमाम योजनाओं का क्रियान्वयन शासन की मंशा के अनुसार नहीं हो पा रहा है।

ग्राम पंचायत सचिव संगीता यादव निलंबित

शाहजहांपुर/जैतीपुर : ग्राम पंचायत अमरेडी, विकास खंड जैतीपुर की ग्राम पंचायत अधिकारी संगीता यादव को गंभीर भ्रष्टाचार आरोपों के चलते निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि उन्होंने ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्य, शौचालय निर्माण एवं प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभार्थियों से रुपये मांगे थे और विकास कार्यों में रुचि नहीं दिखाई। शिकायत में आरोप है कि संगीता यादव व उनके पति ने पात्र लाभार्थियों को अपात्र दिखाकर आवास व शौचालय स्वीकृति में धन की मांग की तथा ग्रामनिधि से भुगतान कराने में भी रुपये मांगने के संकेत मिले हैं। जांच के लिए भेजे गए पत्र के साथ लाभार्थियों से धन मांगने का एक आडियो रिकॉर्ड पेनड्राइव में प्रशासन को प्राप्त हुआ, जो प्रथम दृष्टया आरोपों की पुष्टि करता दिखा। इस पर जिला पंचायत राज अधिकारी ऋषिपाल सिंह ने अनुशासन व अपील नियमावली 1999 के तहत निलंबन आदेश जारी किया। निलंबन अवधि में जीवन निर्वाह भत्ता नियम अनुसार अर्ध वेतन के बराबर दिया जाएगा।

विशेष श्रद्धांजलि सभा

प्रेरक उपस्थिति

योगी आदित्यनाथ
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

केशव प्रसाद मौर्य — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
ब्रजेश पाठक — उप मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
स्वतंत्र देव सिंह — मंत्री, जलशक्ति एवं बाढ़ नियंत्रण, उत्तर प्रदेश
जयवीर सिंह — मंत्री, पर्यटन एवं संस्कृति, उत्तर प्रदेश
असीम अरुण — राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण, उत्तर प्रदेश
सुषमा खर्कवाल — महापौर, लखनऊ
डॉ. लालजी प्रसाद 'निर्मल' — सदस्य, विधान परिषद

एवं अन्य गणमान्य महानुभाव

दिनांक : 6 दिसंबर, 2025 | समय : प्रातः 9:30 बजे | स्थान : भारतरत्न बोधिसत्व बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा कार्यालय परिसर, हजरतगंज, लखनऊ

बाबा साहेब के विचारों के प्रति संकल्पित सरकार

✦ जीरो पॉवर्टी योजना का नाम बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम पर रखा गया ✦ लखनऊ में भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण (बाबासाहेब की 25 फीट ऊंची प्रतिमा की स्थापना, पुस्तकालय, शोध केंद्र, अत्याधुनिक प्रेक्षागृह एवं संग्रहालय) ✦ श्रमिकों एवं वंचितों के बच्चों की उत्तम शिक्षा हेतु सभी 18 मंडल मुख्यालयों पर अटल आवासीय विद्यालयों का संचालन ✦ डॉ. भीमराव आंबेडकर छात्रावास योजना (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग के छात्रों को शिक्षा में सहायता के लिए छात्रावासों का पुनर्निर्माण और नवनिर्माण) ✦ प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य ✦ कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नामकरण पुनः डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय

विशेष आकर्षण

- बौद्ध भिक्षुओं द्वारा अस्थिकलश कक्ष में बुद्ध वन्दना एवं त्रिशरण पंचशील का पाठ
- बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी के अस्थिकलश पर पुष्पांजलि

▶ लाइव प्रसारण DD NEWS & Youtube.com/DDNEWS
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial | CMOUttarpradesh | CMOfficeUP

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में दिया ज्ञापन

संवाददाता, कुर्रिया कला

अमृत विचार: प्रदेश व्यापी आह्वान के तहत ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत सचिवों और ग्राम विकास अधिकारियों ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया।

कर्मचारियों ने अपनी समस्याओं को लेकर सहायक खंड विकास अधिकारी पंचायत अरविंद शर्मा को मुख्यमंत्री एवं प्रमुख सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। सचिवों का कहना था कि गांवों में नेटवर्क न होने के बावजूद ऑनलाइन हाजिरी को अनिवार्य किया गया है, जिससे उपस्थिति दर्ज न होने पर अनुचित कार्रवाई की आशंका है। सचिवों ने ऑनलाइन हाजिरी की बाध्यता समाप्त करने, गैर विभागीय कार्यों से मुक्ति दिलाने, पंचायत स्तर पर सम्मानजनक कार्य परिसर तथा संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की। कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि 15 दिसंबर तक मांगों पर सकारात्मक निर्णय न होने पर आंदोलन चरणबद्ध तरीके से उग्र किया जाएगा। प्रदर्शन में संजीव भारद्वाज, अनामिका गौतम, शिवानंद सिंह राठौड़, विनीत चौधरी, विनेश कुमार, शिवओम अग्निहोत्री, अनिल कुमार वर्मा, अनिल कुमार, श्यामवीर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

ऑनलाइन हाजिरी का जताया विरोध

सिंधौली, अमृत विचार : सरकार की ओर से पंचायत सचिवों के लिए 1 दिसंबर से ऑनलाइन हाजिरी संबंधी शासनादेश का काली पट्टी बांधकर विरोध सचिव कर रहे है। शुक्रवार को ब्लॉक परिसर में प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन बीडीओ ओमप्रकाश को सौंपा। ब्लॉक परिसर में धरनारत पंचायत सचिवों को सम्बोधित करते हए ब्लॉक अध्यक्ष योगेन्द्र सिंह ने कहा कि एक- एक सचिव पर आठ-दस ग्राम पंचायतों का प्रभार है। ग्रामीण क्षेत्र में स्थित ग्राम पंचायतों तक आने जाने के लिए सरकार द्वारा कोई भत्ता देय नहीं है। पंचायत सचिव अवकाश के दिन भी कार्य को सम्पादित करते हैं। सरकार द्वारा लागू की जा रही ऑनलाइन हाजिरी पंचायत सचिव हित में नहीं है। शिवालय शर्मा ने कहा कि ग्राम पंचायतों में सचिव द्वारा दो दर्जन से अधिक विभागों के कार्य निष्ठा से करते हैं। रामबहोरन चौधरी, पंकज कुमार, अजय सागर आदि मौजूद रहे।

व्यापारी सम्मेलन की रूपरेखा पर की चर्चा

उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल की बैठक में विचार विमर्श करते व्यापारी।

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमण्डल की बैठक बहादुरगंज स्थित व्यापार मंडल कार्यालय पर जिलाध्यक्ष सौमित्र गुप्ता की अध्यक्षता में हुई। बैठक में आगामी 20 दिसंबर को होने वाले व्यापारी सम्मेलन एवं शपथ ग्रहण समारोह की रूपरेखा तय की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सौमित्र गुप्ता ने कहा कि आगामी 20 दिसंबर को ज़िले में व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह होने जा रहा है। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष लोकेश अग्रवाल होंगे। उन्होंने कहा कि व्यापारियों को जीएसटी से संबंधित आ रही कठिनाइयों आदि पर चर्चा की जाएगी। महानगर अध्यक्ष मोहम्मद सलाउदीन अख़्तर ने कहा कि महानगर में सभी इकाइयों के अध्यक्ष महामंत्री एवं बड़ी संख्या में व्यापारी इस सम्मेलन में शामिल होंगे।बैठक में प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक कौशिक, प्रांतीय मंत्री अनूप कुमार गुप्ता, जिला वरिष्ठ महामंत्री सुशील कुमार गुप्ता, जिला कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गुप्ता, जिला मंत्री संजीव गुप्ता समेत अन्य रहे।

पीएम स्वनिधि योजना का किया पुनर्गठन

शाहजहांपुर, अमृत विचार : पीएम स्वनिधि योजना का पुनर्गठन किया है और इसे 31 मार्च 2030 तक बढ़ाया है। इससे रेहड़ी-पटरी वालों को कार्यशील पूंजी के साथ अधिक सहायता मिलेगी। अब यह योजना शहरी क्षेत्रों और जनगणना कस्बों को भी कवर करेगी। पहली किस्त में 15 हजार तक, दूसरी किस्त में 25 हजार तक और कैशबैक प्रोत्साहन प्रदान किए जाएंगे। इस योजना का लक्ष्य 1.15 करोड़ लाभार्थियों तक पहुंचना है। ऋण 31 मार्च, 2030 तक चालू रहेगा। अब इसमें केवल वैधानिक कस्बों के अलावा जनगणना कस्बे और अर्ध-शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं। नए लाभार्थी 50 लाख नए स्ट्रीट वेंडरों को शामिल करने का लक्ष्य है। इस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा) निकट बाबा विश्वनाथ मंदिर के पास एवं अपने नजदीकी नगर निकाय से अपनी बैंक पासबुक, आधार कार्ड और आधार से लिंक्ड मोबाइल नंबर लेकर संपर्क करें।

स्कूल में पांच बच्चों का मनाया जन्मदिन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : परिषदीय विद्यालयों में सामुदायिक सहभागिता को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भावलखेड़ा विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय नईबस्ती में शुक्रवार को तिथि भोज का आयोजन किया गया।

जिसमें विद्यालय में कुल 110 छात्र-छात्राएं शामिल हुए। इस दौरान विद्यालय में पांच बच्चों का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद कक्षा 1 के कृष्णा, कक्षा 2 की जोहा, कक्षा 3 के आयुष, कक्षा 4 की शिवांगी और कक्षा 5 की बेबी ने केक काटा। "हैप्पी बर्थडे टू यू" की धुनों के बीच जब बच्चों ने मोमबत्तियां बुझाईं तो वातावरण खुशी, अपनत्व और उत्साह से भर गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी दिव्या गुप्ता ने बच्चों के साथ बैठकर भोजन किया। उन्होंने बच्चों को गिफ्ट और चॉकलेट दिया। बीएसए ने कहा कि कोई भी शिक्षक या ग्रामवासी अपने किसी भी विशेष अवसर पर विद्यालय के बच्चों के साथ तिथि भोज कर सकता है।

यह केवल आयोजन नहीं, बल्कि समाज को विद्यालय से जोड़ने और नन्हें बच्चों के जीवन में सुखद अनुभव भरने का श्रेष्ठ कार्य है। प्रधानाध्यापक राजकुमार तिवारी ने विद्यालय को समुदाय का "घर" बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल की। कार्यक्रम में एमडीएम जिला समन्वयक निश्चय सिंह के अलावा शिवकुमार, प्रेक्षा अवस्थी, कल्पना सिंह, गौरी मिश्रा, मोहनी, किरन, रामचंद्र तथा विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

लकड़ी काटने के विवाद में फायरिंग

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : चांदा गांव में खेत पर खड़ी जामुन के पेड़ से लकड़ी काटने के विवाद में फायरिंग की गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। चांदा निवासी आयुष मिश्रा के खेत में जामुन के पेड़ से लकड़ी काट रहे आटा खुर्द निवासी सुदीप, नरदेव और अनुज को देखकर आयुष मौके पर पहुंचे और विरोध किया। इसी पर नाराज होकर आरोपियों ने तमंचों से फायरिंग शुरू कर दी। आयुष किसी तरह वहां से भागे और फोन कर 112 पर सूचना दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, तब तक आरोपी फरार हो चुके थे। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है तथा आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा जाएगा।

गेट का ताला तोड़कर नकदी जेवर चोरी

खुटार, अमृत विचार : नगर के मोहल्ला नारायनपुर निवासी नरेंद्र त्रिपाठी ने बताया वह कपड़े की फेरी लगाते है। 21 नवंबर को वह और उसकी पत्नी विजयलक्ष्मी गोरखपुर के कस्बा महाराजगंज ससुराल गया था। दो-तीन पहले लौटकर आया था। गुरुवार सुबह वह फेरी लगाने क्षेत्र में चले गए थे। रात होने के बाद खुटार के गांव नरौठा हंसराम निवासी बहनोई अनूप मिश्रा के घर रुक गए थे। शुक्रवार दोपहर दो बजे पड़ोस के लोगों ने सूचना दी कि मेन गेट का ताला टूटा हुआ है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे। चोरों ने मेन गेट का ताला तोड़कर घर में घुसे कमरे की कुंडी निकाल ली। बाद में बक्सा का ताला तोड़कर नगदी, जेवरात चोरी कर ले गए। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सीता स्वयंवर प्रसंग का किया मंचन

कलान, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव टड़ई में चल रहे मेला रामलीला में शुक्रवार को जनक द्वारा अपनी पुत्री सीता का स्वयंवर लीला का मंचन किया गया। दर्शकों का उत्साह इतना अधिक था कि पूरा पंडाल "जय श्रीराम" के जयकारों से गूंज उठा। रामलीला में प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, परशुराम और राजा जनक के किरदार निभा रहे कलाकारों ने अपने अभिनय से ऐसा रंग जमाया कि मानो त्रेता युग का दौर फिर से जीवंत हो उठा हो। मंच पर शिवधनुष उठाने मुख्य आकर्षण रहा। जब प्रभु श्रीराम ने धनुष तोड़ा और माता सीता ने जयमाल पहनाकर अपना जीवन साथी चुना।

लोकसभा में भाजपा सांसद अरुण सागर बोले-शाहजहांपुर में दिया जाए ठहराव

लखनऊ से दिल्ली तक वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की उठाई मांग

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः शाहजहांपुर के भाजपा सांसद अरुण सागर ने शुक्रवार को लोकसभा में शून्य काल के दौरान शाहजहांपुर के अहम मुद्दे को उठाया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ से दिल्ली तक वंदे भारत ट्रेन का संचालन शुरू किया जाये और उसका ठहराव शाहजहांपुर में भी दिया जाए। उन्होंने कहा कि शाहजहांपुर वासी इस मांग को लेकर कई बार उनसे मुलाकात कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी वह वंदे भारत ट्रेन के लिए रेल मंत्री को भी पत्र लिख चुके हैं।

सांसद अरुण सागर।

सांसद ने शून्यकाल के दौरान संसद भवन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच से वंदे भारत ट्रेने देश की रफ्तार बढ़ा रही हैं। ये ट्रेनें यात्रियों को न केवल तेज और लाभदायक सफर दे रही हैं बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूत कर रही हैं। इसी तरह रेलमंत्री के कुशल नेतृत्व में रेलवे विभाग लगातार प्रगति की राह पर अग्रसर है। उनकी मेहनत से ही देश के लाखों यात्रियों का जीवन आसान हो गया है। सांसद ने कहा कि शाहजहांपुर वासी पिछले काफी समय से दिल्ली से लखनऊ वंदे भारत ट्रेन के संचालन एवं शाहजहांपुर स्टेशन पर ट्रेन के ठहराव की मांग कर रहे हैं। वह लगातार अपनी बात को शीर्ष नेतृत्व तक पहुंचाने की मांग उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लखनऊ से दिल्ली के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन शाहजहांपुर होते हुए शुरू किया जाए। इस ट्रेन का ठहराव शाहजहांपुर में स्टेशन पर भी दिया जाए। सांसद ने आगे कहा कि वह इस मांग को लेकर एक जुलाई को रेलमंत्री को पत्र भी लिख चुके हैं। जिसका संज्ञान लेते हुए रेल मंत्री की तरफ से संबंधित विभाग को जांच करने के निर्देश दिए थे लेकिन उसके बाद जांच कहां तक पहुंची इसकी कोई जानकारी नहीं है।

सांसद ने बताया कि भाजपा सरकार लगातार देशवासियों की उम्मीदों पर खरा उतर रही है। चुनाव के समय पार्टी ने जो वादे किए थे। सरकार उन वादों को लगातार पूरा कर रही है। देश के हर नागरिक तक सरकारी की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। यात्रियों के लिए ट्रेनों का सफर आरामदायक बना दिया है। आज के समय में देश के कोने-कोने में ट्रेनों का संचालन किया जा चुका है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो मांग उन्होने सदन में उठाई है। उस पर बहुत जल्द विचार कर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

वंदे भारत में 9 से कर सकेंगे सफर, शेड्यूल जारी

शाहजहांपुर, अमृत विचार : सहारनपुर-से गोमतीनगर तक चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस अब यात्री सफर कर सकेंगे। वंदे भारत ट्रेन का संचालन 9 दिसंबर से होने जा रहा है। समय सारणी में वंदे भारत ट्रेन को शामिल कर लिया गया है। एक माह पूर्व उद्घाटन के समय एक दिन वंदे भारत एक्सप्रेस चली थी और लोग इंतजार कर रहे थे। बता दे कि एक माह पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में कई वंदे भारत एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर वर्चुअल के माध्यम से किया था। जिसमें लखनऊ-सहारनपुर वंदे भारत शामिल थी। उसके बाद ट्रेन का अता-पता नहीं था और ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। अब लोग वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर कर सकेंगे। अब वंदे भारत एक्सप्रेस चारबाग से न चलकर, गोमतीनगर से चलेगी। ट्रेन संख्या 26504 वंदे भारत एक्सप्रेस प्रतिदिन केवल सोमवार को छोड़कर तथा सहारनपुर से गोमतीनगर के लिए ट्रेन संख्या 26503 प्रतिदिन केवल मंगलवार को छोड़कर संचालित होगी। सहारनपुर से यहां आने का समय सुबह 11:7 मिनट रहेगा। वापसी में गोमती नगर से चलने पर 6 : 10 मिनट पर आएगी। वंदे भारत का ठहराव डालीगंज, सीतापुर, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, नजीबाबाद, रुड़की है। रेलवे अधिकारियों ने निर्देश दिए है कि संशोधित समय सारणी का व्यापक प्रचार प्रसार कराया जाए, जिससे यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

ससुराल वालों पर नकदी और जेवर ले जाने का आरोप

शाहजहांपुर, अमृत विचारः पुवायां थाना क्षेत्र के गांव जेवा निवासी संदीप सिंह ने थाना पर दी गई तहरीर में बताया कि उसके बड़े भाई मंजीत सिंह की शादी आठ माह पूर्व कस्बा मीरानपुर कटरा में गरिमा देवी के साथ हुई थी। एक माह पूर्व उनके घर पर दावत थी। दावत में भाई के ससुर अशोक, सास सुहागवती, साली महिमा आए थे। दावत के अगले दिन उसकी मां की तबीयत खराब होने के कारण इलाज कराने लखनऊ चला गया। इस बीच उसके भाई के ससुराल वालों ने नौ लाख रुपये के जेवर और करीब पौने तीन लाख रुपये निकाल ली तथा बिना बताए कटरा चले गए। उसके भाई की पत्नी करीब आठ लाख रुपये का जेवर लेकर चली गयी। वह लखनऊ से वापस आया तो उसको जानकारी हुई। उसके भाई की पत्नी मायके से वापस नहीं आयी।

फर्जी दस्तावेज से बनाते थे बोगस फर्म

जालसाज सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लोन का झांसा देकर मांगते थे दस्तावेज, फिर खोलते थे खाता

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः जिला एसओजी, सर्विलांस सेल और रोजा पुलिस की संयुक्त टीम ने बोगस जीएसटी फर्म बनाकर 10 करोड़ 77 लाख रुपये की कर चोरी कराने वाले गिरोह को पकड़ा है। एसपी के अनुसार आरोपी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लोन उपलब्ध कराने का झांसा देते थे। दस्तावेज लेने के बाद फर्जी जीएसटी फर्मों की श्रृंखला बनाकर जीएसटी पोर्टल पर खरीद व बिक्री दर्शाकर फर्जी बिल तैयार करते थे। इसके आधार पर व्यापारियों को फर्जी आईटीसी दिखाकर कमीशन वसूला जाता था। वास्तविक लेनदेन न होने के बावजूद टैक्स भुगतान से बचाया जाता था। गिरोह फर्जी सिम लेकर बैंक अकाउंट खुलवाता था। जांच में सामने आया कि कई फर्में छात्र, नौकरी पेशा व्यक्तियों और बस परिचालक-चालक के दस्तावेजों पर बनाई गई थीं। पुलिस ने तीनों आरोपियों का चालान कर दिया है। पुलिस टीम में गैंगस्टर सेल प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह, स्वाट प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, उप निरीक्षक मनोज कुमार, जगत सिंह, देवेंद्र सिंह आदि स्टाफ शामिल था।

पुलिस हिरासत में तीनों आरोपी। ● अमृत विचार

रोजा पुलिस ने टीम के साथ जीएसटी बोगस फर्म बनाकर 10 करोड़ 77 लाख रुपये की कर चोरी वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से भारी मात्रा में दस्तावेज व इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए है।
-राजेश द्विवेदी, एसपी

बरामद सामग्री : दो आई-फोन 17 प्रो मैक्स, पांच एंड्रॉयड फोन (सैमसंग जेड फोल्ड 7 और सैमसंग एस-25 अल्ट्रा सहित), की-पैड मोबाइल, दो टैबलेट (ऐप्पल आईपैड और एमआई), सीपीयू, हार्ड डिस्क, दो पेन ड्राइव, 200 फर्जी रेंट एग्रीमेंट, 39 पैन कार्ड व 39 आधार प्रतियां, 13 बैंक स्टेटमेंट, फर्जी नोटरी मोहर, पांच अन्य मोहर, विजिटिंग कार्ड, महिन्द्रा एक्सईवी-9ई कार, 39 एटीएम कार्ड, 2790 रुपये नकद व चार वाहन आरसी। पुलिस ने बताया कि ऐसे साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड गिरोहों के विरुद्ध अभियान निरंतर जारी है और जनता को सावधान रहने की अपील की है कि किसी भी ऑनलाइन लोन, जॉब, ओटीपी और बैंक संबंधी प्रलोभन में न फंसें।

पत्नी के नाम खरीदी थी 35 लाख की कार

आरोपी गौरव बीए पास है। उसने पत्नी के नाम से 35 लाख रुपये की गाड़ी खरीदी थी। दूसरा आरोपी सिद्धार्थ पांडेय टिकरा थाना क्षेत्र नवाबगंज प्रयागराज का रहने वाला है और कक्षा 12 पास है। तीसरा आरोपी दीपक दिल्ली का रहने वाला है और कक्षा सात पास है। तीनों में मास्टर माइंड गौरव है। तीनों आपस में दोस्त है। कई माह से धंधा कर रहे थे।

बिना आईडी के खरीद लेते है सिम

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि अधिक रुपये देकर बिना बिना आईडी के सिम खरीद लेते है और एक्टीवेट करा लेते है। उसे जीएसटी का फर्जी फर्म बनाने, बैंक खाता खुलवाने में इस्तेमाल करते है। उनके कार्य में कुछ बैंक कर्मी मदद करते है। अब तक जो फर्जी जीएसटी आईडी बनायी गई है, उसमें छात्र, नौकरी करने वाले और बस चालक या परिचालक की होती है। जीएसटी की कार चोरी करने में कई व्यापारी पर रडार पर है। इसी कार से एक्सीडेंट भी हो चुका है।

ग्राम पंचायत अधिकारियों ने एडीओ को सौंपा ज्ञापन

एडीओ को ज्ञापन सौंपते ग्राम पंचायत अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचारः ग्राम पंचायत अधिकारी संघ व ग्राम विकास अधिकारी एसोसिएशन ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री संबोधित ज्ञापन एडीओ को सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि क्षेत्रीय ग्राम सचिवों पर मूल दायित्वों के अतिरिक्त बिना संसाधन उपलब्ध कराए अन्य विभागीय कार्य दिए जा रहे हैं, साथ ही ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली अव्यवहारिक होने का उल्लेख किया गया।

अधिकारियों ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के विकास कार्यों व विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन में ग्राम सचिव की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन शासन आदेश संख्या 33-1-2025 दिनांक 03 नवम्बर 2025 के क्रम में ऑनलाइन उपस्थिति अनिवार्य करने से कार्य प्रभावित हो रहा है।

प्रतिनिधिमंडल में ग्राम पंचायत अधिकारी संतोष बाबू, सर्वेश कुमार, सुरेंद्र कुमार, टिंकू कुमार, सचिन सक्सेना तथा ग्राम विकास अधिकारी ओमपाल गंगवार व अशोक कुमार मौजूद रहे।

लाभांश बढ़ाने कोटेदार ने दिया ज्ञापन

जिलापूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपने जाते कोटेदार। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचारः ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा जिलापूर्ति अधिकारी शाहजहांपुर को ज्ञापन सौंपकर कोटेदारों ने खाद्यान्न व चीनी पर मिलने वाला लाभांश बढ़ाए जाने तथा मिनिमम इनकम गारन्टी लागू करने की मांग की है।

ज्ञापन में कहा गया कि प्रदेश के कोटेदार शासन के निर्देशानुसार ई-पास मशीन से ईमानदारी पूर्वक वितरण करते हैं। कोरोना काल में प्रधानमंत्री अन्न योजना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत निःशुल्क राशन वितरण में भी कोटेदारों ने बिना भय व जोखिम कार्य किया, जिसकी राष्ट्रीय स्तर पर सराहना हुई थी। कोटेदारों ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में लाभांश मात्र 90 रुपये प्रति कुन्तल है, जबकि अन्य राज्यों में हरियाणा में 200 रुपये, गोवा 220 रुपये, केरल 200 रुपये और दिल्ली-गुजरात में भी अधिक लाभांश व मिनिमम इनकम गारंटी दी जा रही है। उन्होंने मांग की कि प्रदेश में भी लाभांश बढ़ाकर अन्य राज्यों के समान किया जाए ताकि महंगाई के दौर में कोटेदार परिवारों का भरण-पोषण सुचारु रूप से हो सके। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर निर्णय न हुआ तो 28 जनवरी 2026 से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन एवं विधानसभा घेराव किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी सरकार और प्रशासन की होगी। ज्ञापन सत्यभान सिंह (जिला महासचिव) व विजय कुमार शुक्ला (अध्यक्ष) द्वारा अन्य सदस्यों व कोटेदारों के साथ संयुक्त रूप से दिया गया।

● 28 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरने की चेतावनी

हत्या का प्रयास करने के दोषी को सात वर्ष की कैद

शाहजहांपुर, अमृत विचारः 18 वर्ष पूर्व रंजिशन किए गए जानलेवा हमले में विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी गरिमा सिंह की अदालत ने आरोपी संतराम को सात वर्ष की सजा और दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। घटना 31 अगस्त 2007 की है।

थाना कांट क्षेत्र के ग्राम किशुरिहाई निवासी मूलचंद शाम 5 बजे दरवाजे पर खड़ा था। इसी दौरान गांव का संतराम गाली देने लगा। मूलचंद द्वारा आपत्ति करने पर विवाद बढ़ा और हाथ में तमंचा लिए संतराम ने फायर कर दिया। गोली बीच-बचाव करने आई मूलचंद की पुत्री पुष्पा के बाएं हाथ में लगी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना की रिपोर्ट मूलचंद द्वारा थाना कांट में दर्ज कराई गई थी। अदालत गवाहों के बयान और पुलिस द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य के आधार पर जुर्माने और कैद की सजा सुनाई।

10वीं, 12वीं के लिए 119 परीक्षा केंद्र निर्धारित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

● 11 तक हो जाएगा सभी आपत्तियों का निस्तारण

अमृत विचार : उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इण्टर मीडिएट वर्ष 2026 की परीक्षाओं के लिए जिले में बनाए गए 119 परीक्षा केंद्रों के अब तक 100 से ज्यादा आपत्तियां मिल चुकी हैं। इनके निस्तारण के लिए 8 या 9 दिसम्बर को डीएम की अध्यक्षता वाली समिति की बैठक में विचार विमर्श के बाद फैसला लिया जाएगा। आपत्तियों का निस्तारण 11 दिसम्बर तक होने का विभाग दावा कर रहा है।

उप्र माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की परीक्षाएं फरवरी में प्रस्तावित हैं। इन परीक्षाओं के लिए जिले में 389 स्कूलों के डाटा फीडिंग के बाद 119 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। डीआईओएस ने कालेजों के प्रधानाचार्यों से 4 दिसम्बर तक आपत्तियां मांगी थीं। प्रभारी डीआईओएस अनिल कुमार ने बताया कि 119 परीक्षा केंद्रों में से सौ से अधिक आपत्तियां आई हैं। इनमें परीक्षा केंद्रों की अधिक दूरी, सेंटर पर क्षमता से अधिक परीक्षार्थी आवंटन, केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे, संसाधनों का अभाव समेत तमाम आपत्तियां मिली हैं। उन्होंने बताया कि कई प्रबंधकों ने अपने विद्यालय को परीक्षा केंद्र न बनाने की मांग रखी है, तो किसी ने अपने विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाने के लिए प्रार्थनापत्र दिया है। प्रभारी डीआईओएस के मुताबिक, इस बार ज्यादातर सरकारी विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। जहां संसाधन नहीं होंगे, उस स्थिति में ही निजी कालेजों का परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि केंद्र निर्धारण और आपत्ति निस्तारण के सम्बंध में बैठक के लिए जिलाधिकारी को पत्र भेजा गया है। प्रधानाचार्यों को भी सूचित कर दिया गया है। आठ या नौ दिसम्बर को डीएम की अध्यक्षता में बैठक होगी। जिसमें प्रधानाचार्यों की आपत्तियों के सम्बंध में विचार विमर्श के बाद 11 दिसम्बर तक आपत्तियों का निस्तारण कर दिया जाएगा।

चेकिंग अभियान में 213 यात्रियों से वसूला जुर्माना

शाहजहांपुर, अमृत विचारः सीएमआई एसके ठाकुर के नेतृत्व में हरदोई, बरेली और शाहजहांपुर के टीटीई स्टाफ प्लेटफार्म पर चेकिंग अभियान चलाया। टीटीई स्टाफ ने डाउन लाइन की त्रिवेणी एक्सप्रेस, राज्यरानी, गुवाहाटी एक्सप्रेस, सियालदह एक्सप्रेस, पंजाब मेल, कानपुर-जम्मू तवी, जननायक एक्सप्रेस और अप लाइन की बरेली-वाराणसी एक्सप्रेस, प्रयाग-बरेली एक्सप्रेस, जननायक एक्सप्रेस, गुवाहाटी एक्सप्रेस और जननायक एक्सप्रेस के स्लीपर कोच में चेक किया। इस दौरान कोच में बिना टिकट बैठे यात्री इधर-उधर भागने लगे। इसके अलावा प्लेटफार्म एक तथा छोटी लाइन स्टेशन पर पीलीभीत से आने वाली पैसेंजर ट्रेन को चेक किया। इस दौरान 213 यात्रियों को पकड़ा गया और जुर्माना व किराया 65 हजार रुपये वसूले गए। टीटीई और आरपीएफ स्टाफ मौजूद रहा।

किशोरी को बाइक से किया अगवा

शाहजहांपुर, अमृत विचार : मिर्जापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 27 नवंबर को दोपहर 12 बजे वह और उसकी 17 वर्षीय पुत्री रिश्तेदारी से पैदल घर आ रहे थे। गांव के बाहर फर्रुखाबाद के बबलू यादव ने दोनों लोगों से कहा कि बाइक पर बैठ जाओ और घर तक छोड़ देंगे। थोड़ी देर चलने के बाद आरोपी ने महिला से कहा कि बाइक में कुछ कमी आ गई और नीचे उतर जाओ। वह बाइक से नीचे उतरी तो उसकी पुत्री को बाइक पर बैठाकर ले गया। आरोपी उसके घर पर आता-जाता था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

परेशानी

ट्रेन आने पर उड़ती है धूल, ठोकर खाकर गिर जाते है यात्री

प्लेटफार्म एक पर स्लेप और रेता के ढेर बने मुसीबत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : स्थानीय रेलवे स्टेशन पर प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने को लेकर ठेकेदार ने स्लेप को प्लेटफार्म के बीच में डाल दिए है, जिससे यात्रियों के निकलने में मुसीबत हो रही है। लोग ठोकर खाकर प्लेटफार्म पर गिर जाते है। अधिकारियों के आदेश के बाद मुख्य गेट के सामने प्लेटफार्म से पत्थर के स्लपे नहीं हटाए गए है।

प्लेटफॉर्म एक पर पड़े स्लेप और रेता के ढेर। ● अमृत विचार

अमृत भारत योजना के तहत स्टेशन पर स्वचालित सीढ़ियां, फुट ओवर ब्रिज, सेकेंड इंट्री, सरकुलेटिंग एरिया और प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने का कार्य चल रहा है। इसके लिए 15 करोड़ रुपये स्वीकृत हुए है। प्लेटफार्म दो और तीन को ऊचा कर दिया गया है अन्य कार्य चल रहा है। प्लेटफार्म एक को ऊंचा करने का कार्य चल रहा है। रेता, बजरी और सीमेंट का मिश्रण तैयार करके प्लेटफार्म पर डाला जा रहा है। कार्यालय के सामने बजरी उखड़ने लगी और रेता ऊपर आ गयी है। ट्रेन आने या झाड़ू लगाने पर धूल उड़ती है। साथ ही कार्यालय में धूल जाती है। क्यों कि कार्यालय के जालीदार दरवाजे निकाल दिए गए है। धूल उड़ने पर यात्री परेशान हो जाते है। सीमेंट का लेप सही नहीं किया गया है। प्लेटफार्म के किनारे पत्थर के स्लेप डाल दिए गए है। प्लेटफार्म एक पर कार्यालयों के सामने स्लेप नहीं हटाए गए है। प्लेटफार्म के बीच में पड़े स्लेप यात्रियों के लिए मुशीबत बन गए है। शुक्रवार की सुबह एक महिला जननायक एक्सप्रेस से उतरी और स्लेप से ठोकर खाकर गिर गई। ट्रेन के पकड़ने में यात्री ठोकर खाकर गिर सकता है। प्लेटफार्म पर जगह-जगह रेता पड़ी है। ठेकेदार द्वारा एक साइड से कार्य न कराकर जगह-जगह तोड़फोड़ की जा रही है। यात्रियों ने मांग कि है कि प्लेटफार्म पर फालतू पड़े स्लेप को हटाया जाए। मंडल के अधिकारी ने निर्देश दिए कि फालतू पड़े स्लेप को हटा दिया जाए।

रेलवे की जमीन से हटेगा अतिक्रमण

निर्माण निरीक्षक कार्यालय की ओर से मालगोदाम रोड और स्टेशन रोड पर मंदिर के पड़ोस में स्थित दुकानदारों को नोटिस दिया है कि एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमण हटा लिया जाए। स्टेशन का सरकुलेटिंग एरिया खुला किया जाएगा। दुकानदारों में हड़कंप मचा हुआ है। सेकेंड इंट्री के सामने सड़क चौड़ी की जाएगी। अधिकारियों ने जिला प्रशासन से फोर्स मांगा है।

कार्यालय के सामने भर गया पानी

स्टेशन के प्लेटफार्म एक पर टीटी संग्रहक कार्यालय, पूछताछ कार्यालय आदि के सामने गेट पर पानी भर गया था। क्यों कि कई साल से बंद पड़ी कैंटीन में पाइप लाइन कहीं लीकेज हो गयी है, उसी का पानी दरवाजे से बाहर आ रहा है। पानी भरने का कारण है कि कार्यालय के सामने प्लेटफार्म पर को ऊंचा कर दिया है। कुछ हिस्सा छोड़ दिया है। इसलिए पानी आकर भर जाता है।

आठ लाख की चोरी में आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : सदर बाजार पुलिस ने रोडवेज बस स्टैंड पर नकदी, जेवर समेत आठ लाख की चोरी का खुलासा करते हुए एक चोर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने चोर के पास से 550 रुपये और तीन सोने की अंगूठी बरामद की है। पुलिस ने चोर को कोर्ट में पेश किया, जहां से जेल भेज दिया गया।

हरदोई के थाना बेहटा गोकूल के गांव शिरोमणी नगर निवासी बालकृष्ण वाजपेई ने 2 दिसंबर को सदर बाजार थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि बस स्टैंड पर हरदोई जाने वाली बस में बैग रख दिया। पत्नी और भाभी को सीट पर बैठाकर पानी की बोतल लेने चला आया था। लौटकर बस में गए तो देखा उनका बैग चोरी हो गया था। बैग में 10 हजार रुपये, दो जेंट्स अंगूठी, तीन लेडीज अंगूठी, एक सोने का मंगलसूत्र, सोने के एक जोड़ी झाले, कीमती साड़ी आदि सामान था। पुलिस ने बस अड्डे पर कैमरे चेक किए थे। कैमरे में एक व्यक्ति बस में खाली हाथ चढ़ रहा है और बैग लेकर उतर रहा है। पुलिस ने आरोपी चोर गुरदयाल निवासी ततापुर थाना फरीदपुर जिला बरेली को गदियाना चुंगी रोड से पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से तीन सोने की अंगूठी और 550 रुपये बरामद किए है।

पुलिस हिरासत में आरोपी।

● 550 रुपये, तीन अंगूठी बरामद, बस में नकदी, जेवर समेत बैग हुआ था चोरी

पुलिस के खुलासे पीड़ित संतुष्ट नहीं

पीड़ित बालकृष्ण वाजपई ने बताया सदर बाजार पुलिस ने चोरी का खुलासा किया है, उससे वह संतुष्ट नहीं है। क्योंकि पुलिस ने आरोपी को पकड़कर उसकी निशानदेही पर फरीदपुर से एक सराफा की दुकान से सारा जेवर बरामद कर लिया था। पुलिस ने फोन करके बुलाया और तीन अंगूठी दिखाकर जबरन कागज पर हस्ताक्षर करना चाह रही है। जबकि अन्य जेवर क्यों नहीं दिखाया। पुलिस ने आरोपी को नहीं दिखाया है। पुलिस चोरी के खुलासा में गुमराह कर रही है। चोरी के खुलासे से वह संतुष्ट नहीं है। पीड़ित ने कहा कि डीजीपी, एडीजी, डीआईजी और एसपी से मिलकर अपनी बात रखेगा।

अमृत विचार
बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025
शाहजहांपुर

NSNH
NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL
न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल
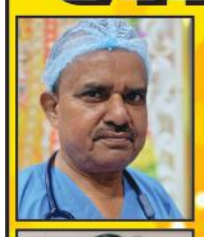
डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन
डॉक्टर्स पैनल
डा. प्रदीप कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन
डा. ओमवती — एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. अहमद अली अंसारी — एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास — एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ
डा. कुन्दन कुमार — एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन
डा. अमन अग्रवाल — एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी — एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रास्कोपिक सर्जन
डा. निशान्त गुप्ता — एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. प्रिया सिंह — एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार — एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
डा. रहबर इदरीश — बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ
डा. राजा गुप्ता — बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.
उपलब्ध सुविधायें :
• सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज • दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा • दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा। • छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण • घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध • नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन • बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज • वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन
समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES
लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास, निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली
हेल्पलाइन नं. : 8057953868

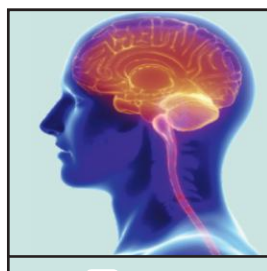
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाईन सुपर स्पेशलिटी सेंटर

डा. मोहित गुप्ता
M.Ch. Neurosurgery (AIIMS)
Senior Consultant Neurosurgeon
मस्तिष्क एवं रीढ़ रोग विशेषज्ञ
Reg. No. UPMCI 65389
सुविधायें
• सिर की चोट का इलाज व आपरेशन
• रीढ़ की हड्डी की चोट का इलाज व आपरेशन
• ब्रेन ट्यूमर, दिमागी की गांठ तथा ब्रेन हेमरेज का आपरेशन
• दूरबीन विधि द्वारा हाइड्रो सिफेलस (दिमाग में पानी भरना) का इलाज व आपरेशन
• सिर दर्द (माइग्रेन) व मिर्गी के दौरे का ईलाज
• दिमाग के फोड़े का इलाज व आपरेशन
• गर्दन (सर्वाइकल) व पीठ का दर्द, सियाटिका, स्लिम डिस्क का ईलाज व ऑपरेशन
• रीढ़ की नस का ट्यूमर (स्पाइनल ट्यूमर) का आपरेशन
• बच्चों के पीठ की गांठ का आपरेशन
• अत्याधुनिक माइक्रोस्कोप द्वारा ईलाज
• रीढ़ की हड्डी व दिमाग की टी.बी. का इलाज व ऑपरेशन
• लकवा तथा पैरालायसिस का इलाज
बरेली न्यूरो एण्ड स्पाइन सुपर स्पेशलिटी सेन्टर
सी-427, डिवाइन अस्पताल के सामने, के.के. अस्पताल रोड, राजेन्द्र नगर, बरेली
समय : प्रातः 10 12 बजे तक एवं सायं 6 से 8 बजे तक
लकवा के मरीजों के लिए 24 घंटे इमरजेंसी हेल्पलाइन नंबर
7017678157, 8077790358
7417389433, 9897287601

वरुण-अर्जुन मेडिकल कॉलेज की ओर से लगा रक्तदान शिविर

शिविर में बैंक कर्मचारियों और आम लोगों ने पहुंचकर किया रक्तदान

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड हॉस्पिटल के ब्लड बैंक ने शुक्रवार को एचडीएफसी बैंक टाउन हॉल शाखा में विशाल रक्तदान शिविर लगाया। इसमें बड़ी संख्या में बैंक कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने रक्तदान किया।

शिविर का आरंभ ददरौल विधायक अरविन्द कुमार सिंह ने फीता काटकर किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान जरूरतमंदों के जीवन की रक्षा के साथ मानवता और सेवा का प्रतीक है। उन्होंने रक्तदाताओं का प्रमाणपत्र देकर सम्मान किया।

चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पंडित श्यामा राव पवार ने कहा कि रक्तदान जैसे कार्यक्रम चिकित्सा संस्थानों और समाज के बीच मजबूत सेतु का कार्य करते हैं और इससे सेवा सहयोग की भावना बढ़ती है। शिविर में एचडीएफसी बैंक के कई कर्मचारियों ने स्वयं रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। उनका कहना था कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है और प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान करना चाहिए। युवा प्रतिभागियों ने भी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया और इसे अविस्मरणीय अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें इससे आत्मिक शांति और गर्व की अनुभूति हुई। शिविर के दौरान चिकित्सकों ने लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और नियमित स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी।

सभी वरिष्ठ चिकित्सकों ने रक्तदाताओं का अभिनंदन करते हुए कहा कि समाज की सेवा के लिए ऐसे कार्यक्रम निरंतर जारी रहने चाहिए। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन रोहिलखंड अस्पताल ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. अश्विनी कुमार के नेतृत्व में पैथोलॉजी विभाग एवं ब्लड बैंक टीम ने किया।

वरुण –अर्जुन मेडिकल कॉलेज के शिविर में रक्तदान करने वाले बैंक कर्मचारी।

विधायक ने की सराहना

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे ददरौल विधायक अरविंद सिंह ने कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता। बैंक प्रबंधन की ओर से शाखा प्रबंधक नागेंद्र सिंह, शाखा संचालन प्रबंधक श्याम एस शुक्ला तथा प्रबंधक स्वाति सक्सेना मौजूद रहीं। बैंक कर्मचारियों में अरविंद, शुभम सक्सेना, अमित दीक्षित, अभिषेक पाल, अंजू राठौर और आशीष श्रीमाली शामिल रहे। रक्तदाताओं में शिखा सिंह, प्रतिष्ठा त्रिगुणायत, श्याम एस शुक्ला, सोम कांत दीक्षित, अनूप तथा हिमांशु पाठक ने रक्तदान कर उदाहरण प्रस्तुत किया।

वार्षिकोत्सव में छात्रों ने पेश किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

कुर्रिया कला, अमृत विचार: किडजी बादशाह स्कूल में वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे ददरौल विधायक अरविन्द सिंह ने तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने वाले बच्चों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में क्रिकेट, कबड्डी, खो-खो, जूट जंप, बैलून बकेट सहित कई खेलों का आयोजन किया गया।

विधायक अरविन्द सिंह ने कहा कि खेलकूद पढ़ाई का अभिन्न हिस्सा है। इससे बच्चों में छिपी प्रतिभा निखरती है और उन्हें अपनी क्षमता दिखाने का अवसर मिलता है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर आगे बढ़ने और खेलों में सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक मुकेश परिहार, प्रबंधक सौरभ सिंह, प्रधानाचार्य चंद्र शेखर सक्सेना, विकास सिंह, जितेंद्र प्रसाद, बृजेश यादव सहित अध्यापक, अभिभावक, क्षेत्रवासी, ग्रामवासी एवं नन्हे-मुन्ने बच्चों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आनंद प्रताप सिंह, थानेश्वर मिश्रा, सुधीर सिंह, विनीत समेत अन्य रहे।

ट्रेन से गिरकर अज्ञात युवक की मौत

कार्यालय संवाददात, शाहजहांपुर

अमृत विचार: रोजा जीआरपी चौकी प्रभारी दुर्गेश कुमार ने बताया कि ऐगवां रेलवे स्टेशन के निकट डाउन लाइन पर दोपहर के समय एक अज्ञात युवक की ट्रेन से गिरकर मौत हो गई। उसका शव डाउन रेल लाइन के किनारे पड़ा था। मृतक की उम्र लगभग 30 साल है। उसकी जेब से कोई पहचान पत्र के तौर पर आधार कार्ड या मोबाइल नहीं मिला। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने का काफी प्रयास किया, लेकिन शाम के समय तक युवक के शव की शिनाख्त नहीं हो पाई थी। पुलिस ने अज्ञात में शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए शव विच्छेदन गृह भेज दिया है।

सब्जी विक्रेता का बेटा बना अग्निवीर

सिंगाही, अमृत विचार: गांव सिंगहा खुर्द निवासी सब्जी विक्रेता संतोष गुप्ता के बेटे आशीष गुप्ता ने अग्निवीर सैनिक बनकर गांव का मान बढ़ाया है। 8 माह की ट्रेनिंग पूरी कर वह घर पहुंचा। गांव में प्रवेश करते ही लोगों ने अग्निवीर आशीष को कंधे पर उठा लिया। पूरा गांव भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। महिलाओं और बच्चों ने बैंड की धुन पर जमकर नृत्य किया। घर पहुंचकर उसने अपने माता-पिता को सैन्य शैली में सलामी दी। इस भावुक पल में पिता की आंखें भर आईं। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि श्याम मोहन दीक्षित सहित ग्रामीणों ने ने आशीष को मिठाई खिलाई।

घायल के परिजनों ने जाम लगाने का किया प्रयास

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पुलिस ने खदेड़कर भगाया युवक को गोली लगने का मामला

अमृत विचार: रुस्तमपुर में जमीन के विवाद में एक युवक को गोली मारकर घायल कर देनें के मामले में मेडिकल कालेज में भर्ती न किए जाने का आरोप लगाते हुए परिवार वालों ने गुरुवार की देर रात जलालाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने उनको खदेड़कर भगा दिया।

जलालाबाद थाना क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर निवासी घायल जगदीप सिंह के अनुसार गुरुवार की रात चिनौर गांव के एक व्यक्ति ने जमीन के विवाद चलते उसे घर से बुलाकर गोली मारकर घायल कर दिया था। उसके गोली कंधे में लगी है। पुलिस ने घायल को सीएचसी पर भेज दिया था। डाक्टर ने मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया था। परिवार वाले देर रात घायल को लेकर दोबारा सीएचसी पर स्टाफ से कहा कि मेडिकल कालेज उसको भर्ती नहीं किया गया। स्टाफ ने कहा कि पर्चे यह लिखवाकर लाए कि घायल के गोली लगी है।

घायल के परिवार वालों की सीएचसी स्टाफ से काफी बहस हुई। परिवार वाले घायल जगदीप को लेकर रात एक बजे मुख्य चौराहे पर पहुंच गए। परिवार वालों ने हाइवे पर जाम लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने खदेड़कर भगा दिया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि प्रारंभिक जांच में गोली लगने का मामला संदिग्ध लग रहा है।

Lifelines OF BAREILLY
MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002
फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

• 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
• बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
• आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
• कैशलेस ईलाज
प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
डा. दीक्षा गंगवार
एम.बी.बी.एस., डी.जी.ओ. (गोल्ड मेडलिस्ट)
(के.जी.एम.यू. लखनऊ)
निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें
+91 78952 78992
समय : प्रातः 9 से 10 बजे तक, सायं 4 से 5 बजे तक
पता : स्व. केसर सिंह गंगवार कार्यालय, अशर्फी बैंकट हाल, 100 फुटा रोड, बरेली
डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR. NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448
डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
• प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) • गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) • गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) • पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 9897838286
डॉ. प्रेम गंगवार
B.H.M.S. (Homeo Cafe Gwalior)
वरिष्ठ होम्योपैथिक चिकित्सक
मो. 8859517808
सैक्स रोग, शीघ्रपतन, नामर्दी, त्वचा, गुर्दे, कैंसर, जोड़, नस, थायराइड व महिलाओं का बांझपन
होम्योपैथिक से जुड़ी समस्या व दवाईयों के लिये निःशुल्क सम्पर्क करें।
अत्याधुनिक जर्मन दवाईयों द्वारा कुशल डाक्टर के मार्गदर्शन में इलाज
11 वर्षों का अनुभव
प्रेम जर्मन होम्योपैथिक
रूहेलखण्ड यूनिवर्सिटी के सामने, पीलीभीत बाईपास, एच.के. टावर, बरेली

12वें मुकाबले में आर्ट इलेवन की जीत

मुमुक्षु क्रिकेट लीग में बारहवें दिन विजेता टीम को ट्राफी देते अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मुमुक्षु क्रिकेट लीग ,नीलू कुमार बने मैन ऑफ द मैच

अमृत विचार : स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग में बारहवें दिन का मैच स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज की ही दो टीमों आर्ट-11 तथा यूथ-11 के मध्य खेला गया। मैच का टॉस यूथ-11 टीम ने जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। यूथ-11 टीम ने 16 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 124 रन स्कोर किए।

आर्ट-11 की टीम ने जवाबी पारी में बेहतरीन प्रदर्शन किया और 11.5 ओवर में 4 विकेट खोकर 126 रन बनाए और जीत अपने नाम कर ली। 35 गेंदों पर 3 छक्के और 4 चौके जड़कर 54 रन बनाने वाले आर्ट-11 के खिलाड़ी डॉ नीलू कुमार को मैन ऑफ द मैच का खिताब दिया गया।

इन्होंने विपक्षी टीम को 4 ओवर में 17 रन देकर 1 विकेट भी चटकाया। खेल की कमेंट्री डॉ आलोक कुमार सिंह एवं डॉ अंकित अवस्थी ने की। इस मौके पर कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ. अवनीश मिश्र, प्रो प्रभात शुक्ला, प्रो आदित्य कुमार सिंह, डॉ शालीन सिंह, डॉ दीपक सिंह, डॉ राजीव कुमार, डॉ रमेश चंद्रा, मनोज अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

रोवर्स-रेंजर्स का पांच दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ

शाहजहांपुर ,अमृत विचार : जीएफ कॉलेज में रोवर्स-रेंजर्स का पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आरंभ हुआ।

इस मौके पर प्रो फ़ैयाज अहमद ने कहा कि रेंजर्स-रोवर्स का मुख्य उद्देश्य युवाओं में चरित्र निर्माण आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन , समाज-सेवा और देशभक्ति विकसित करना है, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। जिला स्काउट ट्रेनिंग कमिश्नर करुण कुमार पांडे ने रोवर्स-रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर के प्रथम दिन स्काउटिंग का इतिहास, ध्वज शिष्टाचार, बीपी की कसरतें, प्राथमिक चिकित्सा में प्रयोग की जाने वाली तिकोनी पत्तियों को बांधने का अभ्यास कराया।

राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रतिभागी छात्राओं का किया सम्मान

छात्राओं के साथ मुख्य अतिथि नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : डॉ. सुदामा प्रसाद बाल विद्या मन्दिर कन्या इण्टर कालेज में स्वेटर वितरण कार्यक्रम किया आयोजित किया गया। डायमण्ड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रतिभागियों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आरम्भ मुख्य अतिथि नगर आयुक्त डॉ. विपिन कुमार मिश्र ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। शिक्षिका नैन्सी व प्राची ने मुख्य अतिथि का चन्दन तिलक व बैज लगाकर स्वागत किया।

मुख्य अतिथि ने विद्यालय के निर्धन छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किये। लखनऊ में आयोजित भारत स्काउट्स और गाइडस डायमंड जुबली एवं 19वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में भाग लेने वाली छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष आलोक पाण्डेय, प्रबन्धक राजेश कुमार एवं प्रधानाचार्या डा राखी मिश्रा रहे।

न्यूज ब्रीफ

रोजगार सेवक की हृदयगति रुकने से मौत

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के गांव सिरासौल निवासी पूर्व ब्लॉक प्रमुख सुखवीर सिंह चौहान के भतीजे व रोजगार सेवक विनय सिंह चौहान उर्फ सीटू (37) पुत्र रनवीर सिंह चौहान का हृदय गति से निधन हो गया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने बताया कि विनय सिंह दो भाईयों में छोटे थे। उनकी पत्नी और बेटा-बेटी का रो-रोकर बुरा हाल है। शुक्रवार दोपहर कछला घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। निधन पर विधायक हरीश शाक्य, पूर्व चेयरमैन अनुज वार्ष्णेय, ओमप्रकाश सागर, अधिवक्ता हेमेंद्र सिंह, सोनी प्रधान, डॉ. कुलदीप शर्मा, पूर्व प्रधान भुवनेश सिंह, दीपक चौहान, विनय सिंह, मनवीर सिंह, यादराम शाक्य आदि ने दुख व्यक्त किया।

जमीन पर कब्जा करने का प्रयास, शिकायत

बितरोई, अमृत विचार : उझानी क्षेत्र के गांव रियोनैया में दो पक्षों में जमीन का विवाद चल रहा है। गांव निवासी विधवा शकुंतला ने बताया कि उन्होंने 35 साल पहले जमीन खरीदी थी। गांव के कुछ लोग जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करते हुए उनका उत्पीड़न कर रहे हैं। शुक्रवार को सुबह 10 बजे गांव के नौ लोग आए और उनके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए गाली-गलौज करने लगे। वह लोग गांव छोड़कर जाने को धमका रहे हैं। वह महिला की जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं।

शादी तय होने के बाद मांगा दहेज, रिपोर्ट दर्ज

बदायूं, अमृत विचार : मुजरिया थाना क्षेत्र के गांव सिकंदराबाद निवासी अशोक पुत्र अमर सिंह ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने अपनी बेटी का रिश्ता जिला अलीगढ़ के थाना छर्रा क्षेत्र के गांव सलिगमा निवासी अनोद कुमार के साथ तय किया था। टीका की रस्म हो गई थी। बस शादी होनी बाकी थी। अब तक उनके ढाई लाख रुपये खर्च हो गए थे। कुल खर्च चार लाख तय हुआ था। शादी से ही होने वाले ससुरालीजन दहेज की मांग कर रहे हैं। जो पूरी न होने पर शादी करने से मना कर रहे हैं। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अनोद कुमार, गजेंद्र, महादेवी, धीरेंद्र और जीतू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है।

दो सड़कों के निर्माण के लिए शासन से मिली मंजूरी

119 लाख रुपये होगा खर्च, 10 प्रतिशत धनराशि अवमुक्त

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- लोनिवि ने टेंडर प्रक्रिया की पूरी शुरू किया जाएगा कार्य

अमृत विचार : जिले की सड़कों का निर्माण और मरम्मत के लिए लोक निर्माण विभाग ने बजट की मांग करते हुए प्रस्ताव भेजा था। हाल के दिनों में दातागंज क्षेत्र में दो सड़कों के निर्माण की मंजूरी मिली हैं। इन पर 119 लाख रुपये का खर्च आएगा। स्वीकृति मिलने के बाद टेंडर प्रक्रिया पूरी की गई है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।

दातागंज क्षेत्र बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र घोषित है। बरसात में आने वाली बाढ़ के दौरान जनहानि के साथ ही सरकारी संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचता है। बरसात के दिनों में आई बाढ़ के दौरान दातागंज क्षेत्र के लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। इसमें सड़कें खराब होने की वजह से आने जाने में भी दिक्कतों का सामना पड़ा था। सड़कों की खराब स्थिति पर ग्रामीण उनके निर्माण की मांग कर रहे थे। शासन के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने दातागंज क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक सड़कों का सर्वे करने के बाद डीपीआर तैयार किया था। इसे शासन में भेजा गया। अब सड़कों की मरम्मत और निर्माण करने के लिए शासन स्तर से स्वीकृति दी जा रही है। हाल के दिनों में दातागंज क्षेत्र की दो सड़कों के निर्माण की मंजूरी प्रदेश सरकार ने दी है। इनमें कमां सितावनगर, लहडोरा लहडोरी मार्ग के साथ समरेर कमां से सैंजनिया जाने वाला मार्ग शामिल है। इसमें लहडोरा-लहडोरी मार्ग के 3.4 किलोमीटर लंबे हिस्से के पुनर्निर्माण के लिए 61 लाख और समरेर कमां मार्ग से सैंजनिया तक जाने वाले 2.5 किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण 58 लाख रुपये की लागत से होगा। इन मार्गों के निर्माण के लिए शासन की ओर से स्वीकृति देते हुए 10 प्रतिशत धनराशि भी अवमुक्त की है।

स्वीकृति के साथ धनराशि मिलने के बाद लोक निर्माण विभाग टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर रहा है। इसके बाद सड़कों का निर्माण विभाग शुरू करा देगा। इन मार्गों के निर्माण के बाद ग्रामीणों को आने जाने के लिए सहूलियत मिलेगी।

> दातागंज विधानसभा क्षेत्र में कई सड़कों का निर्माण होना है। उन पर शासन से स्वीकृति दी जा रही है, जो सड़कें शासन से स्वीकृत हो रही हैं। उनके निर्माण के लिए टेंडर प्रक्रिया पूरी की जा रही है। हाल ही में कमां सितावनगर, लहडोरा लहडोरी मार्ग के साथ समरेर कमां से सैंजनिया जाने वाला मार्ग के निर्माण की स्वीकृति शासन से दी गई है। टेंडर प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा।
>
> **- नरेश कुमार सिंह,** अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग

कार की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की जान गई

उझानी, अमृत विचार : कार की टक्कर से बाइक सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। कार ने बाइक सवार को पीछे से टक्कर मार दी थी। चालक को हिरासत में लेकर कार कब्जे में ली है। पुलिस का कहना है कि परिजन की तहरीर पर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

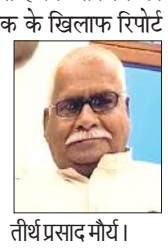

तीर्थ प्रसाद मौर्य।

कोतवाली उझानी क्षेत्र के गांव कुड़ा नरसिंहपुर निवासी तीर्थ प्रसाद मौर्य (60) पुत्र नन्हें लाल शुक्रवार सुबह किसी काम से बाइक से बदायूं शहर आ रहे थे। सुबह लगभग 11 बजे वह अपने घर से सड़क पर पहुंचे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार से आई कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। तीर्थ प्रसाद मौर्य दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर परिजन पहुंचे। घायल को राजकीय मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

चौकी इंचार्ज के खिलाफ किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- भारतीय किसान यूनियन ने लगाया अवैध खनन कराने का आरोप
- कार्रवाई नहीं होने पर सिविल लाइन में धरना देने की चेतावनी दी

अमृत विचार : भारतीय किसान यूनियन असली गैर राजनीतिक ने सिविल लाइन कोतवाली की शेखूपुर पुलिस चौकी परिसर में धरना-प्रदर्शन किया। शेखूपुर चौकी इंचार्ज पर भ्रष्टाचार, पूर्व सैनिकों के साथ अभद्रता करने, फर्जी मुकदमा लिखने के गंभीर आरोप लगाए। ज्ञापन सौंपकर चौकी इंचार्ज के स्थानांतरण की मांग की। चेतावनी दी अगर कार्रवाई नहीं हुई तो सिविल लाइन में धरना दिया जाएगा।

संगठन के जिला उपाध्यक्ष हरीश पटेल ने आरोप लगाया कि शेखूपुर चौकी इंचार्ज राजनेताओं के इशारे पर काम करते हैं। बिना अनुमति के क्षेत्र में जमकर खनन चल रहा है। खनन करने वालों को शह मिली हुई है।

अवैध रूप से डग्गामारी चल रही है। प्रदेश सचिव रविंद्र सिंह यादव ने कहा कि चौकी इंचार्ज का रवैया गरीब, मजदूर और किसानों के हित में नहीं है। उन्होंने निर्दोष लोगों को जेल भेजा है। दोषियों से साठगांठ कर ली गई है। एंटी करप्शन की टीम को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

धरना प्रदर्शन के बाद ज्ञापन सौंपते भाकियू के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने वाली एंटी करप्शन टीम बधाई की पात्र है। जिलाध्यक्ष ने चौकी इंचार्ज पर जनता के साथ अभद्रता करने का आरोप लगाया। कहा कि वह झूठे मुकदमा में फंसाने की धमकी देकर शिकायत वापस करवा देते हैं। उन्होंने एसएसपी से मांग की है कि ऐसे लोगों की जांच कराकर कार्रवाई की जाए। चौकी इंचार्ज का स्थानांतरण हो। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। विरोध करने वालों में जसवीर सिंह यादव, सूरजपाल सिंह, हरवंश पटेल, प्रताप सिंह, हरीश पटेल, द्वारिकी सिंह, कलेक्टर सिंह, परमिंदर यादव, प्रदीप, राजपाल सिंह, अशोक पटेल, तारिक, रामेंद्र यादव, जसवीर सिंह, गुड्डू, सीमू, मुनेंद्र सिंह, खान बहादुर आदि उपस्थित रहे।

ऑनलाइन हाजिरी के विरोध में दिया ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : ब्लॉक वजीरगंज में कार्यरत ग्राम विकास व ग्राम पंचायत अधिकारियों ने शनिवार को धरना प्रदर्शन किया। वह ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने का विरोध कर रहे थे। सचिवों ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को इंद्रपाल सिंह को सौंपा है।

ग्राम विकास अधिकारी संघ के जिला अध्यक्ष रमेश चंद्र पाल ने कहा कि शासन द्वारा संचालित योजनाओं का क्रियान्वयन, रिकॉर्ड का संधारण, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की निगरानी की जिम्मेदारी सचिवों पर ही होती है। इसके बाद भी सचिवों की सेवा शर्तें, वेतनमान, कार्यस्थल सुरक्षा, पदोन्नति संबंधी नियम अभी तक स्पष्ट नहीं हैं। सरकार के द्वारा जबरदस्ती ऑनलाइन हाजिरी का नियम थोपा जा रहा है। साथ ही गैर विभागीय कार्य के लिए भी दबाव बनाया जा रहा है, जो कि किसी भी स्थिति में स्वीकार्य योग्य नहीं है। उन्होंने ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध करते हुए ग्राम पंचायतों के कार्य का बहिष्कार किए जाने की चेतावनी। कहा कि अगर ऑनलाइन व्यवस्था को वापस नहीं लिया गया तो डिजिटल हस्ताक्षर के डोंगल विकास खंड मुख्यालय पर जमा कर देगें। देवपाल सिंह, प्रवीण पांडेय, मनोज कुमार सिंह, विनोद कुमार, अंकुर कुमार, सत्यपाल सिंह उपस्थित रहे।

बीडीओ को ज्ञापन सौंपते सचिव।

सचिवों ने ब्लॉकों पर किया विरोध-प्रदर्शन

संवाददाता, कुंवरगांव/ उस्मानपुर

अमृत विचार : ऑनलाइन उपस्थिति के विरोध में जिले के सभी विकास खंडों पर सचिवों ने विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन बीडीओ को सौंपा। इसमें सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति व्यवस्था को वापस लिए जाने का अनुरोध किया।

सालारपुर ब्लॉक परिसर में विरोध प्रदर्शन रहने के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष पवन सक्सेना ने कहा कि ग्राम पंचायत सचिव ग्रामीण विकास की रीढ़ माने जाते हैं। योजनाओं का क्रियान्वयन, रिकॉर्ड का संधारण, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की निगरानी की जिम्मेदारी सचिवों पर ही होती है। इसके बाद भी ऑनलाइन उपस्थिति ली जा रही है। इसका पुरजोर विरोध किया जाएगा। इस मौके पर सचिव कृपाल सिंह, देवेन्द्र सिंह, सुदीप शर्मा, आदिल रशीद खान, अजीत सिंह, रामबाबू, दीपक गुप्ता आदि उपस्थित रहे। वहीं विकास खण्ड दहगवां परिसर में विरोध कर रहे सचिवों ने कहा कि सरकार जबरदस्ती ऑनलाइन हाजिरी का नियम हम लोगों पर थोप रही है। निरन्तर गैर विभागीय कार्य का दबाव बनाया जा रहा है। जो कि किसी भी स्थिति में स्वीकार्य योग्य नहीं है। कहा कि 15 दिसंबर को सभी सचिव सामूहिक रुप से डिजिटल हस्ताक्षर के डोंगल जमा कर देगें। इस मौके पर एडीओ पंचायत राजेश कुमार, विपिन कुमार, अशोक सक्सेना, अब्दुल मुजीब खान, सुरेंद्र राणा आदि उपस्थित रहे।

दहगवां ब्लॉक परिसर में प्रदर्शन करते सचिव। ● अमृत विचार

- ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध कर रहे जिले के सचिव

हत्या के दोषी पति को दस साल की सजा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- दहेज के लिए की थी हत्या, ससुर और जेठ को आठ साल की कैद

अमृत विचार : दहेज उत्पीड़न को लेकर पत्नी की गला दबाकर हत्या करने वाले पति, ससुर और जेठ को फास्ट ट्रैक/महिलाओं के विरुद्ध अपराध की न्यायाधीश मिर्जा जीनत ने सजा सुनाई है। पति को 10 साल की कैद समेत 10 हजार रुपये जुर्माना, ससुर व जेठ को 8-8 साल की कैद और 10-10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार मूसाझाग थाना क्षेत्र के गांव मोहम्मद नगर सुलरा निवासी राजिक अली ने कादरचौक पुलिस को तहरीर दी। इसमें उन्होंने बताया कि उसने बेटी गुड़िया उर्फ करिव (22) की शादी कादरचौक क्षेत्र के गांव जलालपुर निवासी यूनिस पुत्र इरशाद के साथ एक साल पहले की थी। दान दहेज के साथ बेटी को विदा किया था। शादी में दी गई बाइक यूनिस ने बेच दी थी। इसके बाद वह नई बाइक देने की मांग रहने लगा था। गुड़िया ने पति से कहा कि उसके पिता अब इतने रुपये नहीं दे सकते। अभी एक साल पहले ही तो शादी की है। इसी बात को लेकर 21 अगस्त 2020 को यूनिस, उसके भाई शमशाद और पिता इरशाद ने गुड़िया की गला दबाकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की थी। न्यायालय में यूनिस, इरशाद, शमशाद पर दहेज उत्पीड़न को लेकर हत्या करने का मुकदमा चलाया गया। अपर शासकीय अधिवक्ता मदनलाल राजपूत और बचाव पक्ष के अधिवक्ता की दलीलों को सुनने के बाद सजा सुनाई है।

101 जोड़ों ने लिए फेरे, आठ ने कबूल किया निकाह

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत शुक्रवार को विवाह समारोह ब्लॉक अम्बियापुर में संपन्न हुआ। इसमें 109 जोड़ों की शादी कराई गई। 101 जोड़ों ने हिन्दू रीति रिवाज से सात फेरे लिए, आठ जोड़ों का निकाह कराया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने नवविवाहित जोड़ों को गिफ्ट दिए। साथ ही खुशहाल जीवन के लिए आशीर्वाद भी दिया।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे बिल्सी विधायक हरीश शाक्य ने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना उत्तर प्रदेश सरकार की एक बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सरकार का अभिनव प्रयास है। योजना गरीबों को केंद्र में रखकर संचालित की गई है। इस योजना में बिना किसी भेदभाव के सभी धर्म के लोगों को सम्मिलित किया जाता है। कार्यक्रम में शामिल होने वाले जोड़ो का विवाह उनके धार्मिक रीति रिवाज के अनुसार कराया जाता है। कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अंतर्गत गरीब परिवारों की बेटियों का विवाह पूरी भव्यता और वैभव के साथ माननीय जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के आला अधिकारियों की उपस्थिति में कराया जाता है। कार्यक्रम के अंत में प्रतीकात्मक रूप से कुछ जोड़ों के लिए विवाह प्रमाण पत्र एवं उपहार सामग्री का वितरण किया गया। साथ ही नवविवाहित जोड़ों के ऊपर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्प वर्षा करके ईश्वर से प्रार्थना की गई कि इनका गृहस्थ जीवन सुखमय हो। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष शारदेंदु पाठक, मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी मीनाक्षी वर्मा एवं संबंधित खंड विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

नवविवाहित जोड़े को प्रशस्ति पत्र देते बिल्सी विधायक व अन्य जनप्रतिनिधि।

एक-दूसरे को वरमाला पहनाता जोड़ा।

- मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दिया आशीर्वाद

विवाद के बाद युवक ने विषाक्त पदार्थ खाकर दी जान

उझानी, अमृत विचार : उझानी कोतवाली क्षेत्र के गांव नसरुल्लापुर निवासी डीपी कुमार (22) पुत्र शिशुपाल परिवार के सदस्यों से रुपये मांग रहे थे। रुपये न मिलने पर वह झगड़ा करने लगते थे। गुरुवार शाम उनका परिवार में इसी बात को लेकर विवाद हो गया था। इसके बाद गुस्से में उन्होंने घर पर खा विषाक्त पदार्थ खा लिया। कुछ देर के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। परिजन उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए। यहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

डीपी कुमार।

हड़ताल पर रहे जिले भर के कोटेदार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- कमीशन वृद्धि सहित अन्य मांगों को लेकर किया धरना-प्रदर्शन
- मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला पूर्ति अधिकारी को सौंपा

अमृत विचार : जिले भर के कोटेदारों ने ऑल इंडियन प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के बैनर तले मालवीय आवास गृह पर धरना प्रदर्शन किया। कोटेदार ने कमीशन बढ़ाए जाने के साथ अन्य मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। साथ ही मुख्यमंत्री के नाम जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

शनिवार को जिले भर के कोटेदार मालवीय आवास गृह पर एकत्रित हुए। वह अपने साथ ई-पॉस मशीन भी लाए थे। धरना प्रदर्शन करने वाले कोटेदारों और एसोसिएशन के पदाधिकारियों का कहना था कि प्रदेश सरकार उन्हें 90 रुपये प्रति क्विंटल का लाभांश दे रही है। जबकि हरियाणा, गुजरात, दिल्ली आदि राज्यों में यह 200 से 220 रुपये प्रति क्विंटल या 20 हजार रुपये की न्यूनतम आय गारंटी पर दी जा रही है। कोटेदारों ने केंद्र और राज्य सरकार के कर्मचारियों की भांति ही महंगाई भत्ता और त्योहारों पर बोनस दिए जाने की मांग की। कोटेदारों का कहना था कि अन्य प्रदेशों की तरह ही उन्हें भी लाभांश और न्यूनतम आय गारंटी प्रदान की जाए, ताकि बढ़ती महंगाई में उनके परिवारों का भरण-पोषण सुचारु रूप से हो सके। साथ ही चेतावनी दी गई है कि यदि मांगें पूरी नहीं हुईं, तो 28 जनवरी से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आरडी गोस्वामी, महेंद्र गुप्ता सहित जिले भर के कोटेदार शामिल रहे।

मालवीय आवास गृह पर ई- पॉश मशीन के साथ प्रदर्शन करते कोटेदार।

शीतकालीन सत्र | लोकसभा में सपा सांसद आदित्य यादव ने रखी किसानों की समस्या

अंडरपास की बजाय ओवरब्रिज बनने से होगी सहूलियत

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : बदायूं लोकसभा से समाजवादी पार्टी से सांसद आदित्य यादव ने संसद के शीतकालीन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने जिले के गन्ना व अन्य किसानों की समस्याएं रखते हुए विभिन्न मांगों को रखा। कहा कि रेलवे की ओर से बदायूं-दातागंज मार्ग के रेलवे क्रासिंग पर अंडरपास प्रस्तावित है। यहां अंडरपास की बजाय ओवरब्रिज की जरूरत है, जो किसानों के लिए उपयोगी होगा।

सांसद ने कहा कि बदायूं से दातागंज मार्ग चीनी मिलों और किसानों से सीधे तौर पर जुड़ा है। क्षेत्र में बहुत मात्रा में फसलें होती हैं। किसान इसी मार्ग से अपना गन्ना और अन्य फसल मंडी, बाजार और चीनी मिलों पर ले जाते हैं। यही एकमात्र मार्ग है। इस मार्ग पर शहर से निकलते ही कुछ दूर रेलवे क्रॉसिंग पड़ती है।

यहां भारत सरकार ने अंडरपास प्रस्तावित किया है। अगर रेलवे क्रॉसिंग पर अंडरपास का निर्माण कराया गया तो किसानों को बारिश के मौसम में खासी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इसके अलावा अन्य कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

सांसद ने सरकार से अनुरोध किया कि इस मार्ग पर अंडरपास के प्रस्ताव की बजाय यहां पर ओवरब्रिज प्रस्ताव पास करके बनाया जाए।

अभी अंडरपास का निर्माण भी शुरू नहीं हुआ है। रेलवे मंत्रालय अगर इस पर संज्ञान लेकर ओवर ब्रिज बनाया जाता है तो किसानों को बहुत सहूलियत होगी।

इसके साथ ही रेलवे की ओर से अंडरपास बनाए गए हैं उसमें ज्यादातर में पानी भर जाता है। जिससे आवाजाही में परेशानी होती है।

संसद में बोलते करते सांसद आदित्य यादव।

धर्मेंद्र यादव ने संसद में उठाया कर्मचारियों का मुद्दा

बदायूं, अमृत विचार : सपा के मुख्य सचेतक व आजमगढ़ सांसद धर्मेंद्र यादव ने संसद में संविदा कर्मियों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों, रोजगार सेवकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, पंचायत कर्मियों और रसोइयों की आवाज उठाई। कहा कि जिनके कंधों पर आधारभूत व्यवस्था चलती है, लेकिन उनकी अपनी जिंदगी असुरक्षा में गुजरती है। ठेकेदारों के शोषण, एसआईआर में फंसी नौकरी, मानदेय, न स्वास्थ्य सेवा, न बीमा, यह सब मिलकर उनके जीवन को लगातार मुश्किल बना रहा है। यह वह लोग हैं जो आखिरी पायदान पर मजबूती से खड़े होकर व्यवस्था संभालते हैं, लेकिन खुद के लिए गरिमापूर्ण, निश्चिंत भविष्य भी नहीं पा रहे। उन्होंने सरकार से मांग की कि अब समय आ गया है कि उन कर्मचारियों को स्थाई किया जाए। कर्मियों को न सिर्फ स्थाई नियुक्त मिले बल्कि स्वास्थ्य सुरक्षा, बीमा, पेंशन और शोषण-मुक्त कार्य व्यवस्था की पूरी गारंटी भी मिले।

धर्मेंद्र यादव, मुख्य सचेतक, सपा

- कहा- अंडरपास के निर्माण से बारिश के मौसम के होगी दिक्कत
- ओवरब्रिज प्रस्ताव पास करके बनाने का किया अनुरोध

मंडलायुक्त से की गोवंश की देखभाल न होने की शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : शिव तांडव सनातन कल्याण संस्थान के संस्थापक, राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल त्रिवेदी, विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय सचिव राहुल त्रिवेदी ने मंडलायुक्त से समस्याओं के बारे में बताया। बताया कि बदायूं जिले में गोवंश पर अत्याचार हो रहा है। गोवंश गोशाला की बजाय सड़क पर घूम रहे हैं। जिससे आए दिन हादसे होते हैं। गौशालाओं में गोवंश की ठीक से देखभाल नहीं हो रही है। अभय पंडित, राज त्रिवेदी, पप्पू, सोनी, राज भारद्वाज, वीरेंद्र भारद्वाज आदि लोग उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त के साथ संगठन के राहुल।

शीशम के पेड़ से लटका मिला संन्यासी का शव

संवाददाता, करियामई

अमृत विचार : एक सन्यासी का शव शुक्रवार शाम गांव के पास खेत में पेड़ से लटका मिला। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस आत्महत्या मानकर मामले की जांच कर रही है। मौत के बाद परिजनों में चीत्कार मचा है।

मृतक जयप्रकाश।

इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव उदयपुर निवासी जयप्रकाश (26) पुत्र शिव शंकर लगभग तीन साल से संन्यासी हो गए थे। वह गांव के शिव मंदिर पर रहकर पूजा पाठ करते थे। शुक्रवार शाम खेत पर गए ग्रामीणों ने शीशम के पेड़ पर उनका शव लटका देखा। मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई।

ग्रामीणों की सूचना पर परिजन और थानाध्यक्ष नरेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंचे। परिजनों ने किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से इंकार कर दिया। मृतक के पिता ने बताया कि जयप्रकाश अपनी मर्जी से सन्यासी बने थे। वह 20-25 दिनों से मंदिर पर नहीं थे। परिजनों को लगा कि सन्यासी होने के नाते कहीं चले गए होंगे। जिसकी वजह से परिजनों ने पुलिस से शिकायत नहीं की और न ही तलाश की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

बेटे ने सैनिक बनकर पिता का सपना किया पूरा

परिजन ने सैनिक का किया माल्यार्पण।

म्याऊं, अमृत विचार : म्याऊं क्षेत्र के गांव गौरामई निवासी मृदुल गौरांग ने अपने पिता सेना से सेवानिवृत्त नेम सिंह का सपना पूरा किया है। वह भी भारतीय सेना की एएमसी कोर में तैनात हुए हैं। उन्होंने अप्रैल से नवंबर तक प्रशिक्षण पूरा किया और गांव लौटे। परिजन और ग्रामीणों ने माल्यार्पण करके उनका स्वागत किया और मिठाई बांटी। नेम सिंह का कहना है कि उनका सपना था कि बेटा भी सेना में जाकर देश की सेवा करे। प्रदीप यादव, लेखा देवी यादव, बहोरन सिंह, महाराज सिंह आदि उपस्थित रहे।

वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को कराया भोजन

बुजुर्गों को खाना खिलाते शेखर।

बिल्सी, अमृत विचार : युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट शेखर सक्सेना ने अपने जन्मदिन के अवसर पर बॉस बरौलिया स्थित वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को भोजन खिलाया। साथ ही बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त किया। कहा कि वृद्धों की सेवा करना ही हमारा कर्तव्य है। इस अवसर पर आश्रम के संचालक वेद व्यास शर्मा, छोटू शर्मा, पवन शर्मा, आशीष सक्सेना, सूर्य प्रकाश देवल, निशांत, अन्वी सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सड़क हादसे में युवक की मौत

बिल्सी, अमृत विचार : गांव केसरपुर निवासी करण उर्फ डीपी (25) पुत्र रामनिवास किसी काम से बाइक से बिल्सी आए थे। वह काम निपटाकर शाम लगभग सात बजे वापस गांव लौट रहे थे। गांव खैरी स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा। सामने से आए किसी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। युवक की मौके पर मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

जिले में 27 हजार से अधिक बच्चों को नहीं मिल रहा डीबीटी का लाभ

माता-पिता के आधार में हैं त्रुटियां, बच्चे बिना स्कूल ड्रेस और स्वेटर के आने को विवश

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- अब तक दो लाख से अधिक बच्चों के खातों में पहुंच चुकी धनराशि

अमृत विचार : अभिभावकों की गलतियों का खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। उनके आधार में त्रुटि होने की वजह से परिषदीय स्कूलों में पढ़ रहे 27,776 बच्चों को डीबीटी योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। यहां तक जिन बच्चों को लाभ दिया जा चुका है उनके माता पिता ने धनराशि खर्च कर ली गई है। ऐसे में बच्चे ठंड में स्कूल आने के लिए विवश हैं।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इनमें अध्ययनरत 2.99 हजार बच्चों को ड्रेस, जूते मौजे व स्वेटर आदि की खरीदारी के लिए डीबीटी के माध्यम से धनराशि दी जाती है। अब तक बच्चों को योजना का लाभ उनके आधार कार्ड का वेरिफिकेशन के बाद दिया जाता था। इसके चलते बिना आधार वाले बच्चों के प्रवेश को भी स्कूलों में बंद कर रखा था, लेकिन अब शासन द्वारा नियमों में बदलाव किया है। अब बिना आधार वाले बच्चों को प्रवेश दिए जाने के साथ ही माता पिता के आधार वेरिफिकेशन के बाद ड्रेस, जूते मोजे और स्वेटर आदि खरीदने के लिए डीबीटी के माध्यम से धनराशि भेजी जा रही है। नियमों में संशोधन के बाद जिले में 2 लाख 71 हजार 966 बच्चों के अभिभावकों के खाते में डीबीटी के माध्यम से धनराशि भेजी जा चुकी है। अभी 27 हजार 776 बच्चे योजना के लाभ से वंचित हैं। यह धनराशि उनके माता पिता के आधार में त्रुटि होने तथा गलत जानकारी विद्यालय को दिए जाने की वजह से नहीं दी जा सकी है। हालांकि परिषदीय स्कूलों के शिक्षक लगातार ऐसे बच्चों को चिन्हित कर उनके अभिभावकों से संपर्क कर रहा है। लेकिन समस्या का निस्तारण नहीं हो पा रहा है। जिसके चलते बच्चे बिना स्कूल ड्रेस और स्वेटर के ठंड में स्कूल आने के लिए विवश हैं।

> कई बच्चे अभी शेष रह गए हैं। उनके खाते में धनराशि नहीं भेजी जा सकी है। आधार में त्रुटि होने की वजह से लाभ नहीं दिया सका है। शिक्षक संपर्क अभिभावकों के आधार में त्रुटियां सही कराने के लिए जागरूक कर रहे हैं।
> – वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

धनराशि मिलने के बाद भी नहीं खरीदी ड्रेस

बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से 2,71,966 बच्चों को ड्रेस जूते मोजे और स्वेटर आदि खरीदने के लिए डीबीटी के माध्यम से अभिभावकों के बैंक खाते में धनराशि भेज चुका है। लेकिन 60 प्रतिशत बच्चे ऐसे हैं जो अभी पुरानी ड्रेस पहनकर ही स्कूल आ रहे हैं। विभाग की ओर से दी गई धनराशि अभिभावकों के द्वारा खर्च कर ली गई। लेकिन अभी तक बच्चों के लिए न ड्रेस खरीदी और न ही जूते मौजे। जबकि शिक्षक ऐसे अभिभावकों से संपर्क का ड्रेस आदि की खरीदारी के लिए जागरूक कर रहे हैं।

ड्रेस आदि की खरीदारी को मिलते हैं 1200 रुपये

शासन स्तर से हर साल 1200 रुपये डीबीटी के माध्यम से दिया जाता है। यह धनराशि दो सेट यूनिफार्म खरीदने के लिए दी जाती है। एक बैग सेट, दो जोड़ी मोजे, एक जोड़ी जूते, एक स्वेटर दिया जाता है। साथ ही 100 रुपये का कॉपी, पेंसिल, रबर, कटर आदि के लिए धनराशि दी जाती है। प्रधानाध्यापक डीबीटी एप के माध्यम से शिक्षकों की ओर से छात्रों व अभिभावकों का आधार सत्यापन किया जाता है। जिसका सत्यापन हो जाता है उनको सीधे शासन स्तर खाते में धनराशि भेजी जाती है।

ओलंपियाड : विख्यात को विश्व में 14वां स्थान

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

प्रशस्ति पत्र दिखाते विख्यात गुप्ता।

- अंतर्राष्ट्रीय साइंस ओलंपियाड में विश्व में नॉर्थ रीजन में प्राप्त किया चौथा स्थान

अमृत विचार : सदर विधायक व पूर्व नगर विकास मंत्री महेश चंद्र गुप्ता के पोते व कक्षा सात के छात्र विख्यात गुप्ता को बढ़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्होंने साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन की ओर से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साइंस ओलंपियाड में विश्व स्तर पर 14वां और नॉर्थ रीजन में चौथा स्थान हासिल किया है। विजेता बनने के पास उन्हें पांच हजार रुपये और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन (एसओएफ) गैर-लाभकारी संगठन है, जो कक्षा एक से 12 तक के विद्यार्थियों की विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, कंप्यूटर, सामाजिक अध्ययन और सामान्य ज्ञान आदि विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ओलंपियाड परीक्षा कराता है। इसका उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच और प्रतिस्पर्धी भावना विकसित करना है। यह परीक्षा सबसे बड़ी शैक्षणिक परीक्षाओं में से एक है। सदर विधायक के पोते विख्यात गुप्ता ने नोएडा के एक स्कूल से प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था। उन्होंने साइंस ओलंपियाड ही नहीं बल्कि सभी विषयों में उत्कृष्ट अंक हासिल किए हैं। सदर विधायक ने कहा कि विख्यात गुप्ता की उपलब्धि साबित करती है कि अगर बच्चे लगन और एकाग्रता से पढ़ाई करें तो उनके लिए आसमान छूना मुश्किल नहीं है। मन लगाकर पढ़ने वाला हर बच्चा, चाहें वह किसी भी पृष्ठभूमि से हो, कड़ी मेहनत और सही दिशा में प्रयास से विश्व पटल पर अपनी पहचान बना सकता है। सभी अभिभावकों से अनुरोध किया कि वह अपने बच्चों को न सिर्फ स्कूल की किताबों पर बल्कि करियर को दिशा देने वाली ऐसी प्रतियोगी परीक्षाओं पर भी ध्यान केंद्रित करने को प्रेरित करें। मेहनत का कोई विकल्प नहीं है और शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। विख्यात की सफलता पर परिवार ने आशीर्वाद देते हुए उन्नति के पथ पर अग्रसर रहने को प्रेरित किया।

ज्ञापन देकर घुसपैठियों की तलाश करने की मांग की

बदायूं, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह को ज्ञापन सौंपा। जिसमें बताया कि सरकार के अनुसार कोई भी बांग्लादेशी घुसपैठिया किसी भी स्थान पर नहीं रह सकता। इसको लेकर इंटेलिजेंस एजेंसियां भी घुसपैठियों की धरपकड़ में लगी हैं। कहा कि बदायूं में भी कई स्थानों पर यह लोग घुसे हैं और गुप्त तरीके से रह रहे हैं। लालची नेताओं ने उनके आधार, राशन कार्ड और पहचान पत्र बनवा रखे हैं। इनकी जांच और खोज बहुत जरूरी है। संगठन के जिलाध्यक्ष नीरज रस्तोगी, जिला मंत्री उज्जवल गुप्ता, अरविंद सिंह परमार, जिला संयोजक ओम पाठक, ऋषि वर्मा, शुभम रस्तोगी आदि उपस्थित रहे।

वॉलीबॉल में नाई गांव की टीम बनी विजेता

प्रतियोगिता के विजेताओं को किया सम्मानित। ● अमृत विचार

बॉल को दूसरे के पाले में गिराने का प्रयास करती टीमें। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- एसके में हुई प्रतियोगिताएं विजेताओं को किया सम्मानित

अमृत विचार : एसपी फील्ड में विधायक खेल स्पर्धा के अंतर्गत दूसरे दिन उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सब जूनियर वर्ग वॉलीबॉल में विकास क्षेत्र जगत के गांव नाई की टीम विजेता बनी, जबकि विकास क्षेत्र सालारपुर क्षेत्र के गांव ब्यौर की टीम उप विजेता बनी। विजेताओं को मेडल पहनाकर और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जूनियर वर्ग की वॉलीबॉल की प्रतियोगिता में बदायूं की टीम विजेता बनी। सीनियर वर्ग की वॉलीबॉल की प्रतियोगिता में जगत क्षेत्र के गांव अहोरामई की टीम पहले नंबर पर रही। फुटबॉल की सब जूनियर वर्ग की प्रतियोगिता में नाई की टीम ने बाजी मारी। वहीं अचिंतपुर की टीम को दूसरा स्थान मिला। भारोत्तोलन के सब जूनियर वर्ग के 55 किग्रा बालिका वर्ग में गुंजा और बालक वर्ग के 73 किग्रा वर्ग में अक्षय शंखधार को पहला स्थान मिला। इसके अलावा सीनियर वर्ग के बालकों के 81 किग्रा वर्ग में आयुष विजेता बने। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र देकर व मेडल पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम प्रभारी क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी हिम्मत सिंह, मनोज कुमार, पीटीआई ओमवीर सिंह, सत्यवीर सिंह यादव, सौरभ भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

बदायूं डायरी

एनडीए में फ्लाइंग ऑफिसर का स्कूल में किया सम्मान

बदायूं, अमृत विचार : ब्लूमिंगडेल स्कूल के छात्र अमन सिंह अपने सपनों की उड़ान भरते हुए एनडीए में फ्लाइंग ऑफिसर बने हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद वह घर लौटे और स्कूल गए। यहां उनका सम्मान किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर अमन सिंह ने ब्लूमिंगडेल स्कूल से पढ़ाई की। साल 2022 में उन्होंने विज्ञान वर्ग में उन्होंने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त करके योग्यता प्रमाणित की थी। 10वीं की परीक्षा पास करने के बाद पहले प्रयास में उन्होंने एनडीए की प्रवेश परीक्षा पास की। शिक्षकों के अनुसार उनकी पहचान अनुशासन प्रिय, व्यवहारिक छात्र के रूप में होती थी। शुक्रवार को वह स्कूल पहुंचे। विद्यार्थियों को सफलता की ओर अग्रसर रहने को प्रेरित किया। स्कूल अध्यक्षा पम्मी मेंहदीरत्ता, निदेशक ज्योति मेंहदीरत्ता, मैनेजिंग हेड ईशान व श्वेता मेंहदीरत्ता, प्रधानाचार्य संजीव सिंह राठौर, उप प्रधानाचार्य परशुराम मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

एसडीएम ने बीएलओ किया सम्मानित

बदायूं, अमृत विचार : समय से पूर्व एसआईआर का काम पूरा करने वाले बीएलओ को एसडीएम सदर मोहित कुमार ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। एसडीएम ने शेखूपुर विधानसभा के बूथ संख्या 181 की बीएलओ श्रीवती, 182 बूथ के विकास सिंह 183 की सीता देवी, 184 पर कार्यरत जवाबुल बेगम, 185 की आरती यादव, 186 के अफसर अली, 187 के राहुल कुमार गौतम, 188 पर कार्यरत राजेंद्र सिंह, 189 की ममता देवी और 190 पर तैनात बीएलओ अंजू त्रिपाठी को उनके बूथ का शत प्रतिशत कार्य करने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इनके अलावा सुपरवाइजर बृजमोहन सहायक अध्यापक को भी सम्मान मिला।

एक निरीक्षक, 9 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

- एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने किया कार्यक्षेत्र में बदलाव

बदायूं, अमृत विचार : एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने एक निरीक्षक और 9 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। जबकि दो उप निरीक्षकों का स्थानांतरण निरस्त किया है। पुलिस लाइन के निरीक्षक रविंद्र सिंह उसावां के निरीक्षक अपराध बनाए गए हैं। बिनावर के अनित कुमार को कुंवरगांव का वरिष्ठ उपनिरीक्षक, पुलिस लाइन के पुष्पेंद्र सिंह जरीफनगर के वरिष्ठ उपनिरीक्षक बने हैं। इनके अलावा नाधा के चौकी इंचार्ज प्रताप सिंह को थाना कुंवरगांव, दहगवां के चौकी इंचार्ज भूप सिंह को उसहैत, सरकारी गंज चौकी इंचार्ज जगमेंद्र सिंह को दहगवां चौकी प्रभारी, दातागंज के प्रदीप कुमार को नाधा का चौकी इंचार्ज बनाया गया है। पुलिस लाइन के अजय कुमार व नासिर खां को कुंवरगांव, सिविल लाइन के अखिल तोमर साइबर क्राइम भेजा गया है। बिनावर से मूसाझाग किया गया शेरपाल सिंह और मूसाझाग से बिनावर किया गया मुकेश कुमार का स्थानांतरण निरस्त किया गया है।

सपा के राष्ट्रीय सचिव ने कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक

संवाददाता, बिल्सी

अमृत विचार: नगर के मोहल्ला संख्या चार स्थित समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव योगेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को चौधरी पार्टी कार्यकर्ता शाहिद राइन के आवास पर कार्यकर्ताओं संग बैठक की। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई।

राष्ट्रीय सचिव ने कहा बदायूं जनपद में सपा सरकार के समय हुए विकास कार्य आज भी जनता को याद कर रही हैं, लेकिन वर्तमान सरकार में विकास पूरी तरह ठप पड़ गया है। जनता शिक्षा, बिजली, सड़क, रोजगार सहित तमाम समस्याओं से जूझ रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर पर संगठन को और मजबूत करने पर जोर दिया। बैठक में फैजान राइन, इकरार, रिजवान मलिक, प्रशांत यादव, ठाकुर राजीव राठौर आदि मौजूद रहे।

सपा के राष्ट्रीय सचिव के साथ कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

प्राण प्रतिष्ठा पर उसावां नगर में निकाली गई शोभायात्रा

उसावां, अमृत विचार : नगर उसावां में श्री खाटू श्याम, राधा कृष्ण, हनुमान और गणेश जी की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें नगर के लोग शामिल हुए। शोभा यात्रा हनुमान गढ़ी सिद्धपीठ स्थित श्री श्याम मंदिर से शुरू हुई। पूरा समय उत्साह का माहौल रहा। इसका मुख्य उद्देश्य नवनिर्मित मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा करना था। धार्मिक अनुष्ठान महंत चेतराम दास, उमाशंकर तिवारी, राहुल दीक्षित, मुकेश ने कराया। नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि अरुण प्रताप सिंह उर्फ भोला, अशोक गुप्ता, जीतू गुप्ता, अतुल, अमन गुप्ता, धन्नू लाल, भोले ठाकुर, मदनेश गुप्ता, नीरज गुप्ता, रिंकू गुप्ता, सरवन गुप्ता, अभय गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

स्कूल में हुई वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिताएं

बिल्सी, अमृत विचार : कस्बा स्थिति स्थित फ्यूचर लीडर्स स्कूल वार्षिक खेलकूद समारोह का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का आरंभ मुख्य अतिथि अशफाक हुसैन ने ध्वजारोहण और मार्च-पास्ट की सलामी लेकर किया। दौड़ प्रतियोगता में बच्चों ने खिलाड़ियों ने चुस्ती-फुर्ती का प्रदर्शन किया। खो खो खेल में टीम सीवी रमन की छात्राएं विजयी रहीं। रस्साकशी के खेल में कक्षा 7 के छात्र और कक्षा 8 की छात्राएं विजेता रही। ऊंची कूद में अमोल अभिषेक और अंश क्रमशः पहले दूसरे और तीसरे स्थान पर रहें। विद्यालय के डायरेक्टर वीपी सिंह, पीटीआई विश्व दीपक शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, विद्यालय प्रधानाचार्य रविन्द्र सिंह, सीके शर्मा, परमेंद्र सिंह सहित अन्य शिक्षक व बच्चे उपस्थित रहे।

Rohilkhand INFERTILITY & IVF CENTRE
द्वारा IVF कैम्प
दिल्ली का जाना-माना IVF सैन्टर
RISAA IVF
Creating life.... completing families.
अब अधूरे सपने होंगे पूरे
निःसन्तानता निवारण टेस्ट ट्यूब सैन्टर

परामर्श शुल्क मुफ्त
दिन : 8 दिसम्बर 2025 दिन सोमवार
समय : प्रातः 10:00 से 01 बजे तक
अपनी नन्हीं खुशियों को आज ही अपने घर लाये हमारे साथ !
उपलब्ध सुविधायें :-
★ निःसन्तानता सम्बन्धित जाँचें सस्ती दरों पर
★ टेस्ट ट्यूब बेबी (IVF) मार्केट रेट से 35% की छूट पर
★ लैब टेस्ट पर भारी छूट
★ इन्फर्टीलिटी अल्ट्रासाउंड मात्र 150/- में
विशेषतायें:-
★ 25 वर्षों के अनुभव के साथ।
★ ICSI, I.U.I., लेप्रोस्कॉपी हिस्ट्रोस्कोपी (दुरबीन द्वारा बच्चेदानी व अंडेदानी की जाँच)
★ उच्चतम सफलता दर ★ विश्वस्तीय आधुनिकतम IVF लैब
देश विदेश में हजारों दम्पत्ति हुए लाभान्वित आइये आप भी यह उम्मीद पाएं.....
स्थान :
IVF सैन्टर Ist Floor न्यू बिल्डिंग कमरा नं. 106
रोहिलखण्ड मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल
सुरेश शर्मा नगर चौराह, डेंटल कॉलेज रोड, बरेली
रजिस्ट्रेशन के लिए सम्पर्क करें : 6398018900, 8171925965

पशुपालन विभाग | किसानों से ली जाएगी गोवंश आश्रय स्थल के लिए हरे चारे की आपूर्ति

हरा चारा साबित होगा वरदान, बढ़ेगी आमदनी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- आपूर्ति करने वाले किसानों को पशुपालन विभाग करेगा भुगतान
- अब तक पशुओं के लिए निजी फर्मों से खरीदा जाता था हरा चारा

अमृत विचार : हरे चारे से जहां गोवंशों को पेट भरेगा, अब यही चारा किसानों की आमदनी का जरिया भी बनेगा। गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों के लिए हरा चारा की आपूर्ति अब फर्मों से नहीं होगी। बल्कि इसे किसानों से खरीदा जाएगा। इसका भुगतान पशुपालन विभाग करेगा। भुगतान की राशि सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी।

जिले में 335 के आस पास स्थाई और अस्थाई गोशालाएं संचालित हैं। इन गोशालाओं में करीब 23 हजार से अधिक गोवंश संरक्षित हैं। साथ ही नौ हजार से अधिक गोवंश को किसानों के लिए गोद दे रखा है। उनके भरण पोषण के लिए प्रतिदिन 50 रुपये के हिसाब से भुगतान भी किया जाता है। गोशालाओं में संरक्षित गोवंशों के भरण पोषण के लिए दान में भूसा लेने के साथ ही उसकी खरीदारी की जाती थी। गोशालाओं को 50 रुपये प्रति गोवंश के हिसाब से धनराशि प्रदान की जाती थी। इसके बाद भी गोवंशों को हरा चारा नहीं मिल पाता था। अब प्रदेश सरकार की ओर से हरा चारा खरीदने के लिए भी व्यवस्था की है। पशुधन विभाग के प्रमुख सचिव मुकेश मेश्राम ने भूसा-दाना आदि की खरीदारी के साथ ही किसानों से हरा चारा लिए जाने की व्यवस्था करने के लिए जिला पशु चिकित्सा अधिकारी को पत्र जारी किया है। प्रमुख सचिव ने सीवीओ को भेजे अपने पत्र में कहा कि गोवंश संरक्षण स्थलों आसपास के किसानों से मौसम के अनुसार बरसीम, जई, ज्वार-बाजरा और मक्का आदि की हरे चारा के तौर पर आपूर्ति ली जाएगी। जिसके लिए किसानों से गोवंश संरक्षण से संबंधित ग्राम पंचायत के पंचायत सचिव और प्रधान अनुबंध किया जाएगा। किसानों से हरे चारा की आपूर्ति के संबंध में रेट कांटेक्ट करेंगे। जिसमें हराचारा की कटाई, ढुलाई और आपूर्ति आदि शामिल रहेगा। जिससे हरा चारा का उत्पादन कर किसान आमदनी में बढ़ोतरी कर सकेंगे।

प्रतिदिन एक पशु के लिए औसतन पांच किलोग्राम हरे चारा की होती है आवश्यकता

प्रभारी सीवीओ डॉ अनेक पाल सिंह ने बताया किसी भी पशु को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भूसा-घास के साथ ही प्रतिदिन औसतन पांच किलोग्राम हरा चारा दिया जाना आवश्यक है। पशुओं के चारा की मात्रा का निर्धारण उनके वजन के अनुपात से किया जाता है। उसे स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन कम से कम पांच किलोग्राम हरा चारा और भूसा आदि दिया जाना आवश्यक है।

> प्रमुख सचिव का पत्र मिल चुका है। हरा चारा किसानों से खरीदा जाएगा। गोवंश संरक्षण स्थल पर चारा की आवश्यकता के अनुसार किसानों से अनुबंध किया जाएगा। पंचायत सचिव और प्रधान के माध्यम से चारा आपूर्ति करने वाले किसानों को उनके खातों में सीधे भुगतान किया जाएगा।
> – डॉ. अनेक पाल सिंह, प्रभारी सीवीओ

पनीर के निकले वेस्ट से आ रही दुर्गंध से ग्रामीण परेशान

विजय नगला, अमृत विचार : थाना बिनावर क्षेत्र के गांव भिन्दुलिया प्लासी में लंबे समय से सिंथेटिक दूध से पनीर बनाया जा रहा है। यहां से रोजाना लगभग 15 से 20 क्विंटल पनीर की सप्लाई बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर व हल्द्वानी को होती है।

ग्रामीणों का कहना है कि पनीर बनाने के बाद जो भी पानी बचता है उसे धंधेबाज नालियों में बहा देते हैं। जिससे भीषण दुर्गंध आती है। जिस स्थान पर पनीर बनाया जाता है उसके पास में ही स्थित प्राथमिक स्कूल है। जिसमें पढ़ने वाले बच्चे भी परेशान होते हैं। ग्रामीणों ने बताया जिसकी शिकायत उनके द्वारा कई बार जिलाधिकारी से की है। लेकिन आज तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा कार्रवाई नहीं हो सकी है। उक्त संबंध में खाद्य सहायक आयुक्त सीएल यादव ने बताया शिकायत मिली है। जल्द ही जांच कराई जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

खनन निरीक्षक ने जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन पकड़ी

चंदौसी, अमृत विचार : तहसील चंदौसी के ग्राम सराय ज्वालापुरी में गुरुवार को खनन विभाग की टीम ने अवैध मिट्टी खनन का भंडाफोड़ किया। खनन निरीक्षक शिवम कुमार ने मौके से एक जेसीबी और गारा बनाने वाली मशीन को पकड़ा। पकड़ी गई मशीनों के माध्यम से एक भट्टे के लिए मिट्टी निकाली जा रही थी। खनन निरीक्षक ने कार्रवाई करते हुए जेसीबी को कब्जे में लेकर थाना कुढ़ फतेहगढ़ में जमा करा दिया। विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध खनन करने वालों में हड़कंप मच गया है।

किराना व्यापारी से लूट मामले में पुलिस के हाथ खाली

बहजोई, अमृत विचार : बाइक सवार बदमाशों द्वारा किराना व्यापारी व उसके बेटे से मारपीट कर दो लाख की नगदी व दो मोबाइल लूट के मामले में पुलिस के हाथ तीसरे दिन भी खाली हैं। व्यापारी की हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। बुधवार की रात्रि बहजोई के काली मंदिर निवासी मदनलाल अपने पुत्र रितेश के साथ अपनी गांव पाठकपुर स्थित किराना की दुकान से बैग में दो लाख की नगदी लेकर अपनी बाइक पर सवार होकर वापस लौट रहे थे। पीछे से आए बदमाशों ने व्यापारी तथा उसके बेटे के साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। 2 लाख की नगदी से भरे बैग व्यापारी तथा उसके बेटे के मोबाइल लूट कर फरार हो गए थे। व्यापारी को गंभीर हालत में बहजोई के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां से उसे गंभीर हालत में व्यापारी को रेफर कर दिया गया था। उसका मुरादाबाद के निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। इधर पुलिस इस लूट की घटना का न तो खुलासा कर पा रही है, न ही रिपोर्ट दर्ज कर रही है। तीसरे दिन भी बेटे रितेश के द्वारा दी गई तहरीर पर पुलिस ने अभी तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की है। हालांकि पुलिस यह दावा कर रही है कि पूरे मामले की हर पहलू पर जांच चल रही है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी को लेकर हुई बैठक

चंदौसी,अमृत विचार : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा-निर्देशों के अनुपालन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर के सफल आयोजन और व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित विश्राम कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष एवं जनपद न्यायाधीश डॉ. विदुषी सिंह ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की लंबित समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना और न्याय तक सहज पहुंच उपलब्ध कराना रहा।

ऑनलाइन फॉर्मों में संशोधन और दोबारा जांच ने बढ़ाई परेशानी

जिले के कई मतदाताओं ने अधूरे गणना प्रपत्र भरे, बीएलओ को हो रही परेशानी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- 4 नवंबर से चल रहा एसआईआर कार्य, अब तक बीएलओ ने 70 प्रतिशत कार्य किया पूरा

अमृत विचार : जिले में निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एसआईआर का कार्य चल रहा है। करीब 70 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। इस कार्य में लगे बीएलओ को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। एसआईआर फॉर्म एकत्रित करने के उसका डिजिटाइजेशन के बाद उन्हें ऑनलाइन किया जा रहा है। इसको वह दोबारा चेक कर रहे हैं। एक ओर जहां वितरित फॉर्म मतदाता से संकलित करने में मुश्किल हो रही है, वहीं अधूरे फॉर्मों को मतदाताओं से जानकारी जुटाकर ऑनलाइन भरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

जिले में 4 नवंबर से एसआईआर का कार्य हो रहा है। जिले की सभी छह विधानसभा क्षेत्रों में 24 लाख से अधिक मतदाताओं का गणना प्रपत्र भरना है। एक माह से जारी यह कार्य अंतिम चरण में पहुंच चुका है। 11 दिसंबर अंतिम तिथि है। इसके चलते बीएलओ तेजी से कार्य पूर्ण करने में लगे हुए हैं। अब तक करीब 70 प्रतिशत से अधिक एसआईआर का कार्य पूर्ण हो चुका है। कई मतदाताओं ने फॉर्मों में पूरी जानकारी नहीं भरी है, जिसके कारण ऑनलाइन हुए फॉर्मों को दोबारा चेक करना पड़ रहा है। इस कार्य में बीएलओ के साथ शिक्षकों को लगाया गया है। शहर के पुलिस लाइन, पटियाली सराय प्राथमिक स्कूलों के साथ राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज बने मतदेय स्थलों के साथ अन्य बूथों पर शुक्रवार को बीएलओ कार्य करते हुए मिले। नाम न छापने की शर्त पर बीएलओ ने बताया कि उनके बूथों पर 70 से 75 प्रतिशत मतदाता गणना प्रपत्र एकत्रित हो चुके हैं। वहीं जगत ब्लॉक के प्राथमिक स्कूल रसूलपुर और दौरी नरोत्तमपुर पर कार्यरत बीएलओ ने बताया कि अब तक 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष गणना प्रपत्र शादी समारोह होने और बुवाई का कार्य चलने की वजह से एकत्रित नहीं हो सके हैं। 10 से 12 बार उन घरों का चक्कर लगा चुके हैं। बताया कि ये लोग खोजे नहीं मिल रहे हैं। पड़ोसी भी उनकी सूचना नहीं दे पा रहे हैं। उप निर्वाचन अधिकारी डॉ वैभव शर्मा ने बताया कि दो दिन जिले में गणना प्रपत्र भरने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। परिषदीय, माध्यमिक और निजी में जहां मतदेय स्थल बने हैं। वह सभी शनिवार और रविवार को खुलेंगे। जहां बीएलओ बैठकर गणना प्रपत्र ऑनलाइन करने के साथ एकत्रित करेंगे। उन्होंने अपील करते हुए कि जिन मतदाताओं को गणना प्रपत्र नहीं मिले हैं, वह बीएलओ से मिलकर अपना गणना प्रपत्र अवश्य भरें, जिससे उनका नाम मतदाता सूची में शामिल हो सके।

गणना प्रपत्र में नहीं भरी जा रही सही जानकारी

गणना प्रपत्र भरने में लगे बीएलओ ने बताया कि जो प्रपत्र मिले हैं। उनमें पूरी जानकारी मतदाताओं के द्वारा नहीं भरी गई है। बताया कि तीन चरणों में गणना प्रपत्र भरा जाना था। फार्म भरते समय 2003 की सूची से मिलान नहीं किया गया। एक ही चरण में गणना प्रपत्र भरकर ऑनलाइन कर दिया गया, जिससे कुछ कमियां रह गई हैं। सूची से सत्यापन किया जा रहा है। नाम में भी त्रुटियां हैं, जिसे सही किया जा रहा है। बताया कि गणना प्रपत्र में पूरी जानकारी मतदाताओं की ओर से नहीं दिए जाने के कारण अतिरिक्त काम बढ़ गया है।

60 साल बाद मुक्त हुई सरकारी जमीन

बदायूं, अमृत विचार : तहसील प्रशासन की हीलाहवाली के बाद के चलते सरकारी भूमि माफियाओं के कब्जे में रही। छह दशक बाद भूमि कब्जा मुक्त हो सकी। एसडीएम के आदेश पर भूमि पर खड़ी फसल को जुतवाकर खाली कराया।

बिल्सी तहसील क्षेत्र के गांव सतेती की प्रधान कमला शर्मा ने तालाब व नवीन परती की भूमि पर अवैध कब्जा होने की शिकायत प्रशासन से की थी। जिससे गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने प्रेमपाल सिंह ने टीम का गठन कर भूमि को कब्जा मुक्त कराने के आदेश कर दिए। शुक्रवार को नायब तहसीलदार बदन सिंह, राजस्व निरीक्षक राजेश्वर पटेल, लेखपाल ममता यादव तथा संबंधित थाना पुलिस ने मौके पर भूमि का सीमांकन कराया। भूमि पर फसल खड़ी हुई थी। जिस पर तहसील स्तरीय अधिकारियों ने ट्रैक्टर चलवा दिया। इस संबंध में एसडीएम प्रेमपाल सिंह ने बताया कि सतेती गांव स्थित सरकारी भूमि पर गांव के ही कुछ लोगों का पिछले लगभग 60 साल से अवैध कब्जा था। उसे मुक्त कराया गया है। कब्जा करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सरेंडर के लिए आए आरोपी को पकड़ने का प्रयास, दरोगा को पीटा

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- सीसीटीवी कैमरे में हुआ था कैद व्यापारियों ने रखा था 51 हजार का इनाम

अमृत विचार : कोर्ट में अधिवक्ता के साथ खडे.युवक को ले जाने के प्रयास में हंगामा हो गया। युवक सराफा की दुकान से चेन ले जाने का आरोपी था। वह कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा था। आरोपी पर व्यापारियों ने 51 हजार का इनाम घोषित किया था। आरोप है कि अधिवक्ताओं ने सादा कपड़ों में आए दरोगा की पिटाई लगा दी। इसका वीडियो वायरल हुआ है।

सदर कोतवाली क्षेत्र में हलवाई चौक पर जुगल किशोर प्रहलादी लाल सराफ की दुकान है। 28 नवंबर को एक युवक ग्राहक बनकर दुकान पर आया था। दुकान से सोने की तीन चेन लेकर भाग गया था। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। सराफा व्यापारी की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। व्यापारियों ने आरोपी की पहचान बताने वाले 51 हजार के इनाम की घोषणा की थी। शुक्रवार को पुलिस सूचना मिली कि आरोपी कोर्ट में सरेंडर करने जा रहा है। पुलिस सादा कपड़ों में कोर्ट परिसर के बाहर खड़ी हो गई।

आरोपी सरेंडर करने के लिए कोर्ट पहुंचा। वह अधिवक्ता के साथ खड़ा था। इस दौरान सादा कपड़ों में एक व्यक्ति पहुंचा। उसने आरोपी को पकड़कर ले जाने का प्रयास किया। अधिवक्ता के पूछने पर व्यक्ति ने खुद को दरोगा बताया। अधिवक्ता ने वर्दी में न होने का कारण पूछा। कहा कि कोर्ट से किसी को कैसे ले जा सकते हो। आरोप है कि दरोगा अधिवक्ता से अभद्रता करने लगे। धीरे-धीरे अधिवक्ताओं की भीड़ जमा हो गई। बात बढ़ गई और अधिवक्ताओं ने दरोगा की पिटाई लगा दी। सूचना मिलने पर अधिकारी मौके पर पहुंचे। तब तक अधिवक्ता मौके से चले गए थे। किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि वांछित आरोपी को लेकर अधिवक्ता और उपनिरीक्षक हितेश आजाद में छीना झपटी हुई थी। सीओ सिटी रजनीश कुमार उपाध्याय को जांच सौंपी गई है। जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सराफा व्यापारी से तमंचे के बल जेवर लूटने का आरोप

संवाददाता, विजय नगला

व्यापारी कौशल कुमार।

- फायरिंग करके गुलड़िया गांव की ओर भाग गए बदमाश

अमृत विचार : तमंचे के बल पर सराफा व्यापारी से सवा दो लाख रुपये के जेवर लूटने का मामला सामने आया है। बदमाश फायरिंग करते हुए भाग गए। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची।

शहर के मोहल्ला नई सराय में सुंदर वाली गली निवासी कौशल कुमार लगभग 10 साल से मूसाझाग थाना क्षेत्र की नगर पंचायत गुलड़िया में गौरी ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। शुक्रवार शाम लगभग पांच बजे उन्होंने अपनी दुकान बंद की और स्कूटी से अपने घर के लिए निकले थे। एक बैग में उनके पास गिरवी रखे गए लगभग 15 ग्राम सोने के जेवर थे।

उनके अनुसार रास्ते में मंदिर के आगे पहुंचते ही सामने से एक बाइक पर दो लोग आए। व्यापारी की स्कूटी के आगे अपनी बाइक लगा दी। उनके हाथ में टंगा बैग छीनने लगे। विरोध करने पर बदमाशों ने मारपीट करते हुए तमंचे से फायर किया। कौशल कुमार घबरा गए और जमीन पर गिर गए। बदमाश उनका बैग छीनकर भाग गए। वहीं गुलड़िया के गन्ना क्रय केंद्र पर तौल बंद करके घर जा रहे धीरज पटेल का भी बदमाशों ने पीछा किया। उनके ऊपर भी तमंचा तान दिया। आगे बढ़ते हुए फायरिंग करके गुलड़िया गांव की ओर भाग गए। व्यापारी की सूचना पर पुलिस पहुंची और मामले की जांच की।

संभल कल्कि अवतार भूमि है, यह मान्यता कोई छीन नहीं सकता

कार्यालय संवाददाता,संभल

पत्रकार वार्ता करते अजय शर्मा। ● अमृत विचार

- कल्कि अवतार की तिथि और स्थली को विवाद पर हिंदू जागृति मंच का विरोध

अमृत विचार: भगवान श्री कल्कि अवतार की भूमि और कल्कि जयंती की तिथि को लेकर रामभद्राचार्य महाराज के बयान पर हिंदू जागृति मंच ने कड़ा एतराज जताया है। मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि कुछ लोग धार्मिक मान्यताओं को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं, जिससे समाज में भ्रम उत्पन्न हो रहा है।

अजय कुमार शर्मा ने भविष्य पुराण, कल्कि पुराण, श्रीमद् भागवत सहित विभिन्न पुराणों और ग्रंथों का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी धार्मिक और ऐतिहासिक ग्रंथ कलयुग के अंतिम चरण में संभल को ही भगवान श्री कल्कि विष्णु की अवतरण भूमि बताते हैं। श्रावण शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि को ही भगवान श्री कल्कि के अवतार होने का वर्णन मिलता है और इसी दिन संभल में कल्कि जयंती का महापर्व परंपरागत रूप से मनाया जाता है। आचार्य प्रमोद कृष्णम सहित देशभर के विद्वान भी इसी तिथि को जयंती मनाते आ रहे हैं। श्री कल्कि पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने भी संभल के श्री विष्णुयश शर्मा के परिवार को अवतार स्थान के रूप में स्वीकार किया और वर्षों से यही संदेश जन-जन तक पहुंचाया है। इन ऐतिहासिक और धार्मिक मान्यताओं को अचानक खारिज करना या भ्रम फैलाना धोखा है। किसी भी बड़े मंच या संत को इस विषय पर कोई बयान देने से पहले पर्याप्त शास्त्रार्थ करना चाहिए। संभल की धार्मिक विरासत और मान्यता कमजोर करने का प्रयास छल और प्रपंच ही माना जाएगा, जिसे धर्म प्रेमी और संभल वासी कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

नाले के निर्माण में पीला ईंट का प्रयोग, शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली ब्लॉक क्षेत्र के गांव राजपुर में सीसी रोड का निर्माण होना है। जिसका बेस कचरा डालकर बनाया जा रहा है। साथ ही उसके साथ बनने वाले नाले में पीला ईंट प्रयोग में हो रही है। यह आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की है।ग्रामीण विजय और रिषभ उपाध्याय का आरोप है कि ग्राम प्रधान व सचिव नियमों को ताक पर रखकर सीसी रोड बना रहे हैं। सीसी रोड निर्माण से पूर्व भराव के लिए मिट्टी का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन सचिव और प्रधान कचरे का इस्तेमाल कर रहे हैं। सीसी रोड के साथ बनाए जाने वाले नाला में पीला ईट प्रयोग हो रही है। जिससे न सिर्फ सीसी रोड जल्दी खराब हो जाएगा। साथ ही उपयोग में लाई जा रही सरकारी धनराशि भी बेकार जाएगी। ग्रामीणों ने डीएम से शिकायत की है।

खेलकूद के पहले दिन प्रतिभाओं ने दिखाया दम

चंदौसी, अमृत विचार : मॉडल पब्लिक एजुकेशन कॉलेज में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता की शुरुआत एनसीसी कैडेट्स के मार्चपास्ट से हुई। 100 मीटर पुरुष वर्ग दौड़ में अभय कुमार,महिला वर्ग में पूजा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 5 किलोमीटर पुरुष वर्ग दौड़ में अंकुश कुमार,महिला वर्ग में पूजाने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

9756905552, 8445507002

आवश्यकता है

दुकान पर काम करने हेतु लड़कों की

संपर्क करें

कंपटीशन बुक हाउस कॉलेज बुक हाउस

5, 6, 7 न्यू कॉलेज रोड मार्केट, बरेली

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पासपोर्ट पर मेरा नाम Mahika Bakshi दर्ज है जबकि मेरे आधार कार्ड व हाईस्कूल की मार्कशीट पर मेरा नाम मेरा नाम Mahika Kaur Bakshi नाम दर्ज है। उक्त नाम सही है व मुझे भविष्य में इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। **महिका कौर बख्शी** (Mahika Kaur Bakshi) **पुत्री श्री इन्द्रप्रीत सिंह बख्शी** (Inderpreet Singh Bakshi) **निवासी 33 बी मॉडल टाउन तह. व जिला बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम मुनब्बर अली है जबकि डॉक्यूमेंट में भूलवश बब्बू अली हो गया है जो कि गलत है भविष्य में सही नाम से जाना जाए। **मुनब्बर अली पुत्र मुबारक अली निवासी 43 कांधरपुर बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र दानिस व उसकी पत्नी मैनाज को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **इंतजार हुसैन पुत्र मुन्शी निवासी मो. मोती नगर कस्बा व थाना शाही जिला बरेली।**

आवश्यकता है

अनुभवी व्यक्तियों की

- पी.आर.ओ (पब्लिक रिलेशन आफिसर)
- सिक्यूरिटी गार्ड
- कंप्यूटर ऑपरेटर

वेतन योग्यतानुसार

सम्पर्क करें

एच.आर. ऑफिस एडमिन ब्लाक वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल एन.एच.-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर

समय : प्रातः 10 बजे से सायं 04 बजे तक

मो. 7521001986

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

शिविर में 13.17 लाख रुपये हुए जमा

बकाया बिजली बिल जमा करते विद्युत विभाग के कर्मचारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिल्सी

- उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए लगाया कैंप

अमृत विचार: नगर समेत नागर झूना, वजीरगंज विद्युत उपकेंद्रों पर शुक्रवार को बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे उपभोक्ताओं ने बिल सुधार, ओटीएस योजना व बकाया जमा कराने से संबंधित समस्याएं दर्ज कराईं। शिविर में 100 बकाएदारों का ओटीएस योजना में पंजीकरण कराया गया। वहीं विभाग ने करीब 13 लाख 17 हजार रुपये की बकाया धनराशि भी जमा कराई। एसडीओ जयप्रकाश राजपूत ने बताया कि उपभोक्ताओं की सभी शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जा रहा है। सरकार द्वारा जारी की गई योजना का सभी उपभोक्ताओं को प्राथमिकता से लाभ दिया जा रहा है। शिविर में जेई गजेंद्र पाल सिंह, उमाशंकर, मनोज कुमार, सूरज पटेल, देवकी नंदन, मुनीष कुमार आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

लेखपाल के इंजीनियर बेटे को ट्रक ने रौंदा, मौत

कैंट(बरेली), अमृत विचार : मूल रूप से बदायूं के थाना वजीरगंज क्षेत्र के गांव अलउआपुर निवासी योगेंद्र पाल सिंह यादव (31) पुत्र रामौतार यादव थाना सुभाषनगर के इटौआ सुखदेवपुर के पास तिरुपति धाम विस्तार कॉलोनी में मकान बनाकर करीब 6 माह से पत्नी प्रवेश कुमारी यादव तथा दो बच्चों के साथ रहते थे। वह जेके सुपर सीमेंट कम्पनी बरेली में साइट इंजीनियर थे। वह शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे बाइक से फरीदपुर स्थित साइट पर विजिट करने जा रहे थे। मानपुर चिकटिया अड्डे के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। उनकी मौत हो गई।

विवादित वीडियो की पोस्ट, प्रदर्शन

संवाददाता, इस्लामनगर

थाने के बाद प्रदर्शन के दौरान मौजूद बजरंग दल के पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

- गाजियाबाद के युवक की वीडियो पर इस्लामनगर के युवक ने की अमर्यादित टिप्पणी

अमृत विचार : दो समुदायों के युवकों के अपलोड किए गए विवादित वीडियो से इस्लामनगर क्षेत्र का माहौल गरमा गया। गाजियाबाद के युवक ने इंस्टाग्राम आईडी पर वीडियो पोस्ट किया था। इसमें वह बोला कि हमारी बहन-बेटी का कोई दुपट्टा खींचेगा तो हम उसे मार देंगे। इसी वीडियो के जवाब में दूसरे समुदाय के एक युवक ने हिन्दू समाज की बहन-बेटियों के प्रति अमर्यादित टिप्पणी करते हुए गाली दी। बजरंग दल के पदाधिकारियों ने ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की है।

वीडियो वायरल होते ही बजरंग दल के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश फैल गया। रुदायन, इस्लामनगर समेत आसपास क्षेत्र से करीब 30 से 40 कार्यकर्ता इस्लामनगर थाने पहुंचे। आरोपी युवक की तुरंत गिरफ्तारी की मांग को लेकर थाने के गेट पर नारेबाजी की।

इसके बाद कार्यकर्ताओं ने थाने में पहुंचकर आरोपी के खिलाफ लिखित तहरीर देकर सख्त कार्रवाई की मांग की। कार्यकर्ताओं का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह की अभद्र भाषा सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ती है और ऐसे लोगों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। बताया जा रहा है कि आपत्तिजनक वीडियो बनाने वाला युवक रुदायन चौकी क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला है। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपित पर जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बेटे व माता-पिता को पीट कर किया घायल

बहजोई, अमृत विचार: बहजोई के गांव किरारी निवासी संतोष व उसके पिता होतीलाल व माता लीलावती अपने घर के बाहर खड़े थे। कि गांव के ही सत्यपाल बेवजह गाली गलौज करने लगा। उन्होंने गाली गलौज करने से मना किया तो सत्यपाल अपनी बेटियों के साथ उनके घर पर पहुंच गया और उनके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। जिसमें संतोष पिता होती लाल, माता लीलावती घायल हो गई। ग्रामीणों को एकत्रित होता देख पिता तथा उसकी बेटियां जान से मारने की धमकी देकर चली गई। इसके बाद संतोष अपने माता-पिता के साथ थाने पहुंचा जहां पर पुलिस ने उनका मेडिकल परीक्षण कराया। पुलिस ने संतोष की तहरीर पर चारों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल

N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश

Radiation Oncology Department

Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)

कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)

नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा

- बायोप्सी
- रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
- ब्लड मार्कर जाँच

कीमोथेरेपी (Chemotherapy)

- सभी प्रकार के कैंसर की कीमीथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था

कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)

- कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
- व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना

रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध

- कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।

(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

लिंक पर क्लिक करते ही महिला के खाते से कटे रुपये

बरेली, अमृत विचार : बीमार बेटे के इलाज के लिए महिला गूगल पर डॉक्टर का नंबर देख रही थी। उसने एक लिंक पर क्लिक किया तो उसके खाते से रुपये कट गए। महिला ने इज्जतनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। इज्जत नगर थाना क्षेत्र के द्वारिकापुरम कॉलोनी निवासी रीना श्रीवास्तव ने बताया कि 7 नवंबर को उसने गूगल पर नंबर सर्च किया था। महिला ने बताया कि उसके बच्चे की तबीयत खराब थी। डॉक्टर को दिखाने के लिए सिविल लाइंस स्थित डॉक्टर प्रेम कुमार का नंबर गूगल पर सर्च कर रही थी। इसके बाद उसने गूगल से मिले नंबर पर कॉल लगाई। आरोप है कि कॉल उठाने वाले शख्स ने कहा कि डॉक्टर को दिखाने के लिए अपाइंट लेनी पड़ेगी। इसके बाद उसने एक लिंक भेजा और कहा कि उसे खोलकर पांच रुपये डालने के बाद नंबर लग जाएगा। महिला ने बताया कि उसने जैसे ही लिंक पर क्लिक किया तभी उसका मोबाइल हैक हो गया। मोबाइल हैक होने के बाद लिंक और नंबर ऑटोमैटिक डिलीट हो गया। इसके बाद उसके दो बैंक खातों से 20 हजार 600 और 4999 रुपये कट गए। महिला की तहरीर पर इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

महात्मा बुद्ध लोक कल्याण एवं ग्राम्य विकास संस्थान

निघासन, लखीमपुर खीरी | अल्पसंख्यक संस्थान

डी.एल.एड.(बी.टी.सी.) | कालेज कोड–340003

1.	ऑनलाइन पंजीकरण प्रारम्भ होने की तिथि	24.11.2025
2.	ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि	15.12.2025
3.	ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि	16.12.2025
4.	पूर्ण आवेदन के प्रिंट आउट लेने की अंतिम तिथि	18.12.2025

ऑनलाइन माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम से आवेदन स्वीकार्य एवं विचारणीय नहीं होगें।

प्रवेश हेतु संपर्क करें मो0– 8090079814, 8299368431

वेबसाइट– mblkgs.in पर Registration करें। नोट– आरक्षित अभ्यार्थियों हेतु विशेष छूट

कंपनी के चार अफसरों पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज

35 लाख रुपये बकाया होने पर हुए विवाद में ठेकेदार की मौत

संवाददाता, फरीदपुर

- कंपनी के अफसरों पर जहरीला पदार्थ देने का आरोप

अमृत विचार : क्षेत्र में स्थित हरियाली बाजार में मजदूर ठेकेदार की शुक्रवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। गुरुवार को ड्यूटी पर गये ठेकेदार सुबह घर नहीं पहुंचे तो भतीजा उन्हें तलाश करते हुए हरियाली बाजार में आए। उन्होंने यहां भाई को एक स्थान पर बेहोश पड़े देखा।

उन्होंने डायल 112 को सूचना दी और भाई को लेकर अस्पताल पहुंचे। इस बीच पीड़ित ने उन्हें बताया कि कंपनी के अफसरों ने उन्हें जहरीला पदार्थ खिला दिया है। अस्पताल पहुंचने के थोडी देर बाद उनकी मौत हो गई। परिजन ने कंपनी के चार अफसरों पर जहरीला पदार्थ खिलाकर हत्या कराने का आरोप लगाते हुए नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई है।

शाहजहांपुर के निगोही क्षेत्र के ग्राम चिनौरा निवासी गुरूपाल ने बताया कि उनके चाचा शिवनन्दन सिंह कई वर्षों से फरीदपुर स्थित संतोष पालीफेव में मजदूरों का ठेका संभाल रहे थे।

कंपनी से मजदूरों का नियमित भुगतान नहीं मिलने पर उन्होंने अपनी नौ बीघा जमीन भी बेच दी और मजदूरों को वेतन दिया , फिर भी कम्पनी पर करीब 35 लाख रुपये बकाया था। परिजनों का आरोप है कि कम्पनी प्रबंधन भुगतान से बचता रहा । 31 सितंबर को उन्हें अचानक काम से हटा दिया गया और बकाया रकम देने से भी इंकार कर दिया। कई बार पैसे मांगने पर प्लांट मैनेजर प्रिन्स यादव, जीएम एस. के. मेहरा तथा मालिक संतोष व अभिषेक द्वारा धमकियां मिलने की बात परिवार ने पुलिस को बताई है। 4 दिसंबर की सुबह घर से निकले शिवनन्दन शाम तक वापस नहीं पहुंचे। परिजन जब फैक्ट्री पहुँचे तो उन्हें अंदर जाने से रोका गया। 112 पर कॉल की चेतावनी देने पर कुछ देर बाद भीतर जाने दिया गया, जहाँ शिवनन्दन एक कमरे में अचेत अवस्था में मिले। होश आने पर उन्होंने बताया कि बकाया रकम मांगने पर कम्पनी के अधिकारियों ने उन्हें जहरीला पदार्थ पिला दिया। थोड़ी देर बाद उनकी हालत बिगड़ गई और अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने प्रिन्स यादव, एस. के. मेहरा, संतोष और अभिषेक के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कार और ट्रैक्टर की भिड़ंत में दो की मौत

राजपुर कलां/ बरेली, अमृत विचार : डेलापीर मंडी आलू लेकर जा रही ट्रैक्टर ट्राली की गुरुवार की रात अलीगंज-सिरौली मार्ग पर बरेली से सिरौली की तरफ तेज रफ्तार में जा रही कार से टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार चालक शेखर पुत्र रूपकिशोर (35 वर्ष) निवासी संजयनगर, थाना बारादरी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। ट्राली के ऊपर बैठे धनुष पाल पुत्र शेर सिंह निवासी भूड़ा, थाना सिरौली ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया।

घायलों को मझगवां स्वास्थ्य केंद्र पहुंचवाया, वहां घायलों की हालत गम्भीर देख चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों में कार सवार कुनाल मौर्य, विशाल राजपूत पुत्र सुरेश (20 वर्ष), नितिन चक्रवर्ती पुत्र घनश्याम (22 वर्ष) व मृतक शेखर का 10 वर्षीय बेटा अरनव इसके अलावा ट्रैक्टर सवार ब्रजपाल शामिल हैं।

वाहन ने टेंपो को रौंदा तीन की मौत, दो घायल

संवाददाता, कुंदरकी

अमृत विचार: टेंपो में सवार होकर चार लोग गुरुवार रात मुरादाबाद से कुंदरकी को ओर जा रहे थे। टेंपो 32 वर्षीय सुल्तान पुत्र शमशाद निवासी जयंतीपुर थाना मझोला चला रहा था। कुंदरकी थाना क्षेत्र के भीकनपुर कुलवाड़ा में हाईवे पर पीछे से तेज रफ्तार आए वाहन ने टेंपो में जोरदार टक्कर मार दी। टेंपो उछलकर गिरा और उसके परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना में टेंपो चला रहे सुल्तान, फल विक्रेता जैद (26) पुत्र लियाकत निवासी मोहल्ला पेंठ बाज़ार कस्बा कुंदरकी और कृष्ण नाथ (18) पुत्र राजेंद्र नाथ निवासी भीतरगांव थाना शाहाबाद रामपुर की मौत हो गई। जबकि राजकुमार पुत्र रमेश निवासी भीतरगांव थाना शाहाबाद रामपुर और अनीस पुत्र लियाकत गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंच गई और घायलों को तुरंत जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। सुल्तान और कृष्णनाथ का पोस्टमार्टम कराया गया जबकि जैद के परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया था।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना सं.-याँ/246/1/15/25-26/ओटी-27

मुख्य कारखाना प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए, निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदंडों के अनुसार ई-निविदायें आमंत्रित की जाती हैं :

क्रम सं. : 1, **कार्य का संक्षिप्त विवरण :** यांत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में 02 वर्ष हेतु विभिन्न मेक के 59 अदद वेल्डिंग प्लांट के वार्षिक अनुरक्षण का कार्य (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार), **अनुमानित मूल्य:** ₹51,68,003.40 (रुपये इक्क्यावन लाख अढ़सठ हजार तीन एवं चालीस पैसे मात्र), **बिड सिक्योरिटी :** ₹ 1,03,400.00 (रुपये एक लाख तीन हजार चार सौ मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** शून्य, **कार्य अवधि :** 02 वर्ष, **निविदा खुलने की तिथि व समय :** 25.12.2025 को 15.30 बजे।

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 04.12.2025 को समय 17:00 बजे से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर टेण्डर खुलने की तिथि 25.12.2025 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। **2.** उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अन्तर्गत CA द्वारा जारी क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। **3.** निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। **4.** ई-निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उपमुयाँइ/प्लांट, यांत्रिक कारखाना,
मुजाधि/यांत्रिक-99 पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना देवरनियां प्रांगण में दिनांक 08.12.2025 को थाना देवरनियां पर खड़े लावारिश/207 एमवी एक्ट के वाहनों की नीलामी होनी है। सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करें।

आशुतोष द्विवेदी
कोतवाली प्रभारी थाना देवरनियां,
बरेली। मो. 9454403087

कार्यालय ग्राम पंचायत ऐंठापुर वि.खं. निगोही जनपद शाहजहांपुर

अति अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड शाहजहांपुर वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ऐंठापुर में एम.डी.एम. शेड नाली व इण्टरलॉकिंग निर्माण कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर निम्न सामग्री सीमेन्ट, महीन रेता, मौरंग, बजरी, ईट की रोड़ी, ईट, अव्वल इण्टरलॉक टाइल्स ईट खडंजा सरिया लोहे के ऐंगल टीन शीट लोहे के पाइप आदि की आवश्यकता है। सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस पर ग्राम पंचायत कार्यालय पर प्राप्त की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेन्डर बॉक्स में इस निविदा के प्रकाशन तिथि से तीन दिवस तक डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री की अनु. लागत (लाख में)
1	मथुरा प्रसाद के मकान से नन्हेलाल के मकान तक नाली व इण्टरलॉकिंग कार्य।	3.95 लाख
2	प्रा.वि. में इण्टरलॉकिंग निर्माण का कार्य।	3.98 लाख
3	प्राइमरी स्कूल ऐंठापुर में एम.डी.एम. शेड का निर्माण।	3.99 लाख

ग्राम प्रधान | सचिव

कार्यालय ग्राम पंचायत भूपतिपुर विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025-26 | **अति अल्पकालीन निविदा** | दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत भूपतिपुर के द्वारा वर्ष 2025-26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	भजन के मकान से बबलू के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	732529.00
2	रामकुमार पांडे के मकान से रमाकांत पांडे के मकान तक इंटरलॉक के निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	455312.00
3	गार्जन के मकान से बबलू के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	685366.00

सरिता बाजपेई, ग्राम प्रधान | रमेश चन्द्र, ग्राम पंचायत अधिकारी | आशुतोष यादव, तकनीकी सहायक | शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत घुग्घुलपुर विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025-26 | **अति अल्पकालीन निविदा** | दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत घुग्घुलपुर के द्वारा वर्ष 2025-26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	सनाउल्ला के खेत से पेनी तालाब तक मिटटी खड़ंजा निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	702896.76
2	महेंद्र के फार्म से सीसी रोड तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	566695.00

सियाराम, ग्राम प्रधान | वंदना मिश्रा, ग्राम पंचायत अधिकारी | आशुतोष यादव, तकनीकी सहायक | शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा छीट विकासखंड बेहजम खीरी

पत्रांक: मैमो/2025-26 | **अति अल्पकालीन निविदा** | दिनांक: 05.12.2025

समस्त पंजीकृत फर्मो/विक्रेताओ को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पिपरा छीट के द्वारा वर्ष 2025=26 की स्वीकृत कार्य योजना में मनरेगा योजना के तहत निम्न विवरण के अनुसार निर्माण कार्य हेतु निर्धारित मानक गुणवत्ता के अनुसार उच्च कोटि की निर्माण सामग्री यथा सीमेंट रेत, बजरी, मोरंग ,सरिया, प्रथम ईट, रोड़ी, इंटरलॉकिंग ईट आदि कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु सील बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं जिनकी निविदा प्रपत्र ग्राम पंचायत कार्यालय में 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक बिक्री/वितरित की जाएगी जो निविदा दाता ग्राम पंचायत कार्यालय में 13 दिसंबर को दोपहर 2:00 बजे तक निविदा टेंडर बॉक्स में आमंत्रित की जाएगी जो उसी दिन 4 बजे समिति के समक्ष निविदा ग्राम पंचायत कार्यालय पर खोली जायेगी।

क्र.	कार्य का नाम	सामग्री	अनु. लागत
1	जसवंत के मकान से शिव सहाय के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	761181
2	सुरेश के मकान से तिराहे तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	999914
3	बालाजी मंदिर सेडिहुआ गांव तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	880498
4	रामकिशोर के मकान से विश्राम के मकान तक इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य	आवश्यकतानुसार	685727

अंजनी वर्मा, ग्राम प्रधान | सुमन यादव, ग्राम पंचायत अधिकारी | अजीत सिंह पटेल, तकनीकी सहायक | शरद कुमार सिंह, खंड विकास अधिकारी

गोवंश को रेडियम बेल्ट पहनाने से हादसे होंगे कम

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- मंडलायुक्त और नोडल अधिकारी पशुपालन विभाग ने पशुपालन विभाग व गोशाला निर्माण कार्य की समीक्षा की

अमृत विचार : पशुपालन विभाग व गोशाला निर्माण के कार्यों को लेकर विकास भवन कार्यालय में हुई मंडलीय बैठक में मंडलायुक्त भूपेंद्र एस. चौधरी ने सड़कों पर विचरित करने वाले गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने के निर्देश दिए हैं। मंडलायुक्त ने कहा है कि गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाने से सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी आएगी। साथ ही मंडलभर में सड़कों के किनारे विचरित गोवंशों को संरक्षित करने के निर्देश दिए।

मंडलायुक्त भूपेन्द्र एस चौधरी ने शुक्रवार को पशुपालन विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. जीके सिंह की उपस्थिति में पशुपालन विभाग और गोशाला निर्माण कार्य की समीक्षा की। नोडल अधिकारी को बताया गया कि गोशालाओं में जिसमें ठंड से बचाव, हरे चारे की व्यवस्था, भूसा, पीने का पानी, पशुओं की चिकित्सा व्यवस्था आदि का निरीक्षण किया जाएगा। यह भी जानकारी दी गई कि सहभागिता योजना के तहत 20067 लक्ष्य के सापेक्ष पोषण मिशन में 56 गोवंश एवं सहभागिता में 28559 गोवंश कुल 28615 गोवंश की सुपुर्दगी की गयी है। इसमें से वर्तमान में लाभार्थियों के पास 22459 गोवंश संरक्षित हैं।

बैठक में पशुपालन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि बरेली-बदायूं में 2583 गोवंशों को रेडियम बेल्ट पहनाई जा चुकी हैं, अवशेष जनपदों में धनराशि अभाव में योजना आरंभ नहीं हुई है, शीघ्र ही वहां भी इस दिशा में कार्य कराया जाएगा। बैठक में डीएम बरेली अविनाश सिंह, डीएम बदायूं अवनीश राय, डीएम शाहजहांपुर धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, डीएम पीलीभीत ज्ञानेन्द्र सिंह, सीडीओ शाहजहांपुर, सीवीओ बरेली, बदायूं, शाहजहांपुर व पीलीभीत आदि मंडल स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मंडल की 90 गोशालाओं की सीसीटीवी से निगरानी

पशु पालन विभाग के अफसरों ने बैठक में बताया कि मंडल में 638 गोआश्रय स्थल हैं। इनमें बरेली में 114, बदायूं में 317, पीलीभीत में 66 व शाहजहांपुर में 141 गोशालाएं हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना सं. 12 वर्ष 2025–26

अधोलिखित कार्यों के लिये मुहरबन्द खुली निविदायें भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मंडल रेल प्रबन्धक (सिगनल एवं दूरसंचार), पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैं :– **कार्यों का विवरण:** 1. इज्जतनगर मंडल के पंतनगर–लालकुआँ–हल्द्वानी खण्ड में हाथियों के मूवमेन्ट की मॉनिटरिंग एवं ट्रैकिंग तथा समपार फाटकों को एलर्ट करने हेतु Intrusion Detection System का प्रावधान। **अनुमानित लागतः** ₹ 3,30,28,873.68, **बयाना राशिः** ₹ 3.15,200, **कार्य समापन अवधिः** 6 माह, **ई–निविदायें जमा करने की अंतिम तिथि एवं समयः** दिनाँक 26/12/2025 को 11:00 बजे, • पूर्ण विवरण वेबसाइट http://www.ireps.gov.in पर अपलोड कर दी गयी है। • सभी आवश्यक दस्तावेज ई–निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहियें।

वरि. मंडल सिगनल व दूरसंचार इंजीनियर
मुजाधि/सिग्नल–71 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कैदी की हत्या का आरोप, मजिस्ट्रेटी जांच शुरू

- बदायूं के थाना बिनावर के ग्राम वृंदावन के रहने वाले कैदी महेंद्र की 7 नवंबर को हुई थी मौत

बरेली, अमृत विचार : केंद्रीय कारागार में बदायूं के थाना बिनावर के ग्राम वृंदावन के कैदी महेंद्र की 7 नवंबर को मौत होने के मामले में गंभीर आरोप लगाए गए हैं। महेंद्र के पुत्र रामसेवक ने जेल में षड़यंत्र के तहत पिता की हत्या कराने का आरोप लगाया है। कहा है कि गांव के कुछ नेताओं ने जेल अधीक्षक को प्रलोभन देकर षड़यंत्र करते हुए पिता की हत्या कराई है।

नेताओं ने पहले उसके पिता को बदायूं की जेल से केंद्रीय कारागार में शिफ्ट कराया, फिर उसके बाद घटना की है। डीएम अविनाश सिंह के आदेश पर एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने मजिस्ट्रेटी जांच शुरू कर दी है।

एडीएम सिटी ने आमजन से कहा है कि इस प्रकरण के संबंध में जो भी व्यक्ति किसी प्रकार की कोई जानकारी देना चाहता है तो वह कलेक्ट्रेट स्थित एडीएम सिटी के कार्यालय में 8 से 20 दिसंबर तक किसी भी कार्यदिवस में उपस्थित होकर बयान दर्ज करा सकता है। एडीएम सिटी की ओर से जारी बयान में कहा है कि रामसेवक ने डीएम को 14 नवंबर को शिकायत कर कहा कि उसके पिता महेन्द्र की अदालत बदायूं से एक मुकदमे में 20 वर्ष की सजा हो गई थी। जिसकी वजह से उसके पिता जेल बदायूं में निरुद्ध थे। आरोप है कि 2 नवंबर को षड़यंत्र के तहत सेंट्रल जेल बरेली में शिफ्ट किये गये। उसके पिता की गांव में कुछ लोगों से रंजिश चल रही थी। उसकी वजह से कुछ नेता उनसे रंजिश मानते थे। गांव के लोगों ने राजनेताओं संग षड़यंत्र रचकर, वरिष्ठ जेल अधीक्षक केन्द्रीय कारागार को प्रभावित कर उसके पिता की हत्या करवा दी और बीमारी व इलाज का बहाना बना दिया। 7 नवंबर की सुबह अपने पिता से मुलाकात करने केन्द्रीय कारागार गया तो उसकी मुलाकात नहीं कराई। 7 नवंबर को उनकी मृत्यु होना दर्शा दिया। मजिस्ट्रेटी जांच डीएम के आदेश पर एडीएम सिटी को सौंपी गई है।

खाते से निकाले छह लाख रुपये

बरेली, अमृत विचार : युवक के खाते से छह लाख रुपये निकाल लिए गए। युवक को खाते से पैसे कटने की जानकारी हुई तो उसने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। नवाबगंज के मो. युनूस ने बताया कि वह एचडीएफसी बैंक की नवाबगंज शाखा का चालू खाते के खाताधारक है। साइबर अपराधियों ने छह लाख रुपये निकाल लिए। पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

कार्यालय ग्राम पंचायत म्यूड़ी खुर्दकला वि.खं. बिथरी चैनपुर, बरेली

निविदा आमंत्रण सूचना

सभी अधिकृत फर्मो व विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत में ग्राम निधि वित्तीय वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत निम्न विवरण के अनुसार उच्च कोटि की ईट सीमेन्ट, बजरफुट, बजरी, ईट की रोड़ी आदि सामग्री की सीलबंद निविदाएं दिनांक 10.09.2025 को दोपहर 12 बजे तक पंचायत कार्यालय में डाली जा सकती है। मोहरबंद निविदाएं निविदादाता व उसके प्रतिनिधि के समक्ष दिनांक 11.12.2025 को सार्वजनिक रूप से ग्राम पंचायत सचिव की अध्यक्षता में दोपहर 2 बजे खोली जायेगी। कराये जाने वाली कार्यो का विवरण इस प्रकार है :–

क्र.	कार्य का नाम	अनु. लागत
1.	लवजोत सिंह सरदार के मकानसे चकरोड तक सी.सी. नाली निर्माण	200000
2.	मेन रोड से विजय कुमार के घर तक सी.सी. व नाली निर्माण	150000
3.	मेन रोड गूगा वाली से सुखराज के घर तक सी.सी. नाली कार्य	350000

किसी भी समस्त निविदाओं को स्वीकार करने एवं निरस्त करने का अधिकार सचिव, ग्राम पंचायत को निहित होगा। निविदा से सम्बन्धिणत कोई भी विवाद मा. न्यायालय जनपद बरेली में ही मान्य होगा।

बबली देवी– ग्राम प्रधान | चन्द्रभान सिंह–सचिव

कार्यालय कृषि उत्पादन मण्डी समिति, बहेड़ी (बरेली)

पत्रांक : कृ.उ.म.स./2025–424 | दिनांक : 4 दिसम्बर 2025

दुकान आवंटन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नवीन मण्डी स्थल, बहेड़ी की 3 दुकान ''स'' श्रेणी एवं उपमण्डी स्थल, रिछा को 03 ''अ'' श्रेणी की दुकान एवं 24 ''ब'' श्रेणी की दुकान, 04 ''स'' श्रेणी की दुकान तथा ए.एम.एच. राठ की 08 ''स'' श्रेणी की दुकानों का आवंटन/नीलामी दिनांक 24.12.2025 समय प्रात: 11:30 बजे तहसील सभागार के सभाकक्ष में की जायेगी। अत: लाईसेंसी व्यापारी/ इच्छुक व्यक्ति/व्यापारी मण्डी समिति कार्यालय से रू. 250.00+18 प्रतिशत जी.एस.टी. नकद जमा करके आवंटन प्रार्थना पत्र प्राप्त कर पूर्ण रूप से भरकर पंजीकरण की धनराशि का बैंक ड्राफ्ट मण्डी समिति, बहेड़ी के पक्ष में देय हो एवं जाति प्रमाण पत्र तथा आधार कार्ड की छायाप्रति जमा करना अनिवार्य होगा। दुकानों का विवरण एवं पंजीकरण धनराशि, आवंटन सम्बन्धित कार्यक्रम निम्नवत् है :–

दिनांक	विषय
20.12.2025	आवेदन पत्रों की बिक्री एवं आवेदन पत्रों को मूल रूप से मण्डी समिति कार्यालय में जमा करने की अन्तिम तिथि अपरान्ह 03:00 बजे तक
22.12.2025	दुकान आवंटन में भाग लेने हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की जांच उपरान्त श्रेणीवार अनन्तिम पात्रता का प्रकाशन।
23.12.2025	अनन्तिम सूची पर आपत्ति प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि अपरान्ह 02:00 बजे तक।
23.12.2025	प्राप्त आपत्तियों का निस्तारण उपरान्त श्रेणीवार अन्तिम सूची का प्रकाशन अपरान्ह 05:00 बजे तक।
24.12.2025	समस्त प्रकाशित दुकानों का आवंटन स्थान तहसील सभागार कक्ष, बहेड़ी (बरेली)।

क्र.सं.	नाम रिक्त दुकान	दुकान की श्रेणी	कुल रिक्त दुकानों की संख्या	मण्डी समिति के लाइसेंसधारी व्यापारी एवं इच्छुक व्यक्ति हेतु आरक्षित दुकानों का विवरण	दुकानों की संख्यावार आरक्षण संशोधित स्थिति: अनुसूचित जाति	अन्य पिछड़ा वर्ग	अनारक्षित	आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग	न्यूनतम प्रीमियम	पंजीकरण धनराशि (रूपये) में
01	02	03	04	05	06	07	08	09	10	11
01	प्रधान मण्डी स्थल, बहेड़ी	''स'' श्रेणी नवनिर्मित	10	लाईसेसधारी व्यापारी	15	19	18	–	662000.00	66200.00
03	उपमण्डी स्थल, रिछा	''अ'' श्रेणी	03	लाईसेसधारी व्यापारी	1,5	–	6	–	539000.00	53900.00
04		''ब'' श्रेणी	24		1,5,11,1, 5,21,25	7,13,17,19, 23,27,29	8,12,14, 16,18,22, 24,26,28	20,30	367000.00	36700.00
05		''स'' श्रेणी	04		1,5,11	–	8	–	194000.00	19400.00
06	ए.एम.एच. राठ	''स'' श्रेणी	08	लाईसेसधारी व्यापारी एवं इच्छुक व्यक्ति	1,5	7,3	2,4,6	10	28000.00	2800.00

(नरेन्द्र कुमार गंगवार)
सचिव
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
बहेड़ी (बरेली)

(इशिता किशोर)
सभापति/उपजिलाधिकारी
कृषि उत्पादन मण्डी समिति,
बहेड़ी (बरेली)

इंस्ट्रग्राम पर विज्ञापन देख डाउनलोड किया एप, 94 लाख गंवाए

बरेली, अमृत विचार : कोतवाली थाना क्षेत्र के रामपुर गार्डन निवासी व्यापारी पंकज ने बताया कि 19 सिंतबर को वह इंस्टाग्राम पर स्क्रॉल कर रहा था। उसी दौरान एक्सिस सेल्फ नाम के एप का विज्ञापन देखकर उसे डाउनलोड कर लिया। एप डाउनलोड करने के बाद तीन नंबरों से व्हाट्सएप पर चैट होने लगी। इसके बाद इन्वेस्टमेंट में मोटा मुनाफा का लालच दिया जाने लगा।

साइबर ठगों के झांसे में आकर उसने ट्रेडिंग के लिए फंड ट्रांसफर करना शुरू कर दिया। फंड ट्रांसफर करने पर उसके द्वारा किए गए इन्वेस्टमेंट में प्रॉफिट जोड़कर बहुत बड़ी रकम दिखाई जाने लगी। उसने पैसे निकालने का प्रयास किया तो ट्रांजेक्शन फेल दिखाने लगा।

पीड़ित ने बताया कि चैट पर मैसेज किए तो सिक्यूरिटी मनी के नाम पर और पैसे डालने की बात कही जाने लगी। इसके बाद उसे जानकारी हुई कि उसके साथ धोखाधड़ी हो गई है। पीड़ित ने बताया कि उसने अपने बैंक खाते से 9 ट्रांजेक्शन से 94 लाख रुपये दिए थे। पंकज ने साइबर क्राइम थाने में पूरे मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। साइबर सेल ने मामला दर्ज कर ठगों के मोबाइल नंबर, भुगतान चैनलों और ऐप की तकनीकी जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली सम्भाग, बरेली

पत्रांक : 2324/स्वी.अनु./धाबा.ख./ई.–परि.–ई–निविदा/2025–26/बरेली | दिनांक : 05.12.2025

अल्पकालीन ई–टेण्डर नोटिस

कार्यालय आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ, के पत्रांक 2216/मु.वि.अ./धा.ख..–नीति प्रस्ताव/2025–26 दिनांक 10.06.2025 के साथ संलग्न शासनादेश सं. 358/29–4–2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 के द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान क्रय व्यवस्था संबंधी समय सारिणी में दिये गये निर्देशों तथा शासनादेश सं. 591/29–4–2023/4013(99)/7/2022 दिनांक 16.05.2023, शासनादेश सं. 1215/29–4013(99)7/2022 दिनांक 15.09.2022, शासनादेश सं.–571/29–4–2023/4013(099) /7/2022 दिनांक 03.05.2023, शासन के पत्र संख्या 831/29–4–2023–385/19 दिनांक 25.07.2023 एवं अपर आयुक्त (विपणन) खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन लखनऊ के पत्रांक 3773/अ.वि.श./है.परि./परि. दर/359/2022 दिनांक 25.07.2023 के साथ संलग्न राज्य स्तरीय कमेटी (एस.एल.सी.) की दिनांक 10.07.2023 को सम्पन्न बैठक का कार्यवृत्त, अपर आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उ.प्र. जवाहर भवन, लखनऊ के आलोक में बरेली सम्भाग के जनपद बरेली, बदायूँ, पीलीभीत एवं शाहजहाँपुर में खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत राज्य सरकार द्वारा नामित समस्त क्रय संस्थाओं से सम्बन्धित जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदित एवं जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदन के अधीन (प्रस्तावित) धान क्रय केन्द्रों से सम्बद्ध चावल मिलों तक तथा रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत सम्भावित गेहूँ क्रय केन्द्रों को आधार मानते हुए गेहूँ क्रय केन्द्रों से निर्धारित/सम्बद्ध भारतीय खाद्य निगम डिपो तक गेहूँ के हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु (एस.एल.सी. द्वारा अनुमोदन की प्रत्याशा में) शेड्यूल दर के सापेक्ष ई–टेण्डरिंग के माध्यम से ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है।

संलग्न सूची सं. 01 के अनुसार समस्त क्रय संस्थाओं के जनपद बरेली में 11, बदायूँ में 07, जनपद पीलीभीत में 15 जनपद शाहजहाँपुर में 16 कुल 49 नवीन धान क्रय केन्द्रों पर परिवहन कार्य हेतु तथा संलग्न सूची सं. 02 के अनुसार खाद्य विभाग के जनपद बरेली के 02, जनपद बदायूँ के 03 जनपद पीलीभीत के 04 जनपद शाहजहाँपुर के 02 कुल 11 नवीन स्वीकृत धान क्रय केन्द्रों पर हैण्डलिंग कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। संलग्न सूची के अनुसार खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के अन्तर्गत धान क्रय हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु एवं रबी विपणन वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत गेहूँ परिवहन कार्य हेतु ई–निविदायें केन्द्रवार जनपदवार प्राप्त की जायेगी। निविदादाता द्वारा प्रत्येक केन्द्र के लिए पृथक–पृथक निविदा प्रपत्र संलग्न किये जायेंगे तथा निविदा शुल्क (प्रत्येक केन्द्र हेतु) एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन निविदा प्रपत्र साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

शासनादेश सं. 358/29–4–2025/1831/2020 दिनांक 10.06.2025 में निर्धारित व्यवस्थान्तर्गत क्रय केन्द्रों का चयन जिलाधिकारी द्वारा किया जायेगा। यदि जिलाधिकारी द्वारा प्रस्तावित क्रय केन्द्रों में से किसी क्रय केन्द्र का चयन नहीं किया जाता है अथवा चयन के उपरान्त निरस्त किया जाता है तो क्रय केन्द्र हेतु डाली गयी समस्त परिवहन कार्य की निविदाये निरस्त समझी जायेगी। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निर्धारित निविदा प्रपत्र मूल्य, धरोहर धनराशि निविदा विशिष्टीकरण निविदा खुलने की तिथि एवं अन्य सम्बन्धित जानकारी http://etender.up.nic.in से डाउनलोड की जा सकती है। हैण्डलिंग/परिवहन कार्य हेतु निविदा प्रपत्र शुल्क 500+90(जी.एस.टी.)=590/–तथा प्रत्येक निविदा के साथ परिवहन कार्य के लिये धरोहर धनराशि रू. 15,000/– तथा हैण्डलिंग कार्य के लिए धरोहर धनराशि रू. 30,000/– सम्भागीय वरिष्ठ वित्त एवं लेखाधिकारी (खाद्य) बरेली के पदनाम से खाता संख्या 0232104000190848 आई.एफ.एस.सी. कोड IBKL0000232 आई.डी.बी.आई. बैंक सिविल लाइन्स बरेली में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. सेजमा किया जायेगा। प्रत्येक निविदा के साथ निविदा शुल्क एवं धरोहर धनराशि के रिसीट/यू.टी.आर. की ''स्कैन्ड कापी'' ऑनलाइन प्रपत्र के साथ निविदादाता द्वारा अपलोड की जायेगी।

निविदा प्रपत्र ऑनलाइन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 11.12.2025 को अपरान्ह 02:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड दिनांक 11.12.,2025 को अपरान्ह 03:00 बजे तदर्थ गठित ई–निविदा समिति के द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड के प्रपत्रों की जाँचोपरान्त इसमें इसमें अहर्य निविदादाताओं की ही वित्तीय निविदा पर विचार किया जायेगा तदोपरांत वित्तीय निविदा, निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। निविदा को बिना कोई कारण बताये अस्वीकार करने का अधिकार सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, बरेली के पास सुरक्षित होगा। निविदा की शर्त में परिवर्तन तथा शुद्धि पत्र आदि की सूचना केवल ई–टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध होंगे।

(डा. मनिकन्डन ए.)
आई.ए.एस.
सम्भागीय खाद्य नियन्त्रक
बरेली सम्भाग,बरेली।

न्यूज ब्रीफ

कौशल विकास मिशन में दक्षता बढ़ाने पर जोर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में युवाओं को कौशल विकसित कर रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित कौशल विकास मिशन को और अधिक प्रभावी तथा परिणाम-उन्मुख बनाने के लिए शुक्रवार को मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में समस्त अधिकारियों की कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला में आईआईएम के प्रोफेसर ने "रिचर्ड विलियम्स केस स्टडी" के माध्यम से रणनीतिक सोच, प्रभावी योजना निर्माण और लक्ष्यों की प्राप्ति पर विस्तृत प्रस्तुति दी। मिशन निदेशक ने कहा कि सबको हुनर, सबको काम" मिशन का मूल मंत्र है। उन्होंने बताया कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें स्थानीय रोजगार व स्वरोजगार से जोड़ने के लिए स्पष्ट विज़न, मौजूदा स्थिति का ठोस विश्लेषण, संसाधनों का दक्ष उपयोग, टीम वर्क और समन्वित कार्यशैली अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने मिशन संचालन के शॉर्ट-टर्म, मिड-टर्म और लॉन्ग-टर्म गोल्स पर समान ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

सरकार दिव्यांगजन सशक्तीकरण के लिए पूरी तरह समर्पित

अमृत विचार, लखनऊ : पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सर्वांगीण विकास, पुनर्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति निष्ठा से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समावेशी एवं सुलभ समाज के निर्माण हेतु राज्य सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम लगातार मजबूत हो रहे हैं। मंत्री ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी संस्थाओं, प्रतिभागियों और अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री, शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यक्रम के समापन अवसर पर बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने दिव्यांगजन सशक्तीकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 30 व्यक्तियों, संस्थाओं, नियोक्ताओं और श्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारियों को राज्यस्तरीय पुरस्कार प्रदान किए। 03 से 05 दिसम्बर तक आयोजित इस कार्यक्रम में जागरूकता रैलियां, परिचर्चाएं, स्वास्थ्य शिविर, सहायक उपकरण वितरण, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं कौशल विकास गतिविधियां आयोजित की गईं।

ऋण और उद्यम स्थापना में जटिलता न आए

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी शिशिर कहा कि पीएमईजीपी राज्य में स्वरोजगार और सूक्ष्म उद्यमों के विकास का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। उन्होंने अधिकारियों और बैंकों को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को समय से ऋण उपलब्ध हो और उद्यम स्थापना में किसी प्रकार की जटिलता न आए। वे शुक्रवार को आईसीसीएमआरटी, लखनऊ में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) को प्रदेश में और प्रभावी बनाने तथा युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम में संयुक्त मुख्य कार्यपालक अधिकारी एवं राज्य निदेशक, विभागीय अधिकारी तथा अग्रणी बैंकिंग संस्थानों के वरिष्ठ प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यशाला का उद्देश्य पीएमईजीपी के तहत उद्यमियों को उपलब्ध सुविधाओं, ऋण प्रक्रियाओं, अनुदान प्रावधानों और परियोजना स्थापना के नए मॉडल पर विस्तृत चर्चा करना था।

कोडीनयुक्त सिरप पर सरकार का प्रहार, प्रदेश भर में दर्ज हुई 128 फर्मों पर एफआईआर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कफ सिरप व नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर सरकार सख्त
- अबतक लाखों की अवैध दवाएं जब्त, आधा दर्जन से अधिक आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार: प्रदेश में अवैध नशे के कारोबार पर योगी सरकार ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडीनयुक्त कफ सिरप और नॉरकोटिक दवाओं के संगठित दुरुपयोग पर कड़ा प्रहार किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एएनटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की संयुक्त कार्रवाई में 128 फर्मों पर एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि लाखों रुपये मूल्य की अवैध दवाएं जब्त की गई हैं। अब तक आधा दर्जन से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

सरकार ने अवैध, नकली और नशे के रूप में इस्तेमाल होने वाली दवाओं पर लगाम कसने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 8756128434 भी जारी किया है, जिस पर आम नागरिक सूचना दे सकेंगे। अभियान के दौरान सबसे अधिक वाराणसी में 38, जौनपुर में 16, कानपुर नगर में 8, गाजीपुर में 6, लखीमपुर खीरी में 4 और लखनऊ में 4 एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, प्रदेश के अन्य 22 जिलों में कुल 52 मामले दर्ज किए गए हैं। कुल मिलाकर 28 जिलों में 128 एफआईआर की कार्रवाई अवैध नशे के नेटवर्क पर बड़ी चोट मानी जा रही है।

दर्जनों मेडिकल स्टोरों पर बिक्री पर रोक

- आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन डॉ. रोशन जैकब ने बताया कि विशेष अभियान के तहत प्रदेशभर में प्रतिष्ठानों पर व्यापक निरीक्षण किया गया। लाखों की संदिग्ध दवाएं जब्त की गईं और दो दर्जन से अधिक मेडिकल स्टोर्स पर कोडीनयुक्त सिरप एवं नॉरकोटिक औषधियों की बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई। उन्होंने कहा कि संदिग्ध दवा आपूर्ति, अवैध भंडारण और बिना बिल के बिक्री की जांच तेज की गई है। कई मामलों में एनडीपीएस एक्ट के तहत कठोर कार्रवाई की गई है।

अवैध दवा कारोबार पर सख्त निगरानी

सरकार ने साफ किया है कि युवाओं को नशे की चपेट में धकेलने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। कोडीन-आधारित दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए ट्रांसपोर्ट, स्टॉक और बिक्री पर एकीकृत निगरानी तंत्र तैयार किया गया है। एफएसडीए और एएनटीएफ की टीमों द्वारा की जा रही ताबड़तोड़ कार्रवाई से अवैध नशे का नेटवर्क काफी हद तक कमजोर हुआ है। आने वाले दिनों में और जिलों में भी जांचतेजकीजाएगी।

अमित और आलोक को भेजी गई थी करोड़ों की कफ सिरप

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एसटीएफ ने 22 माह पहले सुशांत गोल्फ सिटी से की थी बरामद

अमृत विचार: सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में 22 माह पूर्व पिछले वर्ष फरवरी में करोड़ों रुपये की फेंसेडिल कफ सिरप बरामद की गई थी। यह कफ सिरप शुभम जायसवाल ने बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह व उसके साथी अमित सिंह टाटा के लिए भेजी थी। जिसे पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश में तस्करी कर पहुंचाना था। एसटीएफ और एफएसडीए की टीम ने सिरप पकड़ लिया। शुरूआती दौर में जांच की गई तो अमित का नाम सामने आया। पर, शुभम और आलोक सिंह की भूमिका नहीं मिली।

जांच आगे बढ़ी तो आलोक सिंह का नाम सामने आया। इसकी पुष्टि नहीं हो रही थी कि वह आलोक बर्खास्त सिपाही है। पर, विभोर राणा व साथी की गिरफ्तारी के बाद इसकी पुष्टि हुई।

पूर्व बाहुबली सांसद का करीबी होने की वजह से आलोक पर कार्रवाई नहीं हुई। इस बीच ही गाजियाबाद में कफ सिरप की सप्लाई को लेकर मामला दर्ज हुआ। जांच बढ़ी तो अमित टाटा और आलोक के बारे में पता चला। अब तक एबॉड कम्पनी की इस फेंसेडिल सिरप पर रोक लगा दी गई थी। कम्पनी ने भी दिसम्बर 2024 में उत्पादन बंद कर दिया था। इसके बाद भी सिरप की सप्लाई बड़े पैमाने पर फर्जी कम्पनियों के जरिए बांग्लादेश तक की जाती रही। जांच में कई साक्ष्य मिलने पर एसटीएफ ने अमित टाटा को गिरफ्तार किया तो उसने सबकी पोल खोल दी। मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल ने आलोक के नाम पर धनबाद और वाराणसी में दर्ज कराई दो फर्मों के नाम पर इस सिरप की सप्लाई जारी रखी। इसके लिए फर्जी दस्तावेज और फर्जी ई-बिल लगाने के साक्ष्य भी मिल चुके है। अब एसटीएफ एक साल पहले सुशांत गोल्फ सिटी थाने में दर्ज मुकदमे से जुड़े दस्तावेज खंगाल रही है।

'स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट' से औद्योगिक विकास को रफ्तार: योगी

मुख्यमंत्री ने की इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क की समीक्षा, एफडीआई बढ़ाने के निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ललितपुर फार्मा पार्क व प्लग-एंड-प्ले मॉडल के साथ नियमित अंतराल पर हो कॉन्फ्रेंस

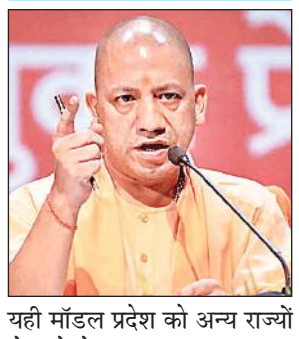

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ''स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट'' से ही औद्योगिक विकास की रफ्तार और तेज होगी। यूपी अब निवेश की संभावना नहीं, बल्कि निवेश के भरोसे का राज्य बन चुका है। ऐसे में निवेश को लेकर किसी भी स्तर पर देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर निवेशक को फास्ट ट्रैक सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी ने अपने आवास पर शुक्रवार को प्रदेश में विदेशी निवेश बढ़ाने के लिए चल रहे प्रयासों की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को स्पीड, स्टेबिलिटी और सपोर्ट मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इन्वेस्ट यूपी के सभी कंट्री डेस्क संवाद बढ़ाएं और नियमित अंतराल पर राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस करें। उन्होंने इन्वेस्ट यूपी की टीम से कहा कि हर निवेशक के साथ एकल संपर्क बिंदु तय हो, ताकि उसे प्रणाली में भटकना न पड़े। मुख्यमंत्री ने उद्योगों को गति देने के लिए 'प्लग एंड प्ले' मॉडल पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि यदि निवेशक को पहले दिन से तैयार अवसंरचना मिलेगी, तो वह तेजी से काम शुरू कर सकेगा और यही मॉडल प्रदेश को अन्य राज्यों से आगे ले जाएगा।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कंपनियों के कॉरपोरेट और मुख्यालय खोलने के लिए उन्हें प्रेरित किया जाए। मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड औद्योगिक विकास प्राधिकरण को लेकर यह भी निर्देश दिए कि वहां आवश्यक मानव संसाधन की कमी न रहे। बैठक में बताया गया कि जापान, दक्षिण कोरिया, ताइवान, जर्मनी, फ्रांस, सिंगापुर और खाड़ी देशों के डेस्क सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं तथा निवेशकों के साथ 100 से अधिक वन-टू-वन बैठकें हो चुकी हैं। खाड़ी देशों के साथ छह गोलमेज बैठकों में 83 कंपनियों के साथ संवाद स्थापित हुआ और करीब 5,000 करोड़ रुपये के प्रस्ताव मिले।

683 मिलियन डॉलर का हुआ यूपी में एफडीआई

- बैठक में अधिकारियों ने प्रस्तुतिकरण देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के सितंबर तक यूपी में 683 मिलियन डॉलर का एफडीआई आया है। अक्टूबर 2019 से प्रदेश का कुल संचयी विदेशी निवेश 2,754 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है। चालू अवधि में 5,963 करोड़ रुपये का एफडीआई प्रवाह दर्ज हुआ है, जो प्रदेश में बढ़ते निवेश विश्वास को दर्शाता है।

88 हजार करोड़ के निवेश प्रस्तावों की झड़ी

- एफडीआई-एफसीआई-फॉर्च्यून 500 नीति-2023 के तहत 11 कंपनियों ने 13,610 करोड़ रुपये के प्रस्ताव दिए हैं, जबकि 22 आवेदनों के माध्यम से 17,810 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव आए हैं। 56 हजार करोड़ रुपये के निवेश से जुड़े 29 आवेदन पाइपलाइन में हैं। जापान, अमेरिका, बेल्जियम, यूके, पोलैंड और सिंगापुर यूपी के प्रमुख निवेश साझेदार हैं।

मुख्यमंत्री ने ललितपुर फार्मा पार्क के अवसंरचना कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कई बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई है, इसलिए जमीन, बिजली और पानी की उपलब्धता में कोई बाधा नहीं रहनी चाहिए। जापान डेस्क की समीक्षा में बताया गया कि डेंसो की ब्राउनफील्ड परियोजना पर कार्य आगे बढ़ रहा है, जबकि 125 जापानी कंपनियों के साथ फॉलोअप जारी है। टोयोटा, सुमितोमो और मारुबेनी जैसे समूहों के साथ भी लगातार संवाद है। जापान डेस्क के लिए 20,000 करोड़ रुपये निवेश लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

ताइवान डेस्क के संबंध में मुख्यमंत्री ने प्रयास और तेज करने के निर्देश दिए। 40 कंपनियां चिन्हित की गई हैं और लगभग 100 करोड़ रुपये के निवेश की पाइपलाइन तैयार है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र को इलेक्ट्रॉनिक्स व सेमीकंडक्टर हब के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां एचसीएल-फॉक्सकॉन का 3,700 करोड़ रुपये का निवेश महत्वपूर्ण है। कानपुर को टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी व स्पोर्ट्सवेयर केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना भी प्रस्तुत की गई। दक्षिण कोरिया डेस्क के अंतर्गत सैमसंग, एलजी, केएच वेटेक और ड्रीमटेक से निवेश प्रस्तावों पर बातचीत आगे बढ़ रही है। एलजी का 850 करोड़ और लोट्टे समूह का 400 करोड़ का निवेश प्रक्रियाधीन है। सिंगापुर के टेमासेक, डीबीएस, कैपिटललैंड-असेंडास और सेम्बकॉर्प जैसी कंपनियों ने भी रुचि जताई है।

प्रदेश कार्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता में पत्रकारों को दलित समाज का पोस्टर दिखाते सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेन्द्र चौधरी, सांसद आर. के. चौधरी और मिठाई लाल भारती। अमृत विचार

आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा निरस्त करना अलोकत्रांतिक

- **अमृत विचार, लखनऊ :** डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर समाजवादी बाबा साहेब अम्बेडकर वाहिनी द्वारा 06 दिसंबर को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में प्रस्तावित श्रद्धांजलि सभा पर राज्य सरकार के निर्देश पर रोक लगा दी गयी है। जिसके बाद सपा नेताओं ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि हम सपाई हर जगह परिनिर्वाण दिवस मनाएंगे, बाबा साहब की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यक्रम आवंटन अचानक निरस्त किए जाने को अलोकतांत्रिक और बाबा साहेब के प्रति दुर्भावनापूर्ण व्यवहार करार देते हुए कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के दबाव में पुलिस-प्रशासन द्वारा कार्यक्रम रद्द किये जाने की सूचना तानाशाही और अलोकतांत्रिक कृत्य है। भाजपा सिर्फ वोट के लिए बाबा साहेब का नाम लेती है। हम जनता के बीच जाएंगे।

पौधरोपण में घोटाले की परतें खुलीं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मथुरा के मांट रेंजर निलंबित, कई रेंज संदेह के घेरे में

अमृत विचार: प्रदेश में हरियाली बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे बड़े पौधारोपण अभियान में गड़बड़ियों का सिलसिला खुलने लगा है। शासन को भेजी गई रिपोर्टों में कई रेंजों में पौधारोपण के दावे झूठे पाए गए हैं और जमीन पर पौधों की संख्या बेहद कम मिली है। सबसे गंभीर मामला मथुरा के मांट रेंज में सामने आया, जहाँ 12,500 पौधों के रोपण का दावा था, पर निरीक्षण में कुछ सौ पौधे ही जीवित मिले। औचक जांच में सामने आए तथ्यों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए मांट रेंजर बुद्धप्रिय गौतम को निलंबित किया गया है। संबंधित एसडीओ को भी हटाया गया है।

वन मंत्री डॉ अरुण कुमार सक्सेना के निरीक्षण में पता चला कि कई स्थानों पर गड्ढे तो खोदे गए, लेकिन पौधे लगाए ही नहीं गए। जहाँ लगाए गए, वहाँ संरक्षण और सिंचाई की कोई व्यवस्था नहीं मिल सकी। पौधारोपण की वास्तविकता और रिपोर्ट में भारी अंतर मिलने के बाद विभागीय स्तर पर जांच समिति गठित की गई है। समिति खर्च, पौधों की संख्या, जीवितता दर और जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की जांच करेगी।

सूत्रों के अनुसार यह मामला सिर्फ एक रेंज तक सीमित नहीं रहेगा। कई जिलों से मिली रिपोर्टों में भी बड़े स्तर पर अनियमितताओं के संकेत हैं। शासन अब सभी पौधारोपण स्थलों की थर्ड पार्टी सर्वे कराने पर विचार कर रहा है।

मांट रेंज में बड़ा फर्जीवाड़ा

- **दावा :** 12,500 पौधे लगाए गए
- **मिला :** कुछ सौ पौधे ही जीवित
- कई स्थानों पर पौधे लगाए ही नहीं गए
- संरक्षण व सिंचाई की व्यवस्था पूरी तरह नदारद
- रेंजर निलंबित, एसडीओ हटाए गए

प्रदेशभर में होगी जांच

- कई रेंजों की रिपोर्टों में गड़बड़ियों के संकेत
- पौधारोपण के नाम पर बजट खर्च की जांच
- थर्ड पार्टी इवैल्यूएशन लागू करने की तैयारी
- फोटो जियो-टैगिंग और मास सर्वे अनिवार्य करने की योजना
- फर्जी रिपोर्टिंग पर तत्काल निलंबन और प्राथमिकी के निर्देश

अबतक के एसआईआर का आंकड़ा सार्वजनिक करें : अखिलेश यादव

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अपने-अपने क्षेत्रों में फॉर्म-7 की कॉपियां जमा कर रहे

- सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल समेत वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि कई जिलों से शिकायतें मिल रही हैं कि बीएलओ पर दबाव डालकर पीडीए बाहुल्य क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नाम काटे जा रहे हैं, जबकि नए नाम जोड़े नहीं जा रहे। पार्टी ने अपने विधायकों और पूर्व विधायकों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में दिन-रात कैंप करें और फॉर्म-7 की कॉपियां जमा करें।

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने उप्र. में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) पर सवाल उठाते हुए राज्य निर्वाचन आयोग से पूंछा है कि यूपी में कितने प्रतिशत एसआईआर हुआ है, आंकड़ा प्रकाशित किया जाए। इसके अलावा उन्होंने भाजपा सरकार पर पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग के लोगों के नाम मतदाता सूची से जानबूझकर हटाने की साजिश करने के आरोप लगाए हैं। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट के जरिए एसआईआर को लेकर सत्ताधारी दल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बीएलओ के साथ अतिरिक्त अधिकृत लोगों को समयावधि के अनुरूप इस काम पर लगाया जाए। साथ ही कहा कि जांच होने चाहिए कि हर विधानसभा में पीडीए समाज के कितने लोगों को वोटर लिस्ट से नाम हटाने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ़ मतदाता सूची का मामला नहीं, बल्कि लोकतंत्र पर हमला है। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता हर बूथ पर नजर रख रहे हैं और किसी भी तरह की गड़बड़ी को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मतदाता सूची का शुद्धिकरण लोकतंत्र की नींव: धर्मपाल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- संगठन महामंत्री ने की एसआईआर अभियान की समीक्षा, कार्यकर्ताओं को हर घर तक पहुंचने के निर्देश

जानकारी देते धर्मपाल सिंह।

अमृत विचार: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शुक्रवार को आगरा और मथुरा जिले व महानगर के मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की समीक्षा की। बैठक में अभियान जिला संयोजक, मंडल अध्यक्ष, बीएलए-1 और अन्य संगठन पदाधिकारियों ने भाग लिया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया लोकतंत्र का जनजागरण है। एसआईआर केवल प्रशासनिक गतिविधि नहीं, बल्कि चुनावी प्रक्रिया को प्रमाणिक और भरोसेमंद बनाने का आधार है। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक तालमेल, तकनीकी दक्षता और निरंतर मॉनीटरिंग से यह अभियान जन-भागीदारी का आंदोलन बना है। उन्होंने निर्देश दिया कि बीएलए-1, बीएलए-2 और बूथ प्रवासी बूथ अध्यक्षों के साथ समन्वय बनाकर हर मतदाता तक पहुँच सुनिश्चित करें। संपर्क, सत्यापन और सूचना आदान-प्रदान की सटीकता से अभियान में पारदर्शिता और प्रमाणिकता आएगी।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि त्रुटिहीन और सत्यापित मतदाता सूची लोकतंत्र की मजबूती का मूल आधार है। इसलिए कार्यकर्ता, पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची शुद्धिकरण का अभियान गांव, कस्बों और शहरों के द्वार-द्वार दस्तक देने का संकल्प है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी पात्र मतदाता का नाम छूटने न पाए और कोई भी बोगस या अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में न रहे। विधानसभा, जिला और प्रदेश स्तर पर बनाए गए वॉर रूम से तकनीकी सहायता लेकर अभियान को गति देने पर भी जोर दिया गया।

धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसी भी समस्या पर वॉर रूम से तत्काल संपर्क कर समाधान प्राप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रमाणिक मतदाता सूची ही विश्वसनीय चुनाव प्रक्रिया और मजबूत लोकतंत्र की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साधने के लिए संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी भूमिका सुनिश्चित करे।

स्वास्थ्य | प्रदेश सरकार ने बजट को दी मंजूरी, आधुनिक उपकरणों से लैस होंगे अस्पताल

13.46 करोड़ से 20 सरकारी अस्पतालों में बढ़ाई जाएंगी सुविधाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के 20 अस्पतालों को सरकार ने बजट की संजीवनी प्रदान की है। करीब 13 करोड़ 46 लाख रुपये के मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बताया कि आधुनिक उपकरणों से अस्पतालों को लैस करने के लिए क्रय प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने बताया कि जांच की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए डिजिटल एक्सरे, ईसीजी, अल्ट्रासाउंड मशीनें क्रय की जाएगी। छोटे चीरे से मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए फेको मशीन स्थापित की जाएगी। इससे मरीजों को कम समय अस्पताल में गुजारना होगा। ऑपरेशन की सफलता दर में भी वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि इन अस्पतालों के लिए सात करोड़ पैंतालीस लाख तेरह हजार छह सौ पैंसठ रुपये की मंजूरी प्रदान की गई है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि मिर्जापुर में नवनिर्मित 50 बेड के अस्पताल में आंखों की बीमारियों का सटीक इलाज हो सकेगा। इसके लिए अस्पताल में नेत्र रोग विभाग स्थापित किया जा रहा है। भवन निर्माण पूर्ण है लेकिन ऑपरेशन थियेटर निर्माणाधीन है। आधुनिक व उच्चीकृत उपकरणों के लिए छह करोड़ एक लाख 82 हजार 521 रुपए की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

बीघापुर व बिधूना के सौ शैय्या अस्पताल के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- प्रयागराज के मोती लाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय को 54 लाख 48 हजार 301 रुपये, बरेली के जिला महिला चिकित्सालय को आठ लाख 68 हजार 274 रुपये, मुरादाबाद के पंडित दीन दयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय को 80 लाख 98 हजार 414 रुपये,औरैया के बिधूना स्थित 50 शैय्यायुक्त डॉ. राम मनोहर लोहिया नेत्र चिकित्सालय को 31 लाख 12 हजार 943 रुपये और उन्नाव जिले के बीघापुर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय को 23 लाख 34 हजार 201 रुपये के बजट को मंजूरी मिली है। लखीमपुर ओयल के ट्रॉमा सेंटर आठ करोड़ 82 हजार 999 रुपये और फर्रुखाबाद का डॉ. राम मनोहर लोहिया महिला चिकित्सालय 20 लाख 44 हजार 884 रुपये से अपग्रेड किया जाएगा।

लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी धनराशि स्वीकृत

- लखनऊ के चार अस्पतालों के लिए भी बजट मंजूर किया गया है। बलरामपुर चिकित्सालय के लिए एक करोड़ 09 लाख 79 हजार 887 रुपये, रानी लक्ष्मीबाई संयुक्त चिकित्सालय के लिए 26 लाख 46 हजार 066 रुपये, श्यामा प्रसाद मुखर्जी चिकित्सालय के लिए 32 लाख 64 हजार 280 रुपये और लोकबन्धु संयुक्त चिकित्सालय के लिए 27 लाख 75 हजार 943 रुपये के बजट मंजूर किए गए हैं।

महोबा जिला अस्पताल को भी मिले 30 लाख रुपये

- महोबा के जिला चिकित्सालय को 29 लाख 98 हजार 739 रुपये, झांसी जिला चिकित्सालय एक करोड़ 42 लाख 42 हजार 312 रुपये, गाजियाबाद के जिला संयुक्त चिकित्सालय को 26 लाख 83 हजार 961 रुपये, गाजियाबाद के एमएमजी जिला चिकित्सालय को 18लाख 83 हजार 961 रुपये से उच्चीकृत किया जाएगा। गाजियाबाद जिला महिला चिकित्सालय आठ लाख, गाजियाबाद लोनी के 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय को 27लाख 44 हजार 250 रुपये, गाजियाबाद डूडाहेड़ा स्थित 50 बेड संयुक्त चिकित्सालय 27 लाख 44 हजार 250 रुपये, बुलन्दशहर खुर्जा के एलएसपीजी चिकित्सालय को 20 लाख रुपये, मऊ जिला चिकित्सालय को 20 लाख रुपये से संवारा जाएगा।

खूब खरीदारी के बावजूद 320 करोड़ रुपये कम मिला जीएसटी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: त्योहारी सीजन में जमकर खरीदारी होने के बाद भी प्रदेश जीएसटी राजस्व में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वित्त विभाग द्वारा जारी नवंबर के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में हुए कारोबार से राज्य को मिलने वाला जीएसटी राजस्व इस वर्ष 320 करोड़ रुपये कम रहा। नवंबर 2025 में जीएसटी से 7472.59 करोड़ रुपये की प्राप्ति हुई, जबकि नवंबर 2024 में यह आंकड़ा 7793.48 करोड़ रुपये था। जीएसटी राजस्व में आई गिरावट को सीधे जीएसटी दरों में की गई कमी से जोड़ा जा रहा है। नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे त्योहार बाजार में भारी भीड़ और खरीदारी देखी गई।

करों से हुई प्राप्ति करोड़ रुपये में

राज्य कर का नाम	नवंबर 2024	नवंबर 2025
जीएसटी	7793.48	7472.59
वैट	2685.19	2830.85
आबकारी	4071.27	4486.50
स्टांप एवं निबंधन	2263.77	2585.62
परिवहन	1205.28	1208.46
भूतत्व व खनिकर्म	370.81	413.84
कुल योग	18,389.80	18,997.86

दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा : वित्त मंत्री

- वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से जनता को सीधा लाभ मिला है और इससे बाजार में खरीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि दरें घटने से बाजार में मांग में इजाफा हुआ है। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे। जीएसटी में कमी के बावजूद अन्य कर मदों के बेहतर प्रदर्शन की वजह से नवंबर 2025 में कुल कर एवं करेतर राजस्व 18,997.86 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष नवंबर के 18,389.80 करोड़ रुपये की तुलना में 608.06 करोड़ रुपये अधिक है।

अमृत विचार

शनिवार, 6 दिसंबर 2025

सपने देखो, सपने देखो, सपने देखो। सपने विचारों में बदल जाते हैं और विचार कार्य में परिणत होते हैं।

-एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

बहुध्रुवीय सार्थक साझेदारी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा और उस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच हुई वार्ता भारत की कूटनीति के लिए ऐसे समय निर्णायक महत्व रखती है, जब वैश्विक शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के बाद पैदा हुई खटास, पश्चिम–रूस तनाव तथा यूक्रेन संघर्ष की अनिश्चितता- इन सबके बीच यह यात्रा अत्यंत दूरगामी प्रभाव छोड़ने वाली है। रूस से ट्रेड अमेरिकी टैरिफ से निबटने का बेहतर विकल्प है। पुतिन मोदी संवाद के दौरान दोनों देशों ने आपसी हितों से जुड़े सभी अहम क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों को खुलकर साझा किया। यूक्रेन संकट, पश्चिमी प्रतिबंधों का असर, एशिया-प्रशांत में शक्ति-संघर्ष, ऊर्जा सुरक्षा और बहुपक्षीय मंचों पर समन्वय- इन पर भारत-रूस की स्पष्टता आने वाले समय में नई रणनीतिक दिशा तय करेगी। भारत की 'मल्टी-अलाइनमेंट' नीति में यह वार्ता संतुलन का एक मजबूत स्तंभ बन सकती है। ऊर्जा, रक्षा, खाद तथा व्यापार के मोर्चों पर कई अहम समझौते भारतीय रिफाइनरियों के लिए दीर्घकालिक रियायती तेल सप्लाई, कोयले और प्राकृतिक गैस के लिए सुरक्षित कॉरिडोर, खाद और क्रूड फॉस्फेट की स्थिर आपूर्ति, उच्च तकनीकी वाली रक्षा प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन जैसे कदम आपसी भरोसे को मजबूत करेंगे। एस-400 डिलीवरी के अगले चरण, ब्रह्मोस के निर्यात संस्करण तथा एयरोस्पेस और समुद्री प्रणालियों में सहयोग को भी गति मिल सकती है।

अमेरिकी टैरिफ के बाद की यह यात्रा भारत का दृश्यमान संदेश है कि वह किसी एक ध्रुव की नीतियों का बंधक नहीं बन सकता। वाणिज्य और समाज के व्यापक क्षेत्रों- फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, खाद्य उत्पाद, उपभोक्ता वस्तुएं, शिक्षा, संस्कृति और मीडिया में यह यात्रा विशेष प्रभाव डालेगी। भारतीय दवाइयां और चिकित्सकीय उपकरण रूस में पहले ही उच्च विश्वसनीयता रखते हैं, अब संयुक्त अनुसंधान, जेनेरिक दवाओं की संयुक्त फैक्ट्रियां और अस्पताल सहयोग नए अवसर खोलेंगे। कृषि और खाद्य प्रसंस्करण में रूस ने भारतीय निर्यात बढ़ाने की गंभीर रुचि दिखाई है। कारोबारी रिश्तों की बात करें तो 'ईस्टर्न इकोनॉमिक कॉरिडोर' के तहत भारतीय निवेश को प्रोत्साहन और रूस के आर्कटिक सेक्टर में सहयोग दोनों ही देशों के लिए रणनीतिक मूल्य रखते हैं। खाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में भारत की निर्भरता रूस से मिल रही स्थिर आपूर्ति के कारण अधिक सुरक्षित होगी।

पुतिन की यह यात्रा, जी 20, ब्रिक्स, एससीओ और संयुक्त राष्ट्र जैसे बहुपक्षीय मंचों- पर सामूहिक एजेंडा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विशेषकर ब्रिक्स के विस्तार, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ को मजबूत करने और अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं में सुधार के मुद्दों पर भारत-रूस एकजुटता इन संगठनों में नई गति ला सकती है। कुल मिलाकर मोदी सरकार के लिए यह यात्रा न केवल विदेश नीति के लिहाज़ से, बल्कि राजनीतिक-संदेश और रणनीतिक स्वायत्तता के सिद्धांत की पुनर्पुष्टि के रूप में भी असाधारण रूप से महत्वपूर्ण है। अमेरिका के साथ संबंधों में आई क्षणिक गिरावट के बीच यह यात्रा भारत की 'स्वतंत्र और बहुध्रुवीय' विदेश नीति की परिपक्वता का प्रमाण है।

प्रसंगवश

डॉ. आंबेडकर का सामाजिक राजनीतिक दर्शन

इंग्लैंड से लौटने के बाद जब डॉ. आंबेडकर ने भारत की धरती पर कदम रखा, तो समाज में छुआछुत और जातिवाद चरम पर था। उन्हें लगा कि यह सामाजिक कुप्रवृत्ति और खंडित समाज देश को कई हिस्सों में तोड़ देगा। सो उन्होंने हाशिए पर खड़े अनुसूचित जाति-जनजाति एवं दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग कर परोक्ष रूप से समाज को जोड़ने की दिशा में पहल तेज कर दी। अपनी आवाज को जन-जन तक पहुंचाने के लिए उन्होंने 1920 में, बंबई में साप्ताहिक मूकनायक के प्रकाशन की शुरुआत की, जो शीघ्र ही पाठकों में लोकप्रिय हो गया। दलित वर्ग के एक सम्मेलन के दौरान उनके दिए गए भाषण से कोल्हापुर राज्य का स्थानीय शासक शाहु चतुर्थ बेहद प्रभावित हुआ और डॉ. अंबेडकर के साथ उसका भोजन करना रुढ़िवाद से ग्रस्त भारतीय समाज को झकझोर गया।

अरविंद जयतिलक

लेखक

डॉ. अंबेडकर ने मुख्यधारा के महत्वपूर्ण राजनीतिक दलों को जाति व्यवस्था के उन्मूलन के प्रति नरमी पर वार करते हुए उन नेताओं की भी कटु आलोचना की, जो अस्पृश्य समुदाय को एक मानव के बजाए करुणा की वस्तु के रूप में देखते थे। ब्रिटिश हुकूमत की विफलताओं से नाराज अंबेडकर ने अस्पृश्य समुदाय को समाज की मुख्य धारा में लाने के लिए एक ऐसी अलग राजनीतिक पहचान की वकालत की, जिसमें कांग्रेस और ब्रिटिश दोनों का कोई दखल न हो। 8 अगस्त 1930 को उन्होंने एक शोषित वर्ग के सम्मेलन के दौरान अपनी राजनीतिक दृष्टि को दुनिया के सामने रखा और कहा कि हमें अपना रास्ता स्वयं बनाना होगा और स्वयं राजनीतिक शक्ति शोषितों की समस्याओं का निवारण नहीं हो सकती। उनको शिक्षित करना चाहिए, उनका उद्धार समाज में उनका उचित स्थान पाने में निहित है। उनको अपना रहने का बुरा तरीका बदलना होगा। उनको शिक्षित होना चाहिए। एक बड़ी आवश्यकता उनकी हीनता की भावना को झकझोरने और उनके अंदर दैवीय असंतोष की स्थापना करने की है, जो सभी ऊंचाइयों का स्रोत है।

डॉ. अंबेडकर सिर्फ हिंदू समाज में व्याप्त कुरीतियों और सामाजिक भेदभाव के ही विरोधी नहीं थे, बल्कि वे इस्लाम धर्म में व्याप्त बाल विवाह की प्रथा और महिलाओं के साथ होने वाले दुर्व्यवहार के भी कटु आलोचक थे। उन्होंने लिखा है कि मुस्लिम समाज में तो हिंदू समाज से भी कहीं अधिक बुराईयां हैं और मुसलमान उन्हें भाईचारे जैसे नरम शब्दों के प्रयोग से छिपाते हैं। उन्होंने मुसलमानों द्वारा अर्जल वर्गों के खिलाफ भेदभाव, जिन्हें निचले दर्जे का माना जाता था, के साथ मुस्लिम समाज में महिलाओं के उत्पीड़न की दमनकारी पर्दा प्रथा की जबरदस्त निंदा की। डॉ. अंबेडकर स्त्री-पुरुष समानता के प्रबल पक्षधर थे।

उन्होंने इस्लाम धर्म में स्त्री-पुरुष असमानता का जिक्र करते हुए कहा कि बहुविवाह और रखैल रखने के दुपरिणाम शब्दों में व्यक्त नहीं किए जा सकते, जो विशेष रुप से एक मुस्लिम महिला के दुख के स्रोत हैं। वे हिंसामुक्त समानता पर आधारित समाज के पैरोकार थे। दरअसल अंबेडकर ही एकमात्र राजनेता थे जो छुआछुत की निंदा करते थे। जब 1932 में ब्रिटिश हुकूमत ने उनके साथ सहमति व्यक्त करते हुए अछूतों को पृथक निर्वाचिका देने की घोषणा की तब महात्मा गांधी ने इसके विरोध में पुणे की यरवदा सेंट्रल जेल में आमरण अनशन शुरु कर दिया। यह अंबेडकर का प्रभाव ही था कि गांधी जी ने अनशन के जरिए रुढ़िवादी हिंदू समाज से सामाजिक भेदभाव और अस्पृश्यता को खत्म करने की अपील की।

फूड सब्सिडी और किसानों की चिंताएं

राजेश श्रीनेत

वरिष्ठ पत्रकार

कृषि से जुड़ी नीतियां और समर्थन प्रणालियां देश की आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती हैं। हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है। इन दोनों स्थितियों का एक साथ उभरना स्वाभाविक रूप से यह सवाल खड़ा करता है कि क्या बढ़ती फूड सब्सिडी वास्तव में किसानों के हितों को मजबूत कर रही है या यह लाभ अधिकतर उपभोक्ताओं तक ही सीमित है।

देश में फूड सब्सिडी का अर्थ केवल सस्ता अनाज उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि यह देश की सबसे बड़ी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं में से एक है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करोड़ों परिवारों को अत्यंत रियायती दरों पर अनाज दिया जाता है। इसके अलावा कोविड-19 जैसी आपात स्थितियों के दौरान प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने सब्सिडी के भार को और बढ़ाया। इन योजनाओं को चलाने के लिए सरकार को पहले किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर अनाज खरीदना होता है, फिर उसका भंडारण करना, ढुलाई कराना और अंत में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से जरूरतमंदों तक पहुंचाना होता है। इन सभी चरणों की बढ़ती लागत मिलकर फूड सब्सिडी को बहुत बड़ा आर्थिक बोझ बना देती है। पिछले एक दशक में यह बोझ कई गुना बढ़ चुका है और सरकार के कुल बजट में इसका हिस्सा अत्यधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

दूसरी ओर, किसानों की स्थिति वेतनभोगी तबके की तरह स्थिर नहीं होती। खेती प्राकृतिक जोखिमों पर निर्भर करती है और उत्पादन लागत लगातार बढ़ती जा रही है। खाद, डीज़ल, श्रम, कीटनाशक और कृषि संबंधी मशीनरी सब कुछ महंगा होता जा रहा है। ऐसे में किसानों को मिलने वाला मूल्य कई बार उनकी लागत तक भी नहीं पहुंच पाता। यूं तो न्यूनतम समर्थन मूल्य एक सुरक्षा कवच की तरह दिखता है, पर वास्तविकता यह है कि देश के लगभग 6–8% किसान ही अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेच पाते हैं। अधिकांश किसानों की फसल खुले बाजार में बिकती है, जहां मांग और आपूर्ति के आधार पर कीमतें काफी बदलती रहती हैं। यह अस्थिरता किसानों की चिंताओं को और बढ़ा देती है।

इसके अलावा सरकार द्वारा मुख्य रूप से धान और गेहूं की खरीद होने के कारण किसान सुरक्षित विकल्प के रूप में इन्हीं फसलों को उगाने पर निर्भर रहते हैं। इससे न केवल मिट्टी की गुणवत्ता प्रभावित होती है, बल्कि जल संसाधनों पर भी अत्यधिक दबाव पड़ता है। साथ ही अन्य फसलों- जैसे दालें, तिलहन, बागबानी अपने वास्तविक मूल्य से वंचित रह जाती है, क्योंकि इनके लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य आधारित मजबूत खरीद प्रणाली नहीं है। जिन किसानों को अपनी उपज इन फसलों में लगानी होती है, उन्हें अक्सर अधिक जोखिम उठाना पड़ता है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव भी अब अधिक स्पष्ट हो चुका है। बेमौसम बरसात, अतिवृष्टि, सूखा या अत्यधिक तापमान यह सभी खेती की लागत और उत्पादन पर गहरा असर डालते हैं। जब जोखिम बढ़ता है और समर्थन प्रणाली अपर्याप्त रहती है, तो किसान स्वाभाविक रूप से असुरक्षा महसूस करता है। ऐसे में केवल फूड सब्सिडी बढ़ जाने से किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आता।

यह समझना महत्वपूर्ण है कि फूड सब्सिडी मुख्य रूप से उपभोक्ताओं और गरीब वर्गों को राहत देने का साधन है। सरकार महंगे दाम पर अनाज खरीदकर उसे बेहद कम दाम पर देती है, जिससे सब्सिडी की मात्रा बढ़ती है। इस प्रक्रिया में किसान को सिर्फ बिक्री का न्यूनतम समर्थन मूल्य मिलता है, पर यह लाभ केवल उन किसानों तक सीमित है, जिनकी फसल वास्तव में सरकारी खरीद में शामिल होती है। बाकी किसानों को इस बढ़ती सब्सिडी से प्रत्यक्ष रूप से कोई फायदा नहीं मिलता, जबकि सरकार के बजट में कृषि संरचनाओं के अन्य सुधारों पर खर्च सीमित रह जाता है।

किसानों का कहना है कि यदि सरकार उपभोक्ताओं के लिए इतनी बड़ी सब्सिडी वहन कर सकती है, तो किसानों की आय बढ़ाने, लागत कम करने और कृषि से जुड़े जोखिम घटाने पर भी समान ध्यान दिया जाना चाहिए। उनका यह तर्क भी उचित है कि कृषि को लाभकारी बनाए बिना केवल उपभोक्ता सब्सिडी बढ़ाते रहना दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। किसान देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ हैं, और यदि वही आर्थिक रूप से सुरक्षित महसूस नहीं करेंगे तो उत्पादन पर इसका असर पड़ना स्वाभाविक है।

इस जटिल परिस्थिति से बाहर निकलने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है। कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे भंडारण, परिवहन, कोल्ड चेन और प्रोसेसिंग इकाइयों को मजबूत किए बिना किसानों को बेहतर लाभ दिलाना मुश्किल है। इसके साथ बाजार सुधारों की भी जरूरत है, जहां किसान बिचौलियों पर निर्भर न रहें और डिजिटल प्लेटफॉर्म या किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सीधे खरीदारों से जुड़ सकें। फसल में विविधता लाने को भी किसानों को प्रोत्साहित करके, खासकर दलहन और तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देकर, भारत आयात पर निर्भरता भी घटा सकता है और किसानों की आय भी बढ़ा सकता है। लागत कम करने के उपाय जैसे- आधुनिक सिंचाई तकनीक, जैविक विकल्प और उन्नत बीज भी किसानों की मदद कर सकते हैं।

अंत में यह कहा जा सकता है कि फूड सब्सिडी का बढ़ना देश की सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है, पर यह किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं है। किसानों की आय, कृषि लागत, जोखिम स्तर और बाजार व्यवस्था सुधारने पर समान रूप से ध्यान देना होगा।

हाल के वर्षों में दो चीजें समान रूप से बढ़ी हैं। एक ओर किसानों में खेती के लाभ को लेकर चिंताएं गहरी होती जा रही हैं और दूसरी ओर सरकार का फूड सब्सिडी पर खर्च रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच गया है।

आमने

फॉरेन डिग्निटरीज कोई आता है, तो हमें मिलने नहीं दिया जाता। अटल बिहारी वाजपेई के समय होता था। मनमोहन सिंह के समय होता था, लेकिन आजकल नहीं होता। जब फॉरेन डिग्निटरीज आती हैं, तो विदेश मंत्रालय उनको सजेस्ट करता है कि किससे मिलना है, किससे नहीं।

-राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष

सामने

विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र को राहुल गांधी कोसते हैं। राहुल गांधी पॉलिटिक्स को लेकर सीरियस नहीं हैं। आज तक बता दीजिए कि कोई भी जिम्मेदार व्यक्ति विदेश जाकर भारत को कोसता हो, पर राहुल गांधी विदेशी धरती पर हमेशा भारत को कोसते रहते हैं।

-सतीश चंद्र दुबे, केंद्रीय मंत्री

बढ़ रहे हैं अंतरिक्ष मौसम के खतरे

पंकज चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

अभी एथियोपिया से उठे ज्वालामुखी के गुबार से हवाई जहाजों के संचालन में आ रहे व्यवधान का संकट चल ही रहा था कि सूर्य किरणों से उत्पन्न विकिरण से सारी दुनिया में लोकप्रिय कोई साढ़े छह हजार एयर बस ए-230 के सॉफ्टवेयर गड़बड़ा गए और उनकी उड़ान रोकनी पड़ी। 30 अक्टूबर को न्यूयॉर्क के लिए उड़ान भर रही जेटब्लू एयरलाइंस के जहाज को सूर्य-विकिरण की मार पड़ी। इससे जहाज में झटके लगे और 15 यात्री घायल हो गए। इस घटना के बाद पूरी दुनिया में कोहराम मचा और पता चला कि यह समस्या एलीवेटर एंड एइलरॉन कंप्यूटर (एलाक) से जुड़ी है, जो विमान की पिच और रोल को नियंत्रित करती है।

ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, जब सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों के कारण एयरबस जैसे आधुनिक विमानों के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा हो। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर दिया था और इसी दौरान कुछ विमानों में नेविगेशन और संचार संबंधी दिक्कतों का पता चला था। उसके बाद सन् 2008 में हुई थी जब एक क्वांटस एयरलाइंस के एयरबस A330 विमान में सोलर रेडिएशन के कारण एयर डेटा इनर्शियल रेफरेंस यूनिट में संभावित गड़बड़ी हुई थी, जिससे विमान अचानक नीचे झुक गया था। तब भी दुनिया भर की हवाई कंपनियों को बड़े पैमाने पर सॉफ्टवेयर अपग्रेड और परिचालन समायोजन करने पड़े थे। वैसे यह बेहद जटिल मुद्दा है, जो अंतरिक्ष मौसम, विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स और उड़ान सुरक्षा से जुड़ा है।

सूर्य-विकिरण का सीधा संबंध सूर्य से उत्सर्जित होने वाले उच्च-ऊर्जा वाले कणों और इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तरंगों से होता है। जब सूर्य पर कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) या सौर ज्वाला जैसी घटनाएं होती हैं, तो इससे सौर ऊर्जावान कण (सोलर एनेरजेटिक पार्टिकल यानी एसईपी) और गैलेक्टिक कॉस्मिक किरणें (जीसीआर) उत्पन्न होते हैं। पृथ्वी का वायुमंडल और चुंबकीय क्षेत्र हमें इनमें से अधिकांश से बचाता है, लेकिन 28,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर उड़ने वाले वाणिज्यिक विमान इनके प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। इससे विमानन इलेक्ट्रॉनिक्स या एवियोनिक्स सिस्टम में डेटा करप्शन हो जाता है।

सिंगल इवेंट अपसेट (एसईयू) बहुत उच्च ऊर्जा वाले कण होते हैं, जो विमान के माइक्रोप्रोसेसरों और मेमोरी चिप्स से टकराते ही कुछ गड़बड़ियां पैदा कर सकते हैं। हाल की घटनाओं (जैसे एक जेटब्लू A230 की घटना) के विश्लेषण में पाया गया है कि तीव्र सोलर रेडिएशन एयरबस A320 परिवार के विमानों में एलाक जैसे महत्वपूर्ण फ्लाइट कंट्रोल कंप्यूटर के डेटा को दूषित कर सकता है। डेटा दूषित होने से विमान अनजाने में पिच डाउन (नीचे झुकना) जैसी अनियंत्रित हरकतें कर सकता है, जो उड़ान सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। वैसे समझना होगा कि यह पृथ्वी के वातावरण के बाहर की घटनाएं हैं और इसका संबंध सूर्य के 11-वर्षीय गतिविधि चक्र से है।

सौर तूफान के कारण जीपीएस/जीएनएसएस की सटीकता में कमी आ जाती है। इनके कारण आयन मंडल में गड़बड़ी पैदा होती है और नेविगेशन के लिए अनिवार्य जीपीएस और अन्य ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम सिग्नल इसके प्रभाव से कमजोर हो जाते हैं। यहां तक कि इससे रेडियो संचार ब्लैकआउट की स्थिति बन जाती है। सौर ज्वालाओं से उत्सर्जित एक्स-रे पृथ्वी के दिन के हिस्से में हाई-फ्रीक्वेंसी रेडियो संचार को पूरी तरह बाधित कर देते हैं। इसके चलते लंबी दूरी की (विशेषकर ध्रुवीय और महासागरीय) उड़ानों को आसमान की ऊंचाई में राह नहीं दिखती।

तीव्र सौर तूफानों के दौरान, बहुत ऊंचाई पर चालक दल और यात्रियों के स्वास्थ्य के लिए विकिरण की अधिक मात्रा दूरगामी खतरनाक है, हालांकि यह आमतौर पर सीमित होता है। भारत में अभी इसका कोई सीधा असर नहीं दिखा है, लेकिन डीजीसीए ने भारतीय वायुयान संचालकों को तत्काल प्रभाव से आवश्यक सॉफ्टवेयर अपग्रेड करने का अनिवार्य निर्देश जारी किए हैं। इस घटना ने भारत में विमानन नियामक निकायों और एयर लाइनों के बीच अंतरिक्ष मौसम के खतरों और उनके एवियोनिक्स पर संभावित प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ाया है, जिससे भविष्य में रेडिएशन-प्रतिरोधी प्रणालियों के महत्व पर ज़ोर दिया जा रहा है।

सूर्य वर्तमान में अपने सौर चक्र 25 के अधिकतम चरण की ओर बढ़ रहा है, जिसके आने वाले महीनों में चरम पर पहुंचने की संभावना है। इस चरण में, सौर तूफानों और विकिरण की घटनाएं अधिक बार और तीव्र होने की संभावना है, जिससे एवियोनिक्स पर दबाव बढ़ेगा। हाल के दशकों में मानव-जनित ग्रीन हाउस गैसों का वार्मिंग प्रभाव, सूर्य की गतिविधि में मामूली बदलावों से कहीं अधिक शक्तिशाली रहा है। धरती पर बढ़ता कार्बनडाईआक्सॉइड आयन मंडल के तापमान और संरचना को भी बदल रहा है, जो लगभग 100-500 किमी की ऊंचाई पर है। आयन मंडल में होने वाले ये बदलाव रेडियो तरंगों के संचरण को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे शॉर्टवेव रेडियो संचार में बाधा आ सकती है।

सूर्य-विकिरण और विशेष रूप से सौर तूफानों से एयरबस के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है। 1994 में, एक तीव्र सौर तूफान ने कनाडा के एनीक-ई 2 संचार उपग्रह को निष्क्रिय कर या था।

सोशल फोरम

ब्रिटेन में एशियाई महिला का पहला स्मारक

टीपू सुल्तान की वंशज, नूर इनायत ख़ान, जिनका असली नाम नूर-उन-निसा इनायत ख़ान था, भारतीय मूल की एक बहादुर ब्रिटिश जासूस थीं। इनका जन्म पहली जनवरी 1914 को हुआ था। नूर ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्र देशों के लिए जासूसी की थी। ब्रिटेन के स्पेशल ऑपरेशंस एक्जीक्यूटिव (SOE) के रूप में प्रशिक्षित नूर, द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान फ्रांस के अधिकार क्षेत्र में भेजी जाने वाली पहली महिला वायरलेस ऑपरेटर थीं। जर्मनी द्वारा गिरफ्तार किए जाने, भयंकर यातनाएं दिए जाने और अंततः गोली मारकर हत्या किए जाने से पहले, वे फ्रांस में एक गुप्त मिशन के तहत नर्स का काम करती थीं। उन पर 10 महीनों तक क्रूर अत्याचार और लगातार पूछताछ की गई, लेकिन फिर भी गेस्टापो उनसे कोई भी राज़ नहीं उगलवा सकी। उनके अपरिमित साहस और बलिदान की कहानी आज भी पूरे यूनाइटेड किंगडम और फ्रांस में याद की जाती है। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें ब्रिटेन का सर्वोच्च नागरिक सम्मान जॉर्ज क्रॉस प्रदान किया गया। उनकी स्मृति में लंदन के गॉर्डन स्क्वेयर में एक सुंदर स्मारक स्थापित है- जो इंग्लैंड में किसी मुसलमान को समर्पित तथा किसी एशियाई महिला के सम्मान में पहला स्मारक है।

शोएब गाजी

ब्लॉगर

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

विश्व में अशांति और भय से बढ़ता हथियार कारोबार

दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। वास्तव में, आज के समय में दुनिया भर में बढ़ते हथियारों का जखीरा केवल सुरक्षा का ही सवाल नहीं है, बल्कि यह मानवता के भविष्य पर एक गंभीर खतरा भी है। कोई भी देश हथियार इसलिए खरीदते हैं, ताकि वे अपनी सीमाओं की रक्षा कर सकें। रणनीतिक बढ़त बनाए रख सकें और बदलते भू-राजनीतिक हालात में खुद को एक मज़बूत राष्ट्र दिखा सकें, लेकिन यही हथियारों की दौड़ कई बार तनाव बढ़ाकर युद्धों की जमीन तैयार करती है, जोकि ठीक नहीं है।

हथियारों पर होने वाला भारी खर्च शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ पानी, जलवायु संरक्षण और रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों से धन को खींच लेता है और इसका असर देश के विकास, अर्थव्यवस्था और इसके निवासियों पर भी पड़ता है। क्या यह बड़ी बात नहीं है कि आज के समय में दुनिया के विभिन्न शक्तिशाली व संपन्न देश इसका इस्तेमाल अपने आर्थिक लाभ, वैश्विक प्रभाव दिखाने और उद्योगों में बढ़त के लिए करते हैं, जबकि छोटे देश किसी दबाव में आकर या सुरक्षा के डर से हथियारों की इस अंधी दौड़ में शामिल हो जाते हैं। यह इसलिए दुनिया का खतरनाक कदम है, क्योंकि यह मानवता को सुरक्षा नहीं, बल्कि असुरक्षा की ओर धकेल रहा है। हथियारों की होड़ अंततः दुनिया में असंतुलन पैदा करती है।

सुनील महला

स्वतंत्र पत्रकार

स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) की नई रिपोर्ट बताती है कि दुनिया में हथियारों की बिक्री लगातार बढ़ रही है। यह कोई अच्छी खबर नहीं है। रिपोर्ट बताती है कि कई देशों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। कहीं सीमा विवाद है, कहीं शक्ति दिखाने की होड़, तो कहीं सुरक्षा का डर। दुनिया में इस समय कई देशों के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है। आज विभिन्न देश आधुनिक और महंगे हथियार खरीदने में बड़ी रकम लगा रहे हैं। इससे हथियार बनाने वाली कंपनियों का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन दुनिया के लिए खतरे भी बढ़ रहे हैं। समस्या यह है कि जितने ज्यादा हथियार जुटाए जाते हैं, उतना ही ज्यादा टकराव या युद्ध की आशंका पैदा होती है।

सरकारों का पैसा रक्षा खरीद में खर्च होने लगता है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक विकास जैसे जरूरी क्षेत्रों पर कम ध्यान जाता है। यानी सुरक्षा के नाम पर खर्च तो बढ़ता है, लेकिन असुरक्षा भी कम नहीं होती। रिपोर्ट हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हथियारों पर बढ़ती निर्भरता वास्तव में शांति लाएगी या दुनिया को और ज्यादा तनाव और खतरे की ओर धकेल देगी। दुनिया की सबसे बड़ी 100 हथियार बनाने वाली कंपनियों ने पिछले साल से लगभग 6% ज्यादा पैसा कमाया है। ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि हाल के समय में कई जगह लड़ाइयां और तनाव लगातार बढ़े हैं, जैसे यूक्रेन युद्ध और गाजा संघर्ष। जब कहीं युद्ध होता है या किसी देश को खतरा महसूस होता है, तो वे अपनी सुरक्षा बढ़ाने के लिए ज्यादा हथियार खरीदते हैं। इसी वजह से हथियारों की मांग तेजी से बढ़ गई और कंपनियों की बिक्री भी बढ़ी।

सिपरी की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया की 100 सबसे बड़ी रक्षा कंपनियों ने 2024 में कुल 679 अरब डॉलर कमाए, जो यह दिखाता है कि वैश्विक स्तर पर युद्ध और तनाव अब एक भारी-भरकम कारोबार बन चुके हैं। यूक्रेन, गाजा और पूर्वी एशिया में बढ़ते संघर्षों ने हथियारों की मांग को तेजी से बढ़ाया है। इससे युद्धों का व्यावसायीकरण और कॉरपोरेट कंपनियों की भूमिका और मजबूत हो रही है। रिपोर्ट बताती है कि पश्चिम एशिया अब एक नया हथियार उत्पादक क्षेत्र बनकर उभर रहा है, जिससे वैश्विक सैन्य उत्पादन में विविधता आई है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

पाताल भुवनेश्वर

रहस्यमय पाताल लोक की दुनिया

प्रकृति के जितने करीब जाओ, उतना ही वह नए रूप में हमारे सामने आती है। बात उतराखंड की हो, तो इस देवभूमि में अनेक रहस्यमय स्थान है, जिनके दर्शन आपको मंत्रमुग्ध कर देंगे। ऐसा ही एक स्थान कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ जनपद में गंगोलीहाट कस्बे के समीप भुवनेश्वर गांव में है। यह है पाताल भुवनेश्वर गुफा। प्रकृति का एक अनबूझ रहस्य, जिसके लोक में पहुंचकर युगों-युगों का इतिहास एक साथ प्रकट हो जाता है। गुफा के भीतर लगभग उबड़-खाबड़, टेढे-मेढ़े पत्थरों पर पैर टिकाकर 84 सीढ़ियों से होकर गुजरते हुए आप पाताल लोक मे पहुंच जाते हैं। अंदर की अद्भुत दुनिया रोमांचित कर देती है। छोटी बड़ी विभिन्न देवी-देवताओं व पशु पक्षियों के आकार की शिलाएं। एक ऐसा रचना संसार, जिसकी बाहर रहते आपने कभी कल्पना भी नहीं कि होगी। धरती के भीतर बड़ी गुफा, जो कई भागों में बंट जाती है। बीच में मैदानी हिस्से भी फैले हुए हैं। गुफा के रास्ते के दोनों ओर जंजीर लगाई गई है, जिसे पकड़कर यात्री आते-जाते हैं। गुफा में जाने के लिए फीस भी रखी गई है।

दीपक नौगाई
लेखक, हल्द्वानी

भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन

स्कंद पुराण के 103 वें अध्याय में पाताल भुवनेश्वर गुफा का वर्णन है, जिसमें व्यास जी ने कहा है कि मैं एक ऐसी जगह का वर्णन करता हूं, जिसके पूजन करने के संबंध में तो कहना ही क्या, जिसका स्मरण और स्पर्श मात्र करने से सारे पाप नष्ट हो जाते हैं। वह सरयू रामगंगा के मध्य पाताल भुवनेश्वर है। वर्ष 2007 से यह गुफा भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीन है। भुवनेश्वर गांव निवासी स्वर्गीय मेजर समीर कोतवाल की स्मृति में गांव से गुफा की ओर जाने वाले मार्ग में बने प्रवेश द्वार को 'समीर द्वार' नाम दिया गया है। मेजर समीर 28 अगस्त 1999 को असम में उग्रवादियों से लड़ते हुए शहीद हुए थे। द्वार के बगल में मेजर की प्रस्तर प्रतिमा भी स्थापित है।

पौराणिक महत्व

कहते हैं कि इस अद्भुत गुफा के दर्शन त्रेतायुग में अयोध्या के राजा ऋतुपूर्ण ने पहली बार किया था। राजा चौपड़ खेलने के बहुत शौकीन थे। उनके मित्र राजा नल भी इस खेल के महारथी थे। पर एक बार वे इस खेल में अपनी पत्नी दमयंती को हार गए। राजा नल इस हार से बहुत शर्मिंदा हुए। वे राजा ऋतुपुर्ण को साथ लेकर हिमालय की यात्रा पर निकल पड़े। एक दिन घने जंगल में उन्हें असाधारण हिरण दिखा। राजा नल ने कहा इस हिरण को जिंदा पकड़ना है। दोनों उसे पकड़ने के लिए उसके पीछे लग गए। हिरण का पीछा करते हुए वे भुवनेश्वर गांव जा पहुंचे। शाम हो गई और हिरण भी कही दिखलाई नहीं दिया। राजा रास्ता भटक गए। रात में उन्हें स्वप्न हुआ और आवाज सुनाई दी- 'तुम क्षेत्रपाल देवता की तपस्या करो, वही तुम्हें रास्ता बताएंगे।' राजा तपस्या करने लगे। कुछ दिनों बाद क्षेत्रपाल ने दर्शन दिए और कहा कि इस स्थान पर एक बड़ी सुरंग है, जहां कई गुफाएं हैं और जहां कण-कण में भगवान शिव निवास करते हैं। क्षेत्रपाल ने राजा को इस दिव्य लोक में पहुंचा दिया।

गुफा में चौपड़ की आकृति

यह भी माना जाता है कि अपने अज्ञातवास में पांडव भी यहां आए थे। उन्होंने कुछ समय इस गुफा में वास किया था। गुफा के भीतर चौपड़ की आकृति भी बनी हुई है। 822 ई. में अपनी दिग्विजय यात्रा के दौरान आदि गुरु शंकराचार्य भी यहां आए। उन्होंने गुफा के अंदर एक जगह पर तांबे का शिवलिंग स्थापित किया। गुफा में जाने वाले श्रद्धालु इस शिवलिंग की पूजा अर्चना करते हैं। भुवनेश्वर गांव से कुछ ही दूर देवदार के घने वन के मध्य स्थित है- पाताल भुवनेश्वर गुफा। गुफा का प्रवेश द्वार लगभग चार फिट लंबा और डेढ फिट चौड़ा है। अत्यंत संकरी, फिसलनदार गुफा में टेढे-मेढ़े पत्थरों की सीढ़ी पर सावधानी से साकंल पकड़कर तीस फिट नीचे उतरना पडता है। एक बार में एक ही व्यक्ति उतर पाता है। उतरते ही नीचे एक बड़े मैदान मे आप खुद को पाते हैं, जहां से तीन ओर को लंबी-लंबी सुरंगें चली जाती हैं। धरती के भीतर एक अनोखी दुनिया, जिसकी आपने कभी कल्पना भी नहीं की होगी। यहां चट्टानों मे प्राकृतिक कलाकृतियां हैं, जिन्हें पौराणिक कथाओं व मिथकों से जोड़ा गया है।

गाइड बताता है कि आप शेषनाग के शरीर की हड्डियों पर चल रहे हैं और आपके सिर के ऊपर शेषनाग का बना है। सुनते ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। गहराई से देखेंगे तो आप वास्तव में महसूस करेंगे कि कुदरत द्वारा तराशे पत्थरों मे नाग बन फैलाए है। फन के दाएं तरफ ऐरावत हाथी विराजमान हैं। जमीन मे बिल्कुल झुककर भूमि से चंद इंच की दूरी पर चट्टानों में हाथी के तराशे हुए पैरों को देखकर आपको मानना ही पड़ेगा कि आप जो सुन रहे हैं वो सच है।

रोमांचक दृश्य

गुफा में कुछ आगे बढ़ें, तो आप उस जगह पहुंच जाते हैं, जिसके विषय में कहा जाता है कि शिवजी ने गणेश जी का कटा हुआ मस्तक यहीं पर रखा था। गणेशजी के कटे मस्तक शिलारूपी प्रतीक के ठीक ऊपर 108 पंखुड़ियों वाला शवाष्टक दल ब्रहमकमल सुशोभित है। इस ब्रह्मकमल से पानी की बूंदे गणेश जी के मस्तक पर टपकती हैं। मुख्य बूंद आदिगणेश के मुख में गिरती हुई दिखाई देती है। जनमेजय के नाग यज्ञ का हवन कुंड भी गुफा के भीतर है। कहा जाता है कि अपने पिता राजा परीक्षित को श्राप मुक्त करने के लिए जनमेजय ने सारे नाग मारकर हवन कुंड में जला दिए थे, लेकिन तक्षत नामक नाग बच निकला था, जिसने बाद में बदला लेते हुए परीक्षित को डसकर मौत के घाट उतार दिया था। नाग यज्ञ कुंड के ऊपर शिला पर इस नाग का चित्र उभरा हुआ देख सकते हैं।

एक जगह गुफा की छत पर गाय के थन की आकृति नजर आती है। यह कामधेनु गाय का स्तन है। आगे बढ़े तो एक मुड़ी गर्दन वाला गरुड़ एक कुंड के ऊपर बैठा दिखाई देता है। लोकश्रुति है कि शिवजी ने इस कुंड को अपने नागों के पानी पीने के लिए बनाया था। इसकी देखरेख गरुड़ के हाथ में थी, लेकिन जब गरुड़ ने ही इस कुंड से पानी पीने की कोशिश की तो शिवजी ने गुस्से में उसकी गर्दन मोड़ दी और उसे श्राप देकर जड़वत बना दिया।

गुफा में एक स्थान पर शिवजी का मनोकामना कुंड भी है। मान्यता है कि इसके बीच बने छेद से धातु की कोई चीज पार करने पर मनोकामना पूर्ण होती है। उसके साथ कमली बिछी है और उसके नीचे बाघंबर बिछा है। वहीं पर पाताल भैरवी भी है, जो मुंडमाला पहने खड़ी हैं। मान्यता चाहे कुछ भी हो पर एकबारगी गुफा में बनी आकृतियों को देख लेने के बाद उनसे जुड़ी कथाओं पर भरोसा किए बिना नहीं रहा जाता। आश्चर्य यह है कि जमीन के इतने अंदर होने के बावजूद यहां घुटन महसूस नहीं होती अपितु शांति का अनुभव होता है। दूर-दूर से सैलानी इस अद्भुत गुफा को देखने आते हैं। कुछ श्रृद्धा से, कुछ रोमांच के अनुभव के लिए तो कुछ शांति की तलाश में।

लव बर्ड्स

जीत जाएंगे हम तू अगर संग है

कहते हैं कि प्यार की शुरुआत अक्सर सबसे आम पलों में छुपी होती है, लेकिन उसकी गहराई और असर वक्त के साथ हमारे जीवन को बदल देता है। हमारी पहली मुलाकात किसी रोमांटिक जगह पर नहीं, बल्कि एक बहुत साधारण-सी सुबह बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी के गेट पर हुई थी। शैफाली अपनी क्लास के लिए भाग रही थी और मैं (शिव) अपने बीटेक की डिग्री लेने यूनिवर्सिटी पहुंचा था। अचानक भीड़ में शैफाली का बैग थोड़ा उलझा और वह लड़खड़ा गई। मैंने तुरंत हाथ बढ़ाकर उसे संभाल लिया। "आप ठीक हैं?" मैंने पूछा। शैफाली ने हल्की-सी शर्मीली मुस्कान के साथ कहा, "हां, बस दिन की शुरुआत थोड़ी नाटकीय हो गई।" हम दोनों अलग हो गए, पर उस एक पल ने दोनों के दिमाग में एक छोटी-सी जगह बना ली। अगले ही हफ्ते, किस्मत ने फिर करवट ली। शैफाली अपने कॉलेज की तरफ से साइंस प्रोजेक्ट की एक प्रदर्शनी में आई थी और मैं वहां पर एक जज पैनल के रूप में आया था। मैंने उसे देखा और मुस्कुरा दिया। "फिर मिल ही गए," उसने कहा। "लगता है शहर छोटा है या किस्मत बड़ी," शैफाली ने चुटकी ली।

इस बार बातचीत लंबी चली। कला, काम, सपने, यात्राएं दोनों को पता ही नहीं चला कि कब दो अजनबी अपनी दुनिया एक-दूसरे के सामने खोलने लगे। मैं दिल्ली वापस लौट आया, परंतु फोन पर लंबी बातें चलने लगी धीरे-धीरे हम एक-दूसरे की दुनिया में सहज होने लगे। मुलाकातें तो कम होती थीं, परंतु शैफाली का केयरिंग नेचर, मुस्कान और सादापन मुझे उसकी तरफ खींचने लग गया। मैंने शैफाली को आजादी, सपने देखना और खुद पर भरोसा करना सिखाया। कई सालों की फोन पर बात और छोटी-छोटी मुलाकातों के बाद हमने तय किया कि यह कहानी सिर्फ 'मुलाकात' तक सीमित नहीं रहेगी, यह रिश्ता अब साझेदारी, विश्वास और प्यार की नई शुरुआत बनेगी।

प्यार तो हो गया परंतु करियर की उठापटक के बीच मैंने तय नहीं कर पा रहा था कि इसको आगे कैसे मुकाम दिया जाए? एक तरफ करियर को संवारने का समय था और उसी बीच मैं विदेश शिफ्ट हो गया। कभी-कभी तो ऐसा भी लगा की अब ये दूरी इस रिश्ते को यहीं पर ही न रोक दें। अब फोन पर बातें करना बहुत महंगा था, परंतु शैफाली अपने समर्पण के प्रति अपनी ट्यूशन और डांस क्लासेज से कमाए सारे पैसे सिर्फ मुझसे बात करने में खर्च कर देती। बातें कम हो रही थीं मिलना तो बिल्कुल मुश्किल था। विदेश में रहते हुए अकेलेपन में शैफाली की फोन कॉल मुझे लिए रामबाण का काम करती। विदेश की चकाचौंध भी मुझे शैफाली के समर्पण और प्यार से अलग न कर पाई। जब ये प्रेम कहानी शादी की बात तक पहुंची, तो जिंदगी एक नए प्रश्नपत्र के साथ उनके सामने खड़ी थी। घरवालों के सवाल, दोनों परिवारों के विचारों और हैसियत में जमीन आसमान का फर्क और समाज के करोड़ों प्रश्न दोनों के सामने मुंह फैलाए खड़े थे। घरवालों की तरफ से पहले तो पूर्ण मना था, परंतु दोनों ने हार नहीं मानी। दोनों अपनी सीमाओं में रहते हुए अपने-अपने घरवालों को मनाने का पूर्ण प्रयास हर पल करते रहे। ये समय ऐसे गुजर रहा था कि मुझे तो आईएएस बनने की परीक्षा जैसा लग रहा था, परंतु शैफाली बहुत धैर्यवान थी। वो अपने फैसले पर अडिग थी। पूरे दो साल बीत गए तब जाकर घर वाले माने। फिर समाज के लोगों ने भी अड़ंगे लगाए और ये प्रेम की नाव भारी तूफान में हिचकोले लगाते-लगाते किनारे तक आ ही गई, फिर वो घड़ी आई, जिसका हम दोनों को लंबे समय से प्रतीक्षा थी। इस बीच पिछले दो सालों में हम दोनों कभी मिले नहीं, क्योंकि दूरियां लंबी थीं, परंतु दोनों के प्रेम ने ये जंग जीत ली। जब विवाह मंडप पर दोनों ने एक-दूसरे को देखा, तो दोनों की आंखों में सालों की प्रतीक्षा, परिवार और समाज से विजय की चमक और चेहरे पर एक संतोषप्रद मुस्कान थी। उन्हें लगा की अब अंतिम मंजिल पर पहुंच गए, जो एक अगली लंबी यात्रा पर साथ चलने के लिए आगे ले जाएगी। आज भी सालों बाद जब दोनों उस समय को याद करते हैं, तो चेहरे पर एक मुस्कान के साथ ये पंक्तियां बरबस ही मुंह से निकल जाती हैं "जीत जाएंगे हम, तू अगर संग है।" ये पंक्तियां आज भी, उन्हें जीवन के विभिन्न मोड़ों पर आती हुई परीक्षाओं में हौसला देती है। हमारी प्रेम कहानी इस बात को सिद्ध करती है कि यदि प्रेम सच्चा हो और हृदय में धैर्य और एक-दूसरे पर विश्वास हो, तो चाहें कितनी भी बाधाएं आएं आप मंजिल पर पहुंचते अवश्य हैं। कभी-कभार शैफाली बोलती है "हम सच में यहां तक आ गए विश्वास नहीं होता।" मैं हर बार उसका हाथ थाम कर कहता है "जब साथी सही हो और दोनों साथ चलें, तो सफर अपने आप सुंदर हो जाता है।"

-शिवमोहन और शैफाली, कानपुर

जॉब का पहला दिन

शुरू हुआ जीवन का एक नया अध्याय

जीवन के कतिपय अनुभव ऐसी मधुर स्मृतियों में परिणत हो जाते हैं, जो आगे चलकर हमारे व्यक्तित्व, आत्मविश्वास और पेशेवर पहचान को गहराई से प्रभावित करती हैं। वर्षों के सतत अध्ययन, तैयारी, लंबी प्रतीक्षा और कठिन संघर्ष के बाद जब किसी प्रतिष्ठित महाविद्यालय में नियुक्ति मिलती है, तो मन में एक साथ कई भावनाएं उमड़ती हैं। उत्साह, संकोच, जिम्मेदारी और भविष्य को लेकर एक अनोखी सी आशा आपको चहुंओर से घेर लेती हैं। शाहजहांपुर के एक प्रतिष्ठित महाविद्यालय में मेरा पहला दिन भी बिल्कुल ऐसा ही था। भावनाओं का सुंदर संगम, नए माहौल का स्पर्श और सीखने के असीमित अवसरों का आरंभ।

यद्यपि सुबह से ही मन में हल्की-सी घबराहट थी, किंतु उस घबराहट पर मेरी उत्सुकता भारी पड़ रही थी। मैंने अलमारी से सलीकेदार औपचारिक पोशाक चुनी, आईने में एक नजर खुद को देखा और मन ही मन कहा, "आज से जीवन का एक नया अध्याय शुरू हो रहा है।"

महाविद्यालय पहुंचने तक मन में कई सवाल थे- कैसा वातावरण होगा? सहकर्मी कैसे होंगे? विद्यार्थी कैसा व्यवहार करेंगे? और सबसे महत्वपूर्ण यह कि क्या मैं अपनी भूमिका को उतनी ही कुशलता से निभा पाऊंगा, जितनी अपेक्षा संस्था मुझसे करती है? इन सब चिंताओं के बावजूद मेरे भीतर एक सकारात्मक ऊर्जा थी, जो कदमों को आगे बढ़ाते हुए आश्वस्त कर रही थी कि सब कुछ अच्छा होगा।

महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर कदम रखते ही परिसर की साफ-सुथरी हरियाली, बेमिसाल स्वच्छता, भवनों की सादगीपूर्ण भव्यता और विद्यार्थियों की हलचल ने मेरे मन में एक अद्भुत रोमांच एवं आत्मीयता का भाव जगा दिया। ऐसा लग रहा था मानो यह जगह मेरे इंतजार में ही थी। कुछ छात्र बड़ी विनम्रता से मुस्कुराकर मेरा अभिवादन कर चुके थे। यह छोटा-सा व्यवहार मेरे भीतर के तनाव को थोड़ा कम कर गया। प्रशासनिक भवन के अंदर स्टाफ रूम तक पहुंचने पर वहां पहले से उपस्थित शिक्षकों ने बड़े स्नेह से मेरा स्वागत किया। खास बात तो यह थी कि मेरे विभाग में उस समय कोई शिक्षक कार्यरत नहीं था, लिहाजा मुझे नियुक्ति के साथ ही विभाग का विभागाध्यक्ष बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ। साथी शिक्षकों से परिचय भी एक आत्मीय संवाद की तरह था। हर कोई अपने अनुभव साझा करने को उत्सुक और मुझे सहज महसूस कराने को तत्पर। वातावरण में न तो औपचारिकता का बोझ था और न ही प्रतिस्पर्धा की कठोरता, था तो बस एक सहयोगी भाव, जो किसी भी नए व्यक्ति के लिए सबसे बड़ी ताकत होता है।

फिर आया वह क्षण, जिसका सबसे अधिक इंतजार था-पहली कक्षा लेने का। हाथ में चाक और उपस्थिति रजिस्टर लिए जब मैं कक्षा में पहुंचा, तो लगभग अस्सी छात्रों की निगाहें मेरी ओर उठीं। यह क्षण अत्यंत भावुक और चुनौतीपूर्ण था। उनके लिए मैं एक नया शिक्षक था और मेरे लिए वे भविष्य के निर्माण की जिम्मेदारी। मैंने मुस्कुराते हुए अभिवादन किया और छात्रों की आंखों में सम्मान के साथ-साथ उत्सुकता की चमक महसूस की। मैंने अपना संक्षिप्त परिचय दिया और उनसे भी अपने बारे में बताने को कहा। विद्यार्थियों की प्रतिक्रियाएं सुनकर यह समझ आ गया कि कक्षा में विविध पृष्ठभूमि, अलग-अलग विचार और सीखने की भिन्न गति वाले छात्र मौजूद हैं और इन्हीं के बीच मैं आने वाले दिनों में अपनी शिक्षण-यात्रा को आकार दूंगा।

व्याख्यान के दौरान छात्रों की उत्सुकता, प्रश्न पूछने की सहजता और ध्यान से सुनने का स्वभाव देखकर मन का सारा तनाव समाप्त हो गया। यह अनुभव किसी औपचारिक पाठ्य प्रस्तुति जैसा नहीं, बल्कि एक संवाद जैसा था, जहां ज्ञान का आदान-प्रदान दोनों तरफ से हो रहा था। कक्षा के अंत में जब छात्रों ने तालियों के साथ मेरा स्वागत किया, तो हृदय गर्व और कृतज्ञता से भर उठा। यही वह पल था, जिसने मुझे एहसास दिलाया कि शिक्षक की भूमिका केवल विषय पढ़ाने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह छात्रों के जीवन में प्रेरणा, मार्गदर्शन और सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी बनती है।

पहली कक्षा के बाद विभाग में लौटते हुए कई शिक्षकों ने उत्सुकता से पूछा- 'पहले दिन का अनुभव कैसा रहा?' उनकी आत्मीयता ने दिन को और भी सुखद बना दिया। चाय की गरमा-गरम चुस्की के साथ जब हम शिक्षण-प्रक्रिया, विभागीय गतिविधियों और छात्रों की संभावनाओं पर बातचीत कर रहे थे, तब महसूस हुआ कि यह महाविद्यालय केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक जीवंत परिवार है, जिसे ज्ञान, सहयोग और सामूहिक प्रयत्नों ने एक सूत्र में बांध रखा है। दोपहर में मुझे प्राचार्य महोदय के साथ बैठक में शामिल होने का अवसर मिला। वहां वार्षिक गतिविधियों की रूपरेखा, अनुसंधान परियोजनाएं, छात्रों के अतिरिक्त विकास की योजनाएँ तथा नई शिक्षण तकनीकों पर चर्चा के साथ ही साथ मुझे कई नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। यह देखकर मन अति प्रसन्न हुआ कि संस्था केवल औपचारिक शिक्षण तक सीमित नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति सजग और प्रतिबद्ध है। इस बैठक में मेरा सुझाव भी सुना गया, जिससे मेरा आत्मविश्वास और बढ़ गया।

दिन के अंत में जब मैं परिसर से बाहर निकला, तब पूरे दिन की स्मृतियां मेरे मन में चलचित्र की तरह चल रही थीं। महाविद्यालय का वह पहला दिन आज भी स्मृतियों में उज्जवल है और हमेशा रहेगा, एक प्रेरणा की तरह, एक विश्वास की तरह और एक नए आरंभ की तरह।

– शिशिर शुक्ला, शाहजहांपुर

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,712.37	26,186.45
बढ़त	447.05	152.70
प्रतिशत में	0.52	0.59

सोना 1,32,900 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,83,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शनिवार, 6 दिसंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2245, रविन्द्रा 2445, फॉर्चुन 13 किग्रा 1975, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1875, उजाला 1910, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2155, मोर 2185, चक्र टिन 2315, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2330, स्वास्तिक 2505

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छाँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4360, बहेड़ी 4320

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 1200, बासमती- 6300, परमल- 1000

दाल दलहन : काला चना- 4200, साबुत चना दाल- 3900, मूंग साबुत- 6600, राजमा- 9400-12000, दाल उड़द- 7000, साबुत मसूर दाल- 4200, मसूर दाल- 3400, उड़द साबुत- 5400, काबुली चना- 9700, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 2200

महंगाई नरम रही तो रेपो दर भी कम होगी, 0.2% सही स्तर नहीं : मल्होत्रा

आरबीआई के गवर्नर ने कहा - आगे चलकर हम महंगाई में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं

मुंबई, एजेंसी

आगे बढ़ाने पर होगा जोर, जमा दरों में नरमी का अनुमान : गवर्नर

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि जब तक महंगाई नरम रहती है, तब तक नीतिगत रेपो दर कम ही रहेगी। आरबीआई ने शुक्रवार को रेपो दर में 0.25% की कटौती कर इसे 5.25% कर दिया। इस फैसले की घोषणा के बाद आरबीआई मुख्यालय में मल्होत्रा ने उक्त बात कही।

उन्होंने यह नहीं बताया कि रेपो दर कितनी और नीचे जा सकती है, लेकिन कहा कि आरबीआई के महंगाई अनुमान नरम ही दिखा रहे हैं। मल्होत्रा ने कहा कि आगे चलकर हम नरम महंगाई की उम्मीद कर रहे हैं। अगर महंगाई इसी तरह रहती है तो हम उम्मीद करते हैं कि नीतिगत दरें ऊंची नहीं, बल्कि कम ही रहेंगी। आगे आरबीआई पूरी तरह आंकड़ों पर आधारित रहेगा और अगली नीति समीक्षाओं में छह सदस्यीय दर निर्धारण समिति क्या फैसला लेगी, इसके बारे में अभी कुछ कहना अटकलबाजी होगी। हाल में जितनी कम महंगाई (0.2%) दिख रही है, क्या भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था के लिए वह सही है, तो मल्होत्रा ने कहा कि निश्चित रूप से नहीं। 0.2% महंगाई का सही स्तर नहीं है। हमारा लक्ष्य चार प्रतिशत है। हम उसी तरह की महंगाई हासिल करने की कोशिश करते हैं। हालांकि गवर्नर ने सलाह दी कि इस बहुत कम महंगाई के आंकड़े को बहुत गंभीरता से न लीजिए, क्योंकि कई कारक इसे प्रभावित करते हैं और इसमें उतार-चढ़ाव या अस्थिरता आ सकती है।

उन्होंने कहा कि ऊंचा तुलनात्मक आधार (पिछले साल ऊंचे खाद्य मूल्य) के कारण महंगाई कम दिख रही है। वृद्धि के बारे में उन्होंने कहा कि 2025-26 की पहली छमाही की तुलना में दूसरी छमाही में नरमी का अनुमान है।

मुंबई। गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि केंद्रीय बैंक का जोर अब इस बात पर होगा कि रेपो दर में कटौती का लाभ बैंकों से कर्ज लेने वालों को मिले। उन्होंने कहा कि आगे जमा दरों में नरमी आने का अनुमान है और लोगों से अपील की कि वे बचत के लिए धन जमा करते समय चालू ब्याज दर के बजाय वास्तविक ब्याज दर को देखें, जो अभी काफी ऊंची है। उन्होंने कहा कि अब हमें मौद्रिक नीति का लाभ आगे पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित करना है। इस साल आरबीआई ने प्रमुख ब्याज दर में कुल 1.25 प्रतिशत की कमी की है। आरबीआई को उम्मीद है कि जमा दरें और नीचे आएंगी। हम उम्मीद करते हैं कि आगे चलकर, खासकर इस कटौती के बाद, जमा दरें कुछ हद तक और कम होंगी। मल्होत्रा ने कहा कि कम महंगाई से जमा करने वाले को वास्तविक लाभ ज्यादा होता है, क्योंकि महंगाई का घटक बहुत कम है। उन्होंने कहा कि जब महंगाई इतनी कम है और आगे भी कम रहेगी, तो भले ही ब्याज दर कम लगे, लेकिन महंगाई के मुकाबले ब्याज दरें काफी ऊंची हैं।

आरबीआई ने मुद्रास्फीति अनुमान घटाकर किया 2%

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 2.6 से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया है। मुद्रास्फीति के लक्ष्य को लेकर 2016 में लचीली व्यवस्था अपनाये जाने के बाद पहली बार हेडलाइन (खुदरा) मुद्रास्फीति 2025-26 की दूसरी तिमाही में औसतन 1.7 प्रतिशत रही। यह आरबीआई को दिये लक्ष्य के निचले स्तर दो प्रतिशत से भी कम है। आरबीआई को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ मुद्रास्फीति चार प्रतिशत (दो से 6%) रखने की जिम्मेदारी मिली हुई है। यह अक्टूबर 2025 में और भी घटकर केवल 0.3 प्रतिशत पर आ गई जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने कहा कि मुद्रास्फीति में अनुमान से अधिक तेजी से गिरावट खाद्य कीमतों में सुधार से आई।

रुपये का लक्षित स्तर या दायरा नहीं

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये के लिए कोई लक्षित स्तर या दायरा नहीं रखता है और घरेलू मुद्रा को खुद ही अपना ''सही स्तर'' खोजने की अनुमति देता है। मल्होत्रा का यह बयान ऐसे समय में आया है जब रुपया इसी हफ्ते अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90 के स्तर को पार कर अपने सबसे निचले भाव पर पहुंच गया। गुरुवार को इसने 90.43 रुपये प्रति डॉलर का रिकॉर्ड निचला स्तर छुआ था। मल्होत्रा ने कहा कि हम रुपये के लिए मूल्य का कोई स्तर या दायरा नहीं रखते हैं।

शिकायतों के समाधान को चलेगा अभियान

भारतीय रिजर्व बैंक लोकपाल के पास एक महीने से अधिक समय से लंबित सभी शिकायतों के समाधान के लिए जनवरी से दो महीने का अभियान शुरू करेगा। आरबीआई लोकपाल के पास बड़ी संख्या में शिकायतें प्राप्त होने के परिणामस्वरूप लंबित मामलों की संख्या में वृद्धि के साथ यह कदम उठाया गया है। आरबीआई लोकपाल योजना बैंक और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों समेत वित्तीय संस्थानों की सेवाओं में कमी से संबंधित शिकायतों का समाधान करने में मदद करती है।

एक लाख करोड़ की प्रतिभूतियों का खरीद

आरबीआई ने बैंकों एवं गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) में पर्याप्त नकदी बनाए रखने के लिए इस महीने खुला बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद करने का निर्णय लिया। केंद्रीय बैंक इस माह 5 अरब डॉलर की तीन-वर्षीय डॉलर/रुपया खरीद-बिक्री अदला-बदली करेगा। इनसे 15 दिसंबर को देय अग्रिम कर भुगतान की किस्त के लिए बैंकिंग प्रणाली के व्यय से नकदी संकट कम करने में मदद मिलेगी।

यूपीआई को मंजूरी के लिए आठ अन्य देशों से बातचीत जारी : वित्तीय सेवा सचिव

- **भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, यूएई, श्रीलंका और फ्रांस में हो रहा उपयोग**

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वित्त सेवा सचिव एम. नागराजू ने शुक्रवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल भुगतान मंच यूपीआई को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए आठ देशों के साथ बातचीत कर रहा है। फिलहाल भारत की लोकप्रिय भुगतान प्रणाली यूपीआई को आठ देशों में स्वीकार्य किया गया है। इनमें भूटान, सिंगापुर, कतर, मॉरीशस, नेपाल, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), श्रीलंका और फ्रांस शामिल हैं। इससे भारतीय पर्यटक विदेशों में लेन-देन के लिए यूपीआई का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नागराजू ने कहा कि हम अब यूपीआई लेनदेन को संभव बनाने के लिए सात-आठ देशों से बातचीत कर रहे हैं जिनमें पूर्वी एशिया के कई देश शामिल हैं। उन्होंने बताया कि भारत कुछ देशों के साथ व्यापार वार्ताओं के दौरान यूपीआई को भी शामिल कर रहा है। नागराजू ने कहा कि कुछ देशों के साथ जिन व्यापार वार्ताओं को हम आगे बढ़ा रहे हैं, उनमें यूपीआई का भी एक पहलू रखने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि इस क्षेत्र में गहराई से शामिल वित्तीय-प्रौद्योगिकी उद्योग भी इसमें अपनी भूमिका निभा सके। उन्होंने कहा कि भारत को लागत और पैमाने के स्तर पर बढ़त हासिल है और इस लाभ का उपयोग देश के हित में करना चाहता है।

समस्याओं के लिए एआई समाधान बनाएं कंपनियां

नई दिल्ली। आईटी और आईटी आधारित सेवा (आईटीईएस) कंपनियों को विभिन्न क्षेत्रों की खास समस्याओं के लिए एआई आधारित समाधान बनाने चाहिए। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि ऐसा करने से नई नौकरियां पैदा होने की संभावना है। नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्मार्ट गवर्नमेंट (एनआईएसजी) के सम्मेलन में उन्होंने कहा कि लोग सोच सकते हैं कि बड़ी कंप्यूट सुविधाओं की कमी से भारत एआई के बड़े मॉडल बनाने की दौड़ में पीछे रह गया है, लेकिन भारत एआई मॉडल के जरिये आम लोगों की जरूरतों के समाधान बनाकर बढ़त हासिल कर सकता है।

जीडीपी में सहकारिता की हिस्सेदारी करेंगे तीन गुना

गांधीनगर, एजेंसी

- **शाह ने कहा- निश्चित रणनीति के तहत 50 करोड़ सहकारी सदस्य बनाने का लक्ष्य**
- **गांधीनगर के महात्मा मंदिर सम्मेलन केंद्र में आयोजित अर्थ समिट को किया संबोधित**

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि अपनी 'निश्चित रणनीति' के तहत सरकार का लक्ष्य अगले कुछ वर्षों में देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करना और 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाना है।

शाह ने गांधीनगर के ''महात्मा मंदिर'' सम्मेलन केंद्र में आयोजित 'अर्थ समिट' को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने वर्ष 2030 तक वैश्विक जैविक बाजार में भारत का हिस्सा 20 प्रतिशत और वर्ष 2035 तक 40 प्रतिशत तक बढ़ाने का भी लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे देश में सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करना चाहती है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार बनने के बाद ग्रामीण विकास, खेती, पशुपालन और सहकारिता क्षेत्र को देश के आर्थिक प्रणाली और पूरे विकास के ज़रूरी हिस्सों के तौर पर पहचाना गया। शाह ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भारत के दृष्टिकोण में हर नागरिक की भलाई शामिल है, और उस लक्ष्य को पाने के लिए सहकारिता, खेती, पशुपालन और ग्रामीण विकास क्षेत्र पर ध्यान देना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि एक निश्चित रणनीति के तहत, हमने तय किया है कि कुछ ही साल में हम हर पंचायत में एक सहकारिता संस्था बनाएंगे। हम 50 करोड़ से ज्यादा सक्रिय सहकारी सदस्य बनाएंगे और देश की जीडीपी में सहकारिता क्षेत्र के योगदान को तीन गुना करेंगे। उन्होंने कहा कि गुजरात में बनास डेयरी ने डेयरी सेक्टर में संसाधनों के अधिकतम इस्तेमाल वाली अर्थव्यवस्था का एक मॉडल बनाया है और वह मॉडल अब पूरे देश में इस्तेमाल के लिए उपलब्ध है।

प्राकृतिक खेती में किसानों के लिए बहुत संभावनाएं

शाह ने कहा कि अब सहकारिता मंत्रालय देश में गन्ना क्षेत्र के लिए भी ऐसा ही मॉडल तैयार करने पर काम कर रहा है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि देश में 49 लाख किसान पहले ही प्राकृतिक खेती अपना चुके हैं और किसानों के लिए इसमें बहुत संभावनाएं हैं। शाह ने कहा कि भारत ऑर्गेनिक्स और अमूल के समर्थन से हम अंतरराष्ट्रीय स्तर के हिसाब से किसानों की ज़मीन और उपज के जैविक परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं की एक शृंखला बना रहे हैं। गेहूं और चावल जैसे करीब 40 जैविक उत्पाद पहले से ही ऑनलाइन बेचे जा रहे हैं। हमने एक लक्ष्य रखा है कि 2030 तक भारत का वैश्विक जैविक बाजार में 20 प्रतिशत से ज्यादा और 2035 तक 40 प्रतिशत से ज़्यादा हिस्सा होगा। इस मकसद के लिए हमने दो बहु-राज्य सहकारिता बनाए हैं। उनमें से एक किसानों से जैविक उत्पाद खरीदेगी, जबकि दूसरी उन्हें बेचेगी।

राष्ट्रीय

उपकर वाले विधेयक को लोस ने दी मंजूरी

वित्त मंत्री सीतारमण के पेश किए स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक को ध्वनिमत से दी गई स्वीकृति

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा ने पान मसाला पर उपकर लगाने के प्रावधान वाले विधेयक को शुक्रवार को मंजूरी दे दी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पर हुई चर्चा का जवाब दिया, जिसके बाद सदन ने विभिन्न संशोधनों को खारिज करते हुए विधेयक को ध्वनिमत से स्वीकृति दी। वित्त मंत्री ने कहा कि यह किसी भी वित्त मंत्री की जिम्मेदारी होती है कि राजस्व बढ़ाया जाए ताकि विभिन्न क्षेत्रों में मांग को पूरा किया जा सके, लेकिन यहां एक सरकार है जिसने कर के दायरे को घटाया है। आयकर की सीमा में भारी छूट दी गई है और 12 लाख तक की आय पर कर देने की जरूरत नहीं है।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी में व्यापक बदलाव किया गया है ताकि चीजें किफायती हों। उनका कहना था कि आयकर की सीमा बढ़ाने से लोगों के हाथ में एक लाख करोड़ रुपये बचे हैं। क्या लोगों की बुनियादी जरूरत की वस्तु पर कर लगा रही हूं, बिल्कुल नहीं। सिर्फ हानिकारक वस्तुओं पर कर लगाया जा रहा है। मुझे लगता है कि शायद ही कोई सदस्य यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए।

- **वित्त मंत्री ने कहा- शायद ही कोई यह कहेगा कि पान मसाला की कीमत किफायती होनी चाहिए**

विधेयक के दायरे में सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही

सीतारमण ने कहा कि यह भी सत्य है कि रक्षा और सड़क निर्माण के लिए पैसे की जरूरत होती है। सीतारमण ने कहा कि बोफोर्स मामले के बाद 30 साल तक तोप की खरीद नहीं की गई और स्थिति यह हुई कि इस अवधि में कई रक्षा मंत्री तो फैसले ही नहीं कर पाए। उन्होंने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के समय रक्षा साजो-समान की कथित तौर पर खरीद नहीं होने का उल्लेख भी किया। वित्त मंत्री का कहना था कि मैं इस विधेयक के दायरे में आटे को नहीं ला सकती, इसमें सिर्फ हानिकारक वस्तुएं ही लाई जा सकती हैं। उपकर कोई नई व्यवस्था नहीं है। 2014 से पहले चार उपकर का संग्रह था। सीतारमण ने कहा कि क्षतिपूर्ति उपकर के संग्रह से राज्यों का हिस्सा उन्हें भेजा गया है। उनका कहना था कि राजस्व संग्रह कैग की छानबीन के दायरे में आता है।

जीएसटी पर नहीं पड़ेगा विधेयक का असर

सीतारमण ने कहा था कि विधेयक का मकसद अतिरिक्त संसाधन जुटाना है तथा इससे मिलने वाले राजस्व का एक हिस्सा राज्यों के साथ साझा किया जाएगा। वित्त मंत्री ने सदन में विधेयक को चर्चा और पारित कराने के लिए रखते हुए यह भी कहा था कि इस विधेयक का माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की व्यवस्था पर कोई असर नहीं पड़ेगा तथा पान मसाला के उपभोग पर 40 प्रतिशत की जीएसटी बरकरार रहेगी। 'स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक, 2025' पान मसाला पर लगाए जाने वाले क्षतिपूर्ति उपकर की जगह लेगा।

पान मसाला का विज्ञापन करने वाले अभिनेताओं के लिया जाए पुरस्कार वापस

पान मसाला और गुटके को बढ़ावा देने के लिए विज्ञापन कर रहे अभिनेताओं को उनके बेहतर अभिनय के लिए मिले पुरस्कार वापस लेने की मांग शुक्रवार को लोकसभा में उठी। निचले सदन में गुजरात में शराबबंदी खत्म करने का मुद्दा भी उठाया गया। पान मसाला पर उपकर लगाने संबंधी स्वास्थ्य सुरक्षा से राष्ट्रीय सुरक्षा उपकर विधेयक 2025 पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (रालोपा) के हनुमान बेनीवाल ने कहा कि किसी मामले में कानून बनाने से ज्यादा महत्वपूर्ण उस पर अमल करना होता है। बेनीवाल ने शाहरूख खान, अजय देवगन और सलमान खान जैसे अभिनेताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे अदाकार विज्ञापन के जरिये पान मसाला और गुटकों के सेवन को बढ़ावा देते हैं।

निशिकांत दुबे ने कांग्रेस पर मुस्लिम आरक्षण का लगाया आरोप

नई दिल्ली। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने शुक्रवार को कांग्रेस पर 'मुस्लिम आरक्षण' को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया और कहा कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के आरक्षण की सुरक्षा करनी चाहिए। उन्होंने लोकसभा में शून्यकाल के दौरान यह विषय उठाया। निशिकांत दुबे ने कहा कि कांग्रेस का हाथ मुसलमानों के साथ है...उसने मुस्लिम समुदाय को पहले आंध्र प्रदेश में चार प्रतिशत आरक्षण दिया और अब वही तेलंगाना और कर्नाटक में किया। उनका कहना था कि केंद्र सरकार को एक समिति बनाकर आरक्षण बचाना चाहिए। शून्यकाल के दौरान भाजपा के बंटी विवेक साहू ने मध्य प्रदेश में कफ सीरप से बच्चों की मौत का विषय उठाया और कहा कि सरकार को दवाओं के विनिर्माण और परीक्षण के नियमों को सख्त बनाना चाहिए।

गत वर्ष सड़क हादसों में मौत के मामले बढ़कर 1.77 लाख : गडकरी

नई दिल्ली। सरकार ने शुक्रवार को संसद को बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 2024 में 2.3 प्रतिशत बढ़कर 1.77 लाख से अधिक हो गई, जिसका अर्थ है कि हर दिन 485 लोगों की मौत सड़क हादसों में हुई। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि फरवरी 2020 में सड़क सुरक्षा पर तीसरे वैश्विक मंत्री स्तरीय सम्मेलन में अपनाए गए 'सड़क सुरक्षा पर स्टॉकहोम घोषणापत्र' में 2030 तक सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों और चोटों को 50 प्रतिशत तक कम करने का एक नया वैश्विक लक्ष्य रखा गया है।

रिलायंस की और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने रिलायंस समूह के चेयरमैन अनिल अंबानी की कंपनियों के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत और 1,120 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने कहा कि रिलायंस समूह की कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां अब तक कुर्क की जा चुकी हैं।

- **ईडी ने कहा- अब तक कुल 10,117 करोड़ की संपत्तियां की जा चुकी हैं कुर्क**

अधिकारियों ने बताया कि मुंबई के बैलार्ड एस्टेट में स्थित रिलायंस अनिल अंबानी समूह के रिलायंस सेंटर समेत 18 संपत्तियों, सावधि जमा और गुपचुप निवेश से जुड़े शेयरों को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अस्थायी रूप से कुर्क किया गया है। उन्होंने कहा कि रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की सात अन्य संपत्तियों, रिलायंस पावर लिमिटेड की दो संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड की नौ संपत्तियों, रिलायंस वैल्यू सर्विस प्राइवेट लिमिटेड, रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड, फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड और गेमसा इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर सावधि जमा के साथ-साथ रिलायंस वेंचर एसेट मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड और फी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किए गए गुपचुप निवेश को कुर्क कर लिया गया है।

वक्फ पंजीकरण की समयसीमा नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने 'उम्मीद' पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण की समयसीमा बढ़ाने की संभावना से शुक्रवार को इन्कार करते हुए कहा कि उन मुत्तवलियों (वक्फ का देखभाल करने वाले) को तीन महीने तक जुर्माने और किसी कठोर सजा से राहत दी जाएगी, जो पंजीकरण का प्रयास करते हुए सफल नहीं हो सके।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार सुबह तक 1.51 लाख संपत्तियों का पंजीकरण हो चुका था। मंत्री का कहना था कि जो लोग पंजीकरण नहीं कर पाए हैं वो वक्फ न्यायाधिकरण का रुख कर सकते हैं। केंद्र ने सभी वक्फ संपत्तियों की 'जियो-टैगिंग' के बाद एक डिजिटल सूची बनाने के लिए बीते छह जून को एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास (उम्मीद) अधिनियम केंद्रीय पोर्टल शुरू किया था। 'उम्मीद' के प्रावधान के अनुसार, देश भर में सभी पंजीकृत वक्फ संपत्तियों का विवरण अनिवार्य रूप से छह महीने के भीतर अपलोड किया जाना है। पंजीकरण के लिए छह महीने की मियाद शुक्रवार को खत्म हो रही है।

- **केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने कहा- पंजीकरण का प्रयास करने वाले मुत्तवलियों को दी जाएगी राहत**

पंजीकरण को दी गई थी छह माह की अवधि

रीजीजू ने कहा कि वक्फ कानून बनाने के बाद हमने उम्मीद पोर्टल शुरू किया था और सभी वक्फ संपत्तियों को पोर्टल पर पंजीकृत करने के लिए संबंधित पक्षों को छह महीने की अवधि दी गई थी। आज आखिरी दिन है और अब भी लाखों संपत्तियों का पंजीकरण नहीं हो सका है। कई सांसदों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने पोर्टल की मियाद बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि अब तक उम्मीद पोर्टल पर 1.51 लाख वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण हुआ है। मंत्री ने कहा कि मैं उन भी मुतवल्लियों को आश्वस्त करता हूं कि अगले तीन महीनों तक कोई जुर्माना नहीं लगाएंगे या कोई सख्त कार्रवाई नहीं करेंगे जिन्होंने पंजीकरण की कोशिश की, किसी कारणवश पंजीकरण नहीं हो सका।

कर्नाटक में हिजाब और भगवा शॉल को लेकर फिर विवाद

हावेरी। कर्नाटक के हावेरी जिले के कॉलेज में विद्यार्थियों के कुछ ग्रुप हिजाब और भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचे, जिसके कारण कॉलेज परिसर में तनाव उत्पन्न हो गया। अक्की अलूर गांव स्थित सीजी बेल्लाड सरकारी कॉलेज की इस घटना ने कर्नाटक के शैक्षणिक संस्थानों ड्रेस-कोड पर बहस को फिर से सुर्खियों में ला दिया है।

विद्यार्थियों का समूह गुरुवार को ये शिकायत करते हुए भगवा शॉल के साथ कक्षा में पहुंचा था कि वे कॉलेज प्रशासन द्वारा पोषाक के नियमों को लागू करने में कथित विफलता के खिलाफ आवाज उठाना चाहते थे। विद्यार्थियों ने कहा कि उन्होंने बार-बार शिकायत की थी।

मंदिर का पैसा अराध्य का, सहकारी बैंक को बचाने के लिए नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि किसी मंदिर के अराध्य के धन का उपयोग वित्तीय संकटग्रस्त सहकारी बैंकों को सहारा देने के लिए नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने यह कड़ी टिप्पणियां कुछ सहकारी बैंकों द्वारा दायर अपील पर सुनवाई के दौरान कीं। सुप्रीम कोर्ट ने केरल हाईकोर्ट के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

अपील में केरल हाईकोर्ट के उस निर्देश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बैंकों से थिरुनेल्ली मंदिर देवास्वोम को जमा राशि लौटाने को कहा गया था। प्रधान न्यायाधीश ने सवाल किया, आप मंदिर के धन का उपयोग बैंक को बचाने के लिए करना चाहते हैं? यह निर्देश देने में क्या गलत है कि मंदिर का धन, संकट ग्रस्त सहकारी बैंक में रखने के बजाय राष्ट्रीयकृत बैंक में जमा किया जाना चाहिए जो अधिकतम ब्याज दे सके। पीठ ने कहा कि मंदिर का धन अराध्य का है और इसको मंदिर के हितों, संरक्षित के लिए उपयोग किया जाना चाहिए तथा यह किसी सहकारी बैंक के लिए आय या जीवनयापन का स्रोत नहीं बन सकता।

- **कुछ सहकारी बैंकों की याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने की टिप्पणी**

न्यायपालिका में एआई के उपयोग पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक प्रणाली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के अनियमित उपयोग को रोकने से संबंधित जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई से शुक्रवार को इन्कार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह न्यायपालिका में एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों के दुष्प्रभावों से अवगत है, लेकिन इन मुद्दों का समाधान न्यायिक निर्देशों के बजाय प्रशासनिक स्तर पर अधिक उपयुक्त रूप से किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम लाल दास की दलील सुनी, जो याचिकाकर्ता कार्तिकेय रावल की ओर से पेश हुए थे।

कुलपतियों की नियुक्त पर बनाएं सहमति

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल में दो विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के चयन को लेकर अगर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन व राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर के बीच सहमति नहीं बन पाती है तो वह समाधान के लिए हस्तक्षेप करेगा। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और पीबी वराले की पीठ एपीजे अब्दुल कलाम प्रौद्योगिकी विवि और डिजिटल विज्ञान नवाचार एवं प्रौद्योगिकी विवि के कुलपतियों की नियुक्ति पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने राज्यपाल के अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि और मुख्यमंत्री के अधिवक्ता जयदीप गुप्ता को गतिरोध समाप्त करने को समाधान खोजने का निर्देश दिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

एअर एंबुलेंस नहीं पहुंची, अब बीमार जिया कल जाएंगी लंदन

ढाका। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की उपचार के वास्ते लंदन रवानगी रविवार तक के लिए टल गई है। कतर की पेशकश वाली 'एअर एंबुलेंस' के यहां नहीं पहुंच पाने के कारण यह देरी हुई है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को 23 नवंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वह बृहस्पतिवार देर रात या शुक्रवार तड़के लंदन रवाना होने वाली थीं। बीएनपी महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा, 'अगर सब कुछ ठीक रहा तो एअर एम्बुलेंस कल शनिवार पहुंचने की संभावना है। यदि मैडम का मेडिकल बोर्ड इसकी मंजूरी देता है तो इंशाअल्लाह वह रविवार को लंदन के लिए उड़ान भरेंगी।

इजराइल ने थाईलैंड को वायु रक्षा प्रणाली देने की घोषणा की

यरूशलम। इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि वह रॉयल थाई वायु सेना को एक एडवांस्ड वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति करेगी। बयान में वायु रक्षा प्रणाली की रकम और आपूर्ति की तारीख का कोई उल्लेख नहीं किया गया है लेकिन इजराइली मीडिया की मानें तो यह पूरी डील लगभग 107 मिलियन अमेरिकी डॉलर की है। आईएआई ने बताया कि उसका बराक एमएक्स इंटीग्रेटेड एयर- और मिसाइल-डिफेंस सिस्टम थाईलैंड को पहली मीडियम-रेंज एयर-डिफेंस क्षमता देगा, जो बैलिस्टिक और हवाई दोनों तरह के खतरों से पूरी सुरक्षा देगा। यह प्रणाली थाई एयरस्पेस को ड्रोन, फाइटर जेट, क्रूज मिसाइलों और 150 किलोमीटर तक की रेंज वाली मिसाइलों से बचाएगी।

अमेरिका : पुतिन के करीबी से जुड़ी कंपनी पर 71 लाख डॉलर जुर्माना

वाशिंगटन। अमेरिका के वित्त विभाग ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के करीबी उद्योगपति ओलेग देरिपस्का की आलीशान रियल एस्टेट संपत्तियों का प्रबंधन करके पाबंदियों का उल्लंघन करने के आरोप में न्यूयॉर्क में स्थित एक कंपनी पर 71 लाख डॉलर का जुर्माना लगाया है। वित्त विभाग के विदेशी संपत्तियां नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने कहा कि ग्रेसटाउन इंक नामक संपत्ति प्रबंधन कंपनी को देरिपस्का के स्वामित्व वाली एक कंपनी की ओर से अप्रैल 2018 से मई 2024 के बीच 24 बार भुगतान के जरिए कुल 31,250 अमेरिकी डॉलर की राशि हासिल हुई। ओएफएसी ने कहा कि उसने ग्रेसटाउन को नोटिस जारी कर कहा था कि देरिपस्का के साथ लेनदेन पर प्रतिबंध है, लेकिन कंपनी लेनदेन करती रही।

पाकिस्तान: हिंदू छात्राओं को धमकी पढ़ना है तो इस्लाम धर्म अपनाओ

करांची, एजेंसी

- छात्राओं के अभिभावकों ने लगाया आरोप, सरकार के शिक्षा मंत्री ने दिया जांच का आदेश

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में कुछ हिंदू स्कूली छात्राओं पर पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपनाने के लिए दबाव डाला गया और उन्हें स्कूल में कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया। छात्राओं के अभिभावकों की ओर से जताए गए विरोध के बाद मामला मीडिया के जरिए जानकारी में आने पर सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं।

नवंबर के अंत में, सिंध के मिरपुर साक्रो में स्थित सरकारी उच्च विद्यालय की कुछ हिंदू छात्राओं के माता-पिता ने मीडिया को बताया था कि स्कूल की प्रधानाध्यापिका ने हिंदू छात्राओं से कहा था कि वे अपनी पढ़ाई जारी रखने के लिए इस्लाम धर्म अपना लें। माता-पिता ने आरोप लगाया कि हिंदू छात्राओं को कलमा पढ़ने के लिए मजबूर किया गया और उनके धर्म का मजाक उड़ाया गया। इस आरोप के बाद आक्रोश फैल गया। माता-पिता ने यह दावा भी किया कि इस्लाम धर्म अपनाने या कलमा पढ़ने से इन्कार करने पर कुछ छात्राओं को उनके घर लौटा दिया गया। धार्मिक मामलों के राज्य मंत्री खीसो मल खील दास ने बृहस्पतिवार को संसद के उच्च सदन सीनेट को बताया कि प्रांतीय शिक्षा मंत्री ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है।

भारत के लिए नए भविष्य की उम्मीद

अमेरिका के साथ लगातार कटु होते संबंधों और व्यापार तनाव के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की दो दिवसीय भारत यात्रा के दौरान कई प्रमुख समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और संचार के क्षेत्रों में किए गए इन समझौतों का उद्देश्य भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार को सौ बिलियन डॉलर तक ले जाना और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। भारत ने इन समझौतों के साथ पश्चिमी देशों को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का स्पष्ट संदेश तो दिया ही है, अपने सुदृढ़ भविष्य के लिए एक नया मार्ग भी प्रशस्त किया है। माना जा रहा है कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए एक जटिल संतुलन बनाने की कोशिश की है, इससे अमेरिका से संबंधों पर तो कुछ असर पड़ सकता है, लेकिन भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को इससे मजबूती मिलेगी।

रूस के साथ समझौते

2030 तक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम

भारत-रूस का 2030 तक व्यापार-निवेश का विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी कार्यक्रम, लक्ष्य व्यापार को 100 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना।

भारत के लिए परिणाम

- भारत का लक्ष्य रूस को फार्मास्यूटिकल्स, कृषि उत्पाद और मशीनरी का निर्यात बढ़ाकर व्यापार असंतुलन को कम करना है।
- द्विपक्षीय बस्तियों की प्रणाली विकसित करने से अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम होगी, प्रतिबंधों के प्रभाव से बचा जा सकेगा।
- महत्वपूर्ण खनिजों, उर्वरकों और अन्य आवश्यक वस्तुओं के लिए भारत की आपूर्ति शृंखलाओं में विविधता लाने में मदद मिलेगी।

रक्षा-सैन्य तकनीकी सहयोग

रक्षा संबंधों को नया रूप देने पर सहमति, लॉजिस्टिक सपोर्ट का पारस्परिक आदान-प्रदान भी शामिल।

भारत के लिए परिणाम

- युद्धपोतों, सैन्य विमानों को एक-दूसरे के बंदरगाहों व सैन्य सुविधाओं तक पहुंच, परिचालन पहुंच बढ़ेगी।
- रक्षा उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की सुविधा इससे भारत की रक्षा विनिर्माण क्षमता मजबूत होगी।
- भारत को सोवियतयुग के सैन्य हार्डवेयर को उन्नत रूसी प्रौद्योगिकी के साथ आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी।
- रूस से मजबूत रक्षा संबंध पश्चिमी देशों के दबाव के बाद भी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखने में मदद करेंगे।

ऊर्जा भागीदारी, परमाणु सहयोग

भारत को तेल, गैस और कोयले की निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन, कुडनकुलम की शेष इकाइयों के निर्माण और नए परमाणु ऊर्जा संयंत्र स्थलों पर चर्चा में प्रगति।

भारत के लिए परिणाम

- रूस से निरंतर ऊर्जा आपूर्ति भारत की बढ़ती अर्थ व्यवस्था के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करती है।
- परमाणु ऊर्जा सहयोग से भारत को अपने स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने में काफी मदद मिलेगी।

कनेक्टिविटी, मोबिलिटी

अंतर्राष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री गलियारे समेत परिवहन गलियारों में सहयोग।

भारत के लिए परिणाम

- मध्य एशिया और यूरोप के लिए एक छोटा और सस्ता व्यापार मार्ग मिलने से भारतीय निर्यातकों को लाभ।
- ये गलियारे भारत की पहुंच को यूरेशिया तक बढ़ाते हैं, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और प्रभाव में वृद्धि होती है।
- भारतीय श्रमिकों, रूसी पर्यटकों की यात्रा को आसान बनाएंगे, सांस्कृतिक-व्यक्तिगत संबंध मजबूत होंगे।

अमेरिका के नजरिए से...

समझौते दर्शाते हैं कि भारत अमेरिकी दबाव के बावजूद रूस के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत ने रूस से ऊर्जा आयात बढ़ाना जारी रखा है और रुपये-रूबल व्यापार तंत्र को परिष्कृत कर रहा है, जो अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने का एक तरीका है।

गांधी की समाधि पर पुतिन नतमस्तक अहिंसा व सच्चाई के लिए किया याद

लिखा- नई, निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया के सिद्धांत का प्रभाव आज भी कायम

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर शीश नवाया और उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके साथ रूसी राष्ट्रपति ने बापू की समाधि की परिक्रमा भी की। उन्होंने भारत की आजादी के सर्वोच्च नायक को अहिंसा और सच्चाई के लिए याद किया और उनकी समाधिक पर पुष्पचक्र चढ़ाने के साथ उनके प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की।

पुतिन ने राजघाट पर रखी स्मारिका में रूसी भाषा में लिखा, महात्मा गांधी ने अहिंसा और सच्चाई के जरिए हमारी धरती पर शांति के लिए एक अनमोल योगदान दिया, जिसका प्रभाव आज भी कायम है। उन्होंने लिखा कि महात्मा गांधी ने एक नई, ज्यादा निष्पक्ष और बहुध्रुवीय दुनिया की व्यवस्था का रास्ता दिखाया, जो अब बन रही है। रूस के राष्ट्रपति ने स्मारिका में लिखा, समानता, आपसी सम्मान और सहयोग पर अपनी शिक्षाओं में आज भी भारत दुनिया के लोगों के साथ मिलकर और अंतरराष्ट्रीय मंच पर इन्हीं सिद्धांतों और मूल्यों की रक्षा करता है। उन्होंने यह भी लिखा, रूस भी ऐसा ही करता है।

राजघाट पर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे पुतिन।

राष्ट्रपति भवन में पुतिन का किया गया औपचारिक स्वागत

नई दिल्ली। भारत की यात्रा पर आए रूस के राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन का प्रधानमंत्री मोदी के साथ होने वाली शिखर वार्ता से पहले शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति भवन में औपचारिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पुतिन ने एक-दूसरे का अपने-अपने देश के गणमान्य व्यक्तियों से परिचय कराया। पुतिन ने सलामी गारद का भी निरीक्षण किया। गुरुवार शाम यहां पहुंचे पुतिन का खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पालम हवाई अड्डे पर पहुंचकर गले लगकर स्वागत किया था। हवाईअड्डे से दोनों नेता मोदी के सरकारी आवास तक एक ही कार में गए, जहां निजी रात्रिभोज का आयोजन किया गया था।

रूसी राष्ट्रपति ने मोदी से कहा- मुझे आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद

- अपने भारत दौरे के सकारात्मक नतीजा निकलने की उम्मीद जताई

नई दिल्ली। पुतिन ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें भारत आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री के साथ बैठक के दौरान पुतिन ने कहा, प्रिय प्रधानमंत्री, प्रिय दोस्तों, सबसे पहले निमंत्रण और कल की बहुत अच्छी शाम के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

यूक्रेन मुद्दे पर शांति के प्रति रूस की प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए पुतिन ने विश्वास जताया कि भारत में उनके इस दौरे के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। उन्होंने रूस और भारत के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए यूक्रेनी मुद्दे को हल करने में मदद के लिए मोदी के प्रयासों की सराहना की। साथ ही शांतिपूर्ण समाधान के संबंध में रूस और अमेरिका की कार्रवाइयों के बारे में भी सूचित करते हुए कूटनीति और बातचीत का उल्लेख किया।

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पुतिन की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दोनों देश तेजी से जटिल होते भू-राजनीतिक परिदृश्य से गुजर रहे हैं। रूस पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है और भारत रूस के साथ ऐतिहासिक संबंधों को संतुलित करते हुए अमेरिका के साथ मजबूत संबंध बनाए रखने के लिए काम कर रहा है।

मीडिया पर प्रतिबंध के खिलाफ न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन पर ठोका मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी मीडिया हाउस 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने गुरुवार को अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मीडिया पर लगाए गए प्रतिबंधात्मक नियमों को लेकर मुकदमा दायर किया है। अखबार का आरोप है कि मंत्रालय की यह नीति संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान के प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है। कोलंबिया के जिला न्यायालय में दायर इस मुकदमे में रक्षा विभाग, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता शॉन पार्नेल को प्रतिवादी बनाया गया है।

शिकायत में बताया गया है कि छह अक्टूबर को मंत्रालय ने पेंटागन फैसिलिटी अल्टरनेट क्रेडेंशियल्स पर एक नई नीति जारी की, जिसे पेंटागन बैज या बिल्डिंग पास भी कहा जाता है। यह नीति मंत्रालय के अधिकारियों को असीमित विवेक प्रदान करती है। इसके अंतर्गत वे वैध समाचार संकलन में शामिल पत्रकार की मान्यता को तुरंत निलंबित और अंततः रद्द तक कर सकते हैं। यह नियम पेंटागन परिसर के अंदर और बाहर दोनों जगह पत्रकारिता गतिविधियों पर लागू होता है, या यदि कोई पत्रकार ऐसी जानकारी प्रकाशित करता है जिसे विभाग के अधिकारियों ने मंजूरी नहीं दी है। शिकायत में कहा है, यह नीति पहले संशोधन का उल्लंघन करते हुए पत्रकारों की उस क्षमता को प्रतिबंधित करने का प्रयास करती है जो वे हमेशा करते आए हैं। यानी सरकारी कर्मचारियों से सवाल पूछना या ऐसी खबरों के लिए जानकारी जुटाना जो जनता को सिर्फ आधिकारिक घोषणाओं से परे ले जाएं।

- रक्षा मंत्री हेगसेथ, उनके प्रवक्ता समेत कई को बनाया प्रतिवादी

रक्षा मंत्री पर गोपनीय सैन्य योजना लीक करने का आरोप

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने यमन में हूती विद्रोहियों पर होने वाले सैन्य हमले से संबंधित संवेदनशील योजनाएं अपने निजी फोन से साझा करके अमेरिकी सैनिकों को जोखिम में डाल दिया। पेंटागन के महानिरीक्षक की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। रिपोर्ट में गैरअनुमोदित मैसेजिंग ऐप और उपकरणों के इस्तेमाल को लेकर भी उन पर सवाल उठाए गए हैं। महानिरीक्षक ने पाया कि हेगसेथ के पास 'सिग्नल चैट' नामक मैसेजिंग ऐप में साझा की गई जानकारी को 'डी-क्लासिफाई' यानी गोपनीय श्रेणी से हटाने का अधिकार था। रिपोर्ट में कहा गया है कि हूती विद्रोहियों पर होने वाले हमले का संवेदनशील विवरण जारी करना, पेंटागन के आंतरिक नियमों का उल्लंघन है।

मस्क के सोशल मीडिया मंच एक्स पर 12 करोड़ यूरो जुर्माना

लंदन। यूरोपीय संघ के नियामकों ने शुक्रवार को एलन मस्क के सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर डिजिटल नियमों का पालन न करने के लिए 12 करोड़ यूरो (लगभग 14 करोड़ डॉलर) का जुर्माना लगाया। यूरोपीय आयोग ने यह निर्णय दो साल पहले ''एक्स'' (पूर्व में ट्विटर) के खिलाफ शुरू की गई जांच के बाद लिया है। यह जांच 27 सदस्यीय यूरोपीय संघ के डिजिटल सेवा अधिनियम (डीएसए) के तहत की गई थी। डीएसए एक व्यापक कानून है जो सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन मंच से कहता है कि यूरोप के उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए वे ज्यादा जिम्मेदारी लें और अपनी साइट पर आने वाली हानिकारक या गैर-कानूनी सामग्री तथा उत्पादों को तुरंत हटाएं। अगर वे ऐसा नहीं करते तो बहुत भारी जुर्माना लग सकता है।

आयोग ने कहा कि वह सोशल मीडिया मंच एक्स को डीएसए की पारदर्शिता आवश्यकताओं के तीन अलग-अलग उल्लंघनों के कारण दंडित कर रहा है। नियामकों ने कहा कि 'एक्स' के नीले टिक निशान नियमों का उल्लंघन करते हैं क्योंकि उनका भ्रामक डिजाइन उपयोगकर्ताओं को धोखाधड़ी और गलत जानकारी के जोखिम में डाल सकता है।

पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभाए जापान: चीन

बीजिंग। चीन ने जापान से द्वितीय विश्व युद्ध में पराजित देश के रूप में अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने, युद्धोत्तर अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती देना बंद करने तथा एशिया-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता को नुकसान पहुंचाने से बचने का आग्रह किया।

चीन के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह टिप्पणी जापानी सरकार की ओर से रक्षा व्यय में वृद्धि को मंजूरी देने और फिलीपींस के साथ जापानी मिसाइल के निर्यात पर बातचीत करने के संदर्भ में की। जियांग बिन ने जापान की आलोचना करते हुए कहा कि हाल के वर्षों में जापान ने बार-बार अपने शांतिवादी संविधान के तहत दी गई प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन ,रक्षा बजट में भारी वृद्धि और घातक हथियारों के निर्यात को बढ़ावा दिया है तथा अपने तीन गैर-परमाणु सिद्धांतों में संशोधन करने का प्रयास किया है। कहा, जापान ने सैन्य विकास पर लगी पाबंदियों को तेजी से ढीला किया है, जिससे वहां सैन्यवाद के फिर उभरने का खतरा पैदा हो गया है।

विश्व कप, ओलंपिक और निवेशक वीजा आवेदनों को प्राथमिकता देगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

- दुनिया भर में 400 अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी तैनात किए

ट्रंप प्रशासन ने दुनिया भर में अमेरिकी दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों को निर्देश दिया है कि वे उन विदेशियों के वीजा आवेदनों को प्राथमिकता दें जो अमेरिका में निवेश करना चाहते हैं या 2026 विश्व कप, 2028 ओलंपिक और अन्य प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने आ रहे हैं। अमेरिका ने इसके साथ वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारी भी तैनात किए हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार, अमेरिका में महत्वपूर्ण निवेश पर विचार कर रहे व्यापारियों और अमेरिकी उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले प्रमुख खेल आयोजनों में भाग लेने के लिए यात्रा करने वालों के वीजा आवेदन प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर होंगे। यह कदम अमेरिका में होने वाले बड़े खेल आयोजनों से पहले प्रशंसकों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, विश्व कप के प्रशंसकों के आवेदनों को सभी अन्य बी1/बी2 आवेदनों पर प्राथमिकता दी जाएगी। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने बताया कि वीजा आवेदन संभालने के लिए दुनिया भर में 400 से अधिक अतिरिक्त कांसुलर अधिकारियों को तैनात किया गया है।

ट्रंप प्रशासन ने उच्च कौशल वाले विदेशी श्रमिकों के एच-1बी वीजा आवेदनों पर विचार के लिए नए मानदंड निर्धारित किए हैं। उन आवेदकों पर विशेष नजर रखने का निर्देश दिया गया है जो ऑनलाइन या अन्य माध्यमों से अमेरिकी नागरिकों की सेंसरशिप में शामिल या उसके लिए जिम्मेदार रहे हैं।

अमर्यादित भाषा: आप्रवासियों को कचरा कहने पर घिरे ट्रंप

न्यूयॉर्क। सोमालिया के आप्रवासियों को 'कचरा' कहने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान की काफी आलोचना हो रही है। मिनेसोटा राज्य के डेमोक्रेटिक पार्टी के गवर्नर टिम वाल्ज ने ट्रंप के बयान की निंदा करते हुए इसे भद्दा बताया।

वाल्ज ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रंप ने मिनेसोटा के सभी निवासियों को बदनाम किया, जहां अमेरिका के दूसरे राज्यों की तुलना में सबसे अधिक सोमालियाई आप्रवासी रहते हैं। उन्होंने कहा कि सोमालियाई आप्रवासियों के प्रति ऐसी नफरत भरी टिप्पणियां पहले कभी किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने नहीं कीं। वाल्ज ने कहा, आज हमारे छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जा रहे हैं, जबकि उनके ही राष्ट्रपति उन्हें कचरा कह रहे हैं। कई बुद्धिजीवियों ने भी ट्रंप की इस टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। एल्बनी में स्थित न्यूयॉर्क स्टेट यूनिवर्सिटी में इतिहास के प्रोफेसर कार्ल बोन टेम्पो ने कहा, उन्होंने रोजमर्रा की बातचीत में इस तरह की भाषा को ज्यादा सामान्य बना दिया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 दिसंबर, शनिवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- पौष, पक्ष-कृष्ण पक्ष, द्वितीया 6 दिसंबर 21.25 तक तत्पश्चात तृतीया।

आज का पंचांग

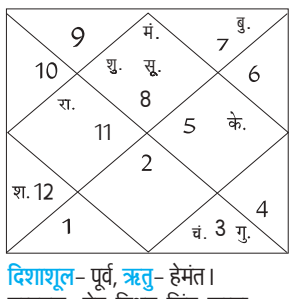

दिशाशूल- पूर्व, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- मृगशिरा 08.48 तक तत्पश्चात आर्द्रा 07 दिसंबर 06.13 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

मेष — आज भूमि-संपत्ति को लेकर महत्वपूर्ण अनुबंध हो सकते हैं। नया ज्ञान अर्जित करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिवार में शांति का वातावरण रहेगा। आपके जनसंपर्क का दायरा बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

वृष — आज धन अनावश्यक बर्बाद हो सकता है। किसी बड़े कार्य को लेकर परेशानी दूर होगी। व्यवसाय में जल्दबाजी के कारण नुकसान हो सकता है। आपकी बातों का लोग बुरा मान सकते हैं। मित्रों के साथ आप काफी समय बिताएंगे।

मिथुन — आज आपका पारिवारिक जीवन अत्यंत सुखमय रहेगा। परिवार के साथ समय बिताने के लिए आप काम से छुट्टी भी ले सकते हैं। मानसिक रूप से सुकून का अनुभव करेंगे। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताएंगे।

कर्क — आज पोषण की कमी के कारण शरीर में थकावट महसूस होगी। प्रेम संबंधों को लेकर मन थोड़ा विचलित रहेगा। ऐसा कोई कार्य न करें, जिससे आपको बाद में पछताना पड़े। अपने मन की बातें सभी से शेयर न करें। लोग आपका मजाक भी बना सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र की चुनौतियां दूर होंगी। दूर के रिश्तेदारों से मुलाकात होने के योग बन रहे हैं। आप लोगों की सहायता करने को लेकर तत्पर रहेंगे। लोहा और शराब कारोबारियों के लिए दिन विशेष रूप से बहुत ही अच्छा है।

कन्या — आज विरोधी आपके सामने कमजोर पड़ जाएंगे। समाज में आपका प्रभाव बढ़ेगा। आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। दिनचर्या सुव्यवस्थित रहेगी। मन में थोड़ी-बहुत कन्फ्यूजन की स्थिति रहेगी। अपने काम से संतुष्ट नहीं रहेंगे।

तुला — आज कारोबार में आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी। घरेलू खर्चों को कम करने की आवश्यकता है। अनावश्यक यात्राएं हो सकती हैं। आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट सकता है। गूढ़ विषयों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज आपको किसी योग्य व्यक्ति से परामर्श लेना चाहिए। मन में नकारात्मक विचार और अज्ञात भय व्याप्त हो सकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अच्छा नहीं है। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों का मन पढ़ाई से उचट सकता है।

धनु — आज आप अपने कार्य की गुणवत्ता पर अत्यधिक ध्यान देंगे। दांपत्य संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन बहुत शानदार रहेगा। अपने निर्णयों को दूसरों पर थोपने से बचें। विवाह योग्य लोगों को उत्तम रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज आप अपने करियर को लेकर थोड़े चिंतित रहने वाले हैं। सरकारी नौकरी करने वालों को उत्तम सफलता मिलेगी। विदेश यात्रा की संभावना बन रही है। आप नई तकनीक का प्रयोग सीखने का प्रयास करेंगे।

कुंभ — आज नई परियोजनाओं की शुरुआत कर सकते हैं। उधार दिया हुआ धन वापस मिलने की संभावना बन रही है। पेट में वायु विकार उत्पन्न होने की संभावना है। दोस्तों के साथ आप घूमने जा सकते हैं। अपने भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

मीन — आज का दिन आपके लिए शुभ नहीं है। आपके सम्मान को ठेस पहुंच सकती है। काम को लेकर आपको यात्रा करनी पड़ेगी। सोशल मीडिया पर अधिक समय बर्बाद न करें। अजीबोगरीब स्थितियों का सामना करना पड़ सकता है।

सुडोकू-182

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	1			2				
4								
		5						
1								
		2						
	6				9			
	8						7	

सुडोकू - 181 का हल

1	2	5	3	6	8	4	9	7
8	3	9	1	4	7	2	5	6
4	6	7	9	2	5	8	3	1
3	9	6	2	7	1	5	4	8
5	1	2	8	3	4	7	6	9
7	8	4	5	9	6	3	1	2
2	5	3	6	8	9	1	7	4
9	4	8	7	1	3	6	2	5
6	7	1	4	5	2	9	8	3

उमरान मलिक एक बेहतरीन गेंदबाज हैं। मुझे लगता है कि आईपीएल में छोटे मैदान और अच्छी पिचें होने के कारण आपको तेज गेंदबाज़ी के लिए एक एक्स फैक्टर की ज़रूरत होती है। मुझे लगता है कि वहअच्छा प्रदर्शन करेगा।
-सुनील नारायण

स्टेडियम

बरेली, शनिवार,6 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

सेंथिलकुमार और अनाहत चैंपियन बने

चेन्नई। राष्ट्रीय चैंपियन वेलावन सेंथिलकुमार ने शुक्रवार को यहां स्क्वाश इंडियन टूर 4 में पुरुष वर्ग का और अनाहत सिंह ने महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। शीर्ष वरीय और दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी सेंथिलकुमार ने मिस्र के एडम हवाल को 11-7, 11-9, 9-11, 11-4 से हराकर पुरुषों का खिताब जीता। महिलाओं के फाइनल में दिल्ली की अनाहत सिंह (दुनिया की 29वें नंबर की खिलाड़ी) ने अनुभवी हमवतन जोशना चिनप्पा (पूर्व नंबर 10) को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 11-8, 11-13, 11-13, 11-6, 11-8 से शिकस्त दी।

बेंगलुरु में खेला जाएगा टेनिस का मुकाबला

बेंगलुरु। भारत और नीदरलैंड के बीच सात-आठ फरवरी को होने वाले डेविस कप क्वालीफायर की मेजबानी का अधिकार शुक्रवार को बेंगलुरु को मिला जिसने बोली में दिल्ली को पीछे छोड़ दिया। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने इस साल फरवरी में टोगो की मेजबानी की थी और उसने भी इस अहम मुकाबले को आयोजित करने में दिलचस्पी दिखाई थी। बेंगलुरु ने पिछली बार 2017 में उज्बेकिस्तान के खिलाफ डेविस कप मुकाबले की मेजबानी की थी जिसमें मेजबान टीम 4-1 से जीत गई थी। कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस संघ (केएसएलटीए) ने हाल में शहर में बिली जीन किंग कप प्ले-ऑफ की मेजबानी की थी। भारत ने सितंबर में विश्व ग्रुप एक के पहले दौर में स्विट्जरलैंड को हराकर क्वालीफायर चरण में जगह बनाई जबकि नीदरलैंड दूसरे दौर में अर्जेंटीना से इसी अंतर से हार गया था।

आईपीबीएल: मुंबई ने जीत का खाता खोला

नई दिल्ली। मुंबई स्मैशर्स ने कैपिटल वॉरियर्स गुड़गांव को 4-2 से हराकर इंडियन पिकलबॉल लीग (आईपीबीएल) में अपनी पहली जीत के साथ नॉकआउट में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को जीवित रखा। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद रॉयल्स ने वापसी करते हुए बेंगलुरु ब्लास्टर्स को 3-3 से बराबरी पर रोक दिया। इस परिणाम से नॉकआउट की तीन दावेदार टीम टाई अंक, मैच अंक और आपसी मुकाबले के परिणाम के मामले में बराबरी पर आ गयी। अंतिम नॉकआउट स्थान के लिए मुंबई, गुड़गांव और बेंगलुरु के बीच तीन टीम का प्ले-इन होगा। शनिवार प्ले-इन मुकाबलों की विजेता टीम चौथे स्थान पर अपनी जगह पक्की कर क्वालीफायर एक में तीसरे स्थान की टीम से भिड़ेगी।

फखर जमां ने आचार संहिता तोड़ी

दुबई : पाकिस्तान के बैटर फखर जमां पर मैच फीस का 10 परसेंट जुर्माना लगाया गया है। उन्हें 29 नवंबर को श्रीलंका के खिलाफ ट्राई-सीरीज फाइनल के दौरान आईसीसी कोड ऑफ़ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने का दोषी पाया गया। जमान को आईसीसी कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.8 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जो प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए है, जो इंटरनेशनल मैच के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति दिखाने से जुड़ा है।

अर्धशतकीय पारी के दौरान शॉट लगाते ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन। एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया ने बनाई 44 रनों की बढ़त

ब्रिस्बेन (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

एशेज सीरीज : दूसरा दिन

- **इंग्लैंड ने पांच कैच छोड़े, रूट 138 रन बनाकर नाबाद रहे**
- **ऑस्ट्रेलिया के वेदरॉल्ड, लाबुशेन और स्मिथ ने ठोके अर्धशतक**

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : **334/10** (पहली पारी)
ऑस्ट्रेलिया : **378/6** (पहली पारी जारी)

ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम के सभी बल्लेबाजों को मिली अच्छी शुरुआत से शुक्रवार को यहां एशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन स्टंप तक इंग्लैंड के खिलाफ छह विकेट पर 378 रन बनाकर पहली पारी में 44 रन की बढ़त हासिल कर ली।

इंग्लैंड को खराब गेंदबाजी और कम से कम पांच कैच छूटने से काफी नुकसान हुआ जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज फायदा उठाने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड ने ऑस्ट्रेलिया की पारी की तेज शुरुआत कराते हुए 72 गेंद में 78 रन बनाए जबकि मार्नस लाबुशेन (65) ने लगातार दूसरा अर्धशतक पूरा किया और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ ने 61 रन बनाए। गाबा की पिच में कुछ असमान उछाल के बावजूद दिन में बल्लेबाजों का दबदबा रहा। एलेक्स कैरी का दो बार कैच छूटा। एक बार जब उन्होंने खाता भी नहीं खोला था और फिर 25 रन पर उनका कैच छूटा जिससे वह स्टंप तक 45 गेंद में 46 रन बनाकर खेल रहे हैं। माइकल नेसर को भी एक जीवनदान मिला जिससे वह 7वें विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी में 15 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पर्थ में सीरीज का पहला मैच दूसरे ही दिन खत्म हो गया था जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीत हासिल की थी। पर ब्रिस्बेन में यह दिन-रात्रि टेस्ट लंबा चलता दिख रहा है। इंग्लैंड ने दूसरे दिन सुबह नौ विकेट पर 325 रन से आगे खेलना शुरू किया, पर 11वें नंबर के खिलाड़ी जोफ्रा आर्चर के आउट होने से पहले स्कोर में 14 गेंद में नौ रन और जोड़े। रूट ने 135 रन से खेलना शुरू किया पर जब आखिरी विकेट के लिए 70 रन की भागीदारी खत्म हुई तो वह 138 रन बनाकर नाबाद रहे जो ऑस्ट्रेलिया में उनका पहला एशेज शतक है। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की जीत के नायक रहे ट्रेविस हेड ने नौवें ओवर में विकेटकीपर स्मिथ द्वारा आर्चर की गेंद पर तीन रन पर कैच छूटने के बाद 30 रन और जोड़े।

रोहित-कोहली से फिर अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निर्णायक मुकाबला आज दोपहर 1.30 बजे से, गेंदबाजों की होगी कड़ी परीक्षा

विशाखापत्तनम, एजेंसी

भारत विराट कोहली और रोहित शर्मा से फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करते हुए दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुक्रवार को यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच में जीत हासिल करके शृंखला अपने नाम करने की कोशिश करेगा। भारत के कुछ युवा खिलाड़ी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और ऐसे में उन पर दबाव होगा। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट शृंखला जीतने के बाद अब वनडे शृंखला जीतने में भी कसर नहीं छोड़ेगा और ऐसे में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की जरूरत है।

भारत अगर इस मैच में जीत हासिल करता है तो पिछले कुछ समय से टीम को लेकर चल रही अटकलें पर भी विराम लग जाएगा। इसके लिए कोहली और रोहित को फिर से अपना महत्वपूर्ण योगदान देना होगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन दोनों का वनडे क्रिकेट में कोई सानी नहीं है और उन्हें इस तरह के दबाव वाले मैच में खेलने का अच्छा अनुभव है। इसलिए भारत की जीत में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी। रोहित और कोहली अपनी करियर के अवसान पर हैं और वह इसमें एक और गौरवशाली अध्याय जोड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली ने अपनी पिछली तीन पारियों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, जबकि रोहित ने अपनी पिछली चार पारियों में एक शतक और दो अर्धशतक लगाए हैं। उन्हें कुछ युवा बल्लेबाजों का अच्छा सहयोग मिल रहा है जैसा कि पिछले मैच में रुतुराज गायकवाड़ ने अपना योगदान दिया था। उन्होंने अपना पहला वनडे शतक लगाया था। लेकिन यशस्वी जायसवाल को अभी भी इस श्रृंखला में सलामी बल्लेबाज के रूप में अपनी क्षमता का भरपूर प्रदर्शन करना बाकी है। यह प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ी अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने के लिए उत्सुक होगा।

जायसवाल को बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ जूझना पड़ रहा है फिर चाहे वह वेस्टइंडीज के जेडन सील्स हों या इस श्रृंखला में मार्को यानसन और नांद्रे बर्गर। वह अपने करियर में 30 बार बाएं हाथ के गेंदबाजों का शिकार बने हैं।

जायसवाल और टीम प्रबंधन इससे अनजान नहीं रह सकते और इसमें सुधार करने का काम शायद पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन अगर वह सुधार नहीं कर पाए तो टीम को अन्य विकल्पों पर विचार करने के लिए बाध्य होना पड़ सकता है। टीम के पास गायकवाड़ के रूप में एक अदद सलामी बल्लेबाज मौजूद है। एसीए-वीडीसीए स्टेडियम की पिच अक्सर बल्लेबाजों के अनुकूल होती है और भारत का यहां शानदार रिकॉर्ड रहा है। उसने यहां 2005 से 10 एकदिवसीय मैचों में से सात में जीत हासिल की है लेकिन यहां खेले गए पिछले मैच में उसे आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था।

भारत वाशिंगटन सुंदर को विश्राम देकर उनकी जगह तिलक वर्मा को मध्यक्रम की बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए अंतिम एकादश में शामिल करने पर भी गंभीरता से विचार करेगा। ऋषभ पंत भी एक विकल्प हो सकते हैं लेकिन तिलक स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते हैं और वह बेहतरीन क्षेत्ररक्षक के भी हैं। कप्तान केएल राहुल ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन इस श्रृंखला में ओस के कारण टॉस की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो गई है। भारत वनडे में पिछले 20 मैच से टॉस नहीं जीत पाया है जिसका खामियाजा उसे रायपुर में दूसरे वनडे में भुगतना पड़ा। भारतीय गेंदबाज भी अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। अब भारत को उम्मीद होगी कि उनके युवा तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और हर्षित राणा अच्छा प्रदर्शन करेंगे और प्रभावशाली अर्शदीप सिंह का पूरा साथ देंगे। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका सीरीज जीतने के लिए प्रतिबद्ध है। लेकिन वह तेज गेंदबाज बर्गर और बल्लेबाज टोनी डी जॉर्जी की फिटनेस को लेकर चिंतित है। यह देखना होगा कि ये दोनों खिलाड़ी इस मैच के लिए पूरी तरह फिट हो पाते हैं या नहीं।

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान/विकेट कीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, केशव महाराज, मार्को यान्सेन, एडेन मार्करम, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

टेस्ट में हार के बाद वनडे सीरीज में जीतने की बेताबी : डोएशे

विशाखापत्तनम : सहायक कोच रेयान टेन डोएशे ने शुक्रवार को कहा कि टेस्ट सीरीज में उम्मीद से खराब प्रदर्शन के कारण भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज जीतने के लिए कुछ हद तक 'बेताब' है।

भारत हाल ही में दक्षिण अफ्रीका से से दो मैचों की टेस्ट सीरीज 0-2 से हार गया था और वनडे सीरीजअब 1-1 से बराबर है। डोएशे ने एकदिवसीय सीरीज के निर्णायक तीसरे वनडे की पूर्व संध्या पर कहा, खिलाड़ियों का यह एक बहुत ही अलग समूह है, लेकिन खिलाड़ी अपनी जिम्मेदारी को लेकर पूरी तरह से जागरूक है।

लोकेश राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम ने रांची में पहला वनडे 17 रन से जीता लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने रायपुर में चार विकेट की जीत से शानदार वापसी की। डोएशे ने कहा हम हमेशा जीतना चाहते हैं। जब कुछ हार का सिलसिला शुरू हो जाता है और प्रदर्शन हमारी अपेक्षा से कम हो जाता है तो निश्चित तौर पर मुझे लगता है कि यह श्रृंखला के दृष्टिकोण से थोड़ी हताशा है। डोएशे ने हालांकि कि कहा कि इस टीम के खिलाड़ी ऐसे दबाव भरे हालात से निपटने के आदी हो चुके हैं।

मैक्सवेल, रसेल व अश्विन समेत कई बड़े नाम रहेंगे गायब

अबू धाबी, एजेंसी

- **अबू धाबी में आज होगी आईपीएल 2026 की नीलामी**
- **10 फ्रेंचाइजी के 77 स्लॉट भरने के लिए होगी जोरआजमाइस**

1355 क्रिकेट खिलाड़ियों ने कराया रजिस्ट्रेशन

अबू धाबी में 6 दिसंबर को होने वाली आईपीएल 2026 नीलामी में 10 फ्रेंचाइजी 77 स्लॉट भरने के लिए एक-दूसरे को पछाड़ती नजर आएंगी। इसमें 31 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। कुल 1355 क्रिकेट खिलाड़ियों - जिसमें 1,062 भारतीय और 293 विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं- ने पहले ही आने वाली इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन करा लिया है।

नीलामी में शामिल होने वाले खिलाड़ियों की फाइनल शॉर्टलिस्ट 5 दिसंबर के बाद सभी टीमों की दिलचस्पी जानने के बाद तय की जाएगी। हालांकि, कुछ बड़े नाम आने वाली आईपीएल नीलामी से गायब रहेंगे क्योंकि कई हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों, जिन्हें उनकी संबंधित टीमों ने रिलीज कर दिया था, ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है। कुछ और जाने-पहचाने चेहरे भी लीग या क्रिकेट से पूरी तरह रिटायरमेंट के कारण भविष्य के आईपीएल सीजन में वापस नहीं आएंगे। यहां उन टॉप क्रिकेटरों की पूरी लिस्ट दी गई है जो आईपीएल 2026 नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। ग्लेन मैक्सवेल ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट स्टार ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन नहीं कराने का फैसला किया है, जिससे फ्रेंचाइजी टी20 क्रिकेट लीग में उनके लगातार 13 सीजन का सिलसिला खत्म हो गया, जो 2012 में दिल्ली कैपिटल्स के साथ शुरू हुआ था।

साल की शुरुआत में आर. अश्विन ने ले लिया था संन्यास

इस साल की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद, अश्विन आईपीएल नीलामी का हिस्सा नहीं होंगे। यह ऑफ-स्पिनर पहले सीजन से ही आईपीएल का हिस्सा रहे हैं, जब सीएसके ने उन्हें एक घरेलू खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया था, पर उन्होंने 2009 में डेब्यू किया था। तब से, अश्विन 2017 के सीजन को छोड़कर हर आईपीएल सीजन का हिस्सा रहे हैं- यह वह सीजन था जो उन्होंने पुणे टीम में होने के बावजूद चोट के कारण मिस कर दिया था।

खेल मंत्री ने घुड़सवारी पदक विजेताओं को किया सम्मानित

नई दिल्ली : खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने हाल ही में थाईलैंड में एफईआई एशियाई घुड़सवारी चैंपियनशिप में एक व्यक्तिगत स्वर्ण सहित पांच पदक जीतने वाली भारतीय 'इवेंटिंग' और 'ड्रेसेज' टीमों को सम्मानित किया और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए घोड़ों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने हेतु एक वर्ष के अंदर देश में एक पृथकवास केंद्र स्थापित करने का वादा किया। पटाया में आयोजित प्रतियोगिता में छह सदस्यीय भारतीय टीम ने भाग लिया था जिसमें से आशीष लिमये ने दो पदक जीते।

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी पुरस्कार के लिए शेफाली नामांकित

दुबई, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में 87 रन की तेजतर्रार पारी खेलने और दो महत्वपूर्ण विकेट लेने वाली भारतीय क्रिकेटर शेफाली वर्मा को नवंबर महीने के लिए अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल के चोटिल हो जाने के कारण शेफाली को भारतीय टीम में जगह मिली थी। उन्हें फाइनल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था और अब वह महिलाओं के पुरस्कार के लिए नामांकित की गई तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग का पुरस्कार हासिल करने के लिए उन्हें संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओझा और थाईलैंड की थिपाचा पुथावोंग की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

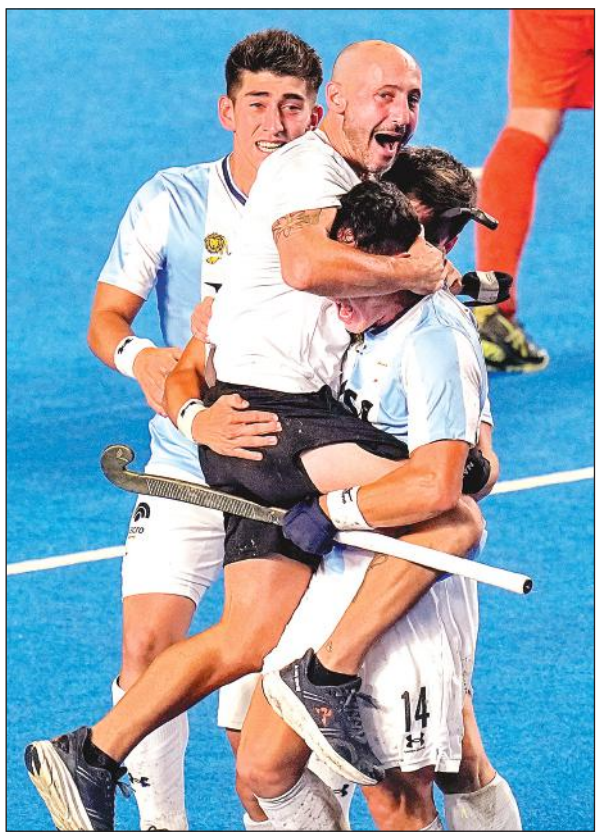

हॉकी पुरुष जूनियर विश्व कप 2025 के क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड के खिलाफ 1-0 की जीत का जश्न मनाते अर्जेंटीना के खिलाड़ी। एजेंसी

जूनियर हॉकी विश्व कप | मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में फ्रांस-जर्मनी का मुकाबला देखने के लिए खिलाड़ियों के परिजन और बड़ी संख्या में दर्शन मौजूद रहे

जर्मनी, स्पेन और अर्जेंटीना सेमीफाइनल में पहुंचे

चेन्नई, एजेंसी

सात बार की चैंपियन जर्मनी ने जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप के रोमांचक क्वार्टर फाइनल में शुक्रवार को पिछली उपविजेता फ्रांस को शूटआउट में हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि स्पेन और अर्जेंटीना ने भी अंतिम चार में जगह बना ली। स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से और अर्जेंटीना ने नीदरलैंड को 1-0 से हराया।

दो साल पहले खेले गए फाइनल की यादें ताजा करते हुए जर्मनी ने एक बार फिर जोश से भरी फ्रांस टीम पर अपना दबदबा कायम रखा। मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर यह मुकाबला देखने के लिए दोनों यूरोपीय दिग्गज टीमों के खिलाड़ियों के परिजन मौजूद थे जो लगातार हौसलाअफजाई कर रहे थे। निर्धारित समय तक स्कोर 2-2 से बराबर रहने के बाद मैच शूटआउट तक खिंचा। शूटआउट में जर्मनी के लिये जोनास वोन जर्सम, जस्टस वारवेग और लुकास कोसेल ने गोल दागे जबकि फ्रांस के लिये सिर्फ आर्टिस्टाइड मिकालेस ही गोल कर सके। इससे पहले निर्धारित समय में फ्रांस ने आखिरी पांच मिनट बाकी रहते हुगो डोलोउ के फील्ड गोल के दम पर स्कोर 2-2 से बराबर किया। जर्मनी के लिए 30वें मिनट में एलेक वोन श्वेरिन ने पहला गोल दागा लेकिन इसी मिनट जवाबी हमले में फ्रांस के मेलो मार्तिनेश ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके स्कोर बराबर कर दिया। ब्रेक के बाद छठे मिनट में जर्मनी के पॉल ग्लांडेर ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके टीम को फिर बढत दिला दी थी लेकिन फ्रांस के डोलोउ ने 55वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। इससे पहले बेहद रोमांचक मुकाबले में आखिरी सेकंडों में पेनल्टी कॉर्नर पर ब्रूनो अविला के गोल के दम पर स्पेन ने न्यूजीलैंड को 4-3 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में मुकाबला करते जर्मनी (लाल जर्सी) व फ्रांस के खिलाड़ी। एजेंसी

स्पेन ने पहले ही क्वार्टर में तीन गोल करके मैच का रूख एकतरफा करने की कोशिश की लेकिन न्यूजीलैंड ने अगले तीन क्वार्टर में एक एक गोल करके वापसी की और लग रहा था कि मैच शूटआउट तक जाएगा लेकिन स्पेन को आखिरी पलों में निर्णायक पेनल्टी कॉर्नर मिला। स्पेन के लिये निकोलस मुस्तारोस ने दूसरे मिनट में, जोसेफ मार्तिन ने दसवें और अलबर्ट सेराहिमा ने 12वें मिनट में फील्ड गोल किये।

तीसरे क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के लिये कप्तान रूइज तोमाज ने 52वें मिनट में गोल किया। नीदरलैंड को आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन गोल नहीं हो सका।

भारतीय हॉकी कोच फुल्टोन के बेटे जैक खेल रहे आयरलैंड से

चेन्नई : भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टोन के बेटे जैक ने जब अपने पिता की 'कर्मभूमि' पर आयरलैंड के लिए जूनियर विश्व कप में पदार्पण किया तो उनकी हौसलाअफजाई के लिए पिता दर्शक दीर्घा में नहीं थे। इस महीने अपना सत्रहवां जन्मदिन मनाने जा रहे जैक ने मदुरै में कनाडा के खिलाफ आयरलैंड के लिये विश्व कप में पहला मैच खेला जब उनके पिता क्रेग भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ मलेशिया के इपोह में सुल्तान अजलन शाह कप टूर्नामेंट में व्यस्त थे। चेन्नई में स्विटजरलैंड के खिलाफ क्लासीफिकेशन मैच में मिली जीत के बाद जैक ने कहा मैं इससे पहले एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के दौरान यहां आ चुका हूं।

भारत ने आयरलैंड को 4-0 से हराया

सैंटियागो (चिली) : पूर्णिमा यादव के दो गोल की बदौलत भारत ने शुक्रवार को एफआईएच जूनियर महिला विश्व कप के पूल सी के अपने अंतिम मैच में आयरलैंड को 4-0 से हराया। पूर्णिमा (42वें, 58वें मिनट), कनिका सिवाच (12वें मिनट) और साक्षी राणा (57वें मिनट) ने भारत के लिए गोल किए।

भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाना शुरू किया। टीम ने 12 सेकेंड के अंदर ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया लेकिन उनका प्रयास गोल में नहीं बदला। भारत ने 10वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन यह मौका भी बेकार चला गया।

साक्षी ने इसके दो मिनट बाद सर्कल के अंदर कनिका को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने प्रतिद्वंद्वी टीम की गोलकीपर को कुशलता से चकमा देकर मैच का पहला गोल दाग दिया।